Heﷲﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

Fools' Acclaimed Paradise-the final Abode for Mutadeen.

కలన్నవః-కుళ్ళాయి-టోపీదాసుల-స్వర్గం-

An-Nisaa (4:59)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓاْ أَطِيعُواْ ٱللَّهَ وَأَطِيعُواْ ٱلرَّسُولَ وَأُوْلِي ٱلۡأَمۡرِ مِنكُمۡۖ فَإِن تَنَٰزَعۡتُمۡ فِي شَيۡءٖ فَرُدُّوهُ إِلَى ٱللَّهِ وَٱلرَّسُولِ إِن كُنتُمۡ تُؤۡمِنُونَ بِٱللَّهِ وَٱلۡيَوۡمِ ٱلۡءَاخِرِۚ ذَٰلِكَ خَيۡرٞ وَأَحۡسَنُ تَأۡوِيلًا

O you who believe! Obey Allahﷻ and obey the Messenger (Muhammad SAW), and those of you (Muslims) who are in authority. (And) if you differ in anything amongst yourselves, refer it to Allahﷻ and His Messenger (SAW), if you believe in Allahﷻ and in the Last Day. That is

better and more suitable for final determination.

হে ঈমানদারগণ! আল্লাহﷻর নির্দেশ মান্য কর, নির্দেশ মান্য কর রসূলের ﷺ এবং তোমাদের মধ্যে যারা বিচারক তাদের। তারপর যদি তোমরা কোন বিষয়ে বিবাদে প্রবৃত্ত হয়ে পড়, তাহলে তা আল্লাহﷻ ও তাঁর রসূলের প্রতি প্রত্যর্পণ কর-যদি তোমরা আল্লাহﷻ ও কেয়ামত দিবসের উপর বিশ্বাসী হয়ে থাক। আর এটাই কল্যাণকর এবং পরিণতির দিক দিয়ে উত্তম।

ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाहﷻ की आज्ञा का पालन करो और रसूल का कहना मानो और उनका भी कहना मानो जो तुममें अधिकारी लोग है। फिर यदि तुम्हारे बीच किसी मामले में झगड़ा हो जाए, तो उसे तुम अल्लाहﷻ और रसूल की ओर लौटाओ, यदि तुम अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान रखते हो। यदि उत्तम है और परिणाम की स्पष्ट से भी अच्छा है

ای آنان که ایمان آوردید فرمان برید خدا و رسول را و اولیاء امر را از شما و اگر در چیزی با هم ستیزه کردید به خدا و رسولش (کارداران) بازگردانید اگر هستید ایمان آورنده به خدا و روز آخر این بهتر است و

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █At-Taghaabun (64:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

زَعَمَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ أَن لَّن يُبْعَثُوا۟ ۚ قُلْ بَلَىٰ وَرَبِّى لَتُبْعَثُنَّ ثُمَّ لَتُنَبَّؤُنَّ بِمَا عَمِلْتُمْ ۚ وَذَٰلِكَ عَلَى ٱللَّهِ يَسِيرٌ

The disbelievers pretend that they will never be resurrected (for the Account). Say (O Muhammad SAW): "Yes! By my Lordﷻ, you will certainly be resurrected, then you will be informed of (and recompensed for) what you did, and that is easy for Allahﷻ.

কাফেররা দাবী করে যে, তারা কখনও পুনরুত্থিত হবে না। বলুন, অবশ্যই হবে, আমার পালনকর্তার কসম, তোমরা নিশ্চয় পুরুত্থিত হবে। অতঃপর তোমাদেরকে অবহিত করা হবে যা তোমরা করতে। এটা আল্লাহﷻর পক্ষে সহজ।

जिन लोगों ने इनकार किया उन्होंने दावा किया वे मरने के पश्चात कदापि न उठाए जाएँगे। कह दो, "क्यों नहीं, मेरे रब की क़सम! तुम अवश्य उठाए

जाओगे, फिर जो कुछ तुमने किया है उससे तुम्हें अवगत करा दिया जाएगा। और अल्लाहﷻ के लिए यह अत्यन्त सरल है।"

پنداشتند آنان که کفر ورزیدند که هرگز برانگیخته نشوند بگو بلی سوگند به پروردگارم هر آینه برانگیخته شوید سپس آگاه شوید بدانچه کردید و آن است بر خدا آسان

▬ ▬ ▬ ▬ ▬ ▬ █An-Nisaa (4:60)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَلَمْ تَرَ إِلَى ٱلَّذِينَ يَزْعُمُونَ أَنَّهُمْ ءَامَنُوا۟ بِمَآ أُنزِلَ إِلَيْكَ وَمَآ أُنزِلَ مِن قَبْلِكَ يُرِيدُونَ أَن يَتَحَاكَمُوٓا۟ إِلَى ٱلطَّٰغُوتِ وَقَدْ أُمِرُوٓا۟ أَن يَكْفُرُوا۟ بِهِۦ وَيُرِيدُ ٱلشَّيْطَٰنُ أَن يُضِلَّهُمْ ضَلَٰلًۢا بَعِيدًا

Have you seen those (hyprocrites) who claim that they believe in that which has been sent down to you, and that which was sent down before you, and they wish to go for judgement (in their disputes) to the Taghut (false judges, etc.) while they have been ordered to reject them. But Shaitan (Satan) wishes to lead them far astray.

আপনি কি তাদেরকে দেখেননি, যারা দাবী করে যে, যা আপনার প্রতি অবতীর্ণ হয়েছে আমরা সে বিষয়ের উপর ঈমান এনেছি এবং আপনার পূর্বে যা অবতীর্ণ হয়েছে। তারা বিরোধীয় বিষয়কে শয়তানের দিকে নিয়ে যেতে চায়, অথচ তাদের প্রতি নির্দেশ হয়েছে, যাতে তারা ওকে মান্য না করে। পক্ষান্তরে শয়তান তাদেরকে প্রতারিত করে পথভ্রষ্ট করে ফেলতে চায়।

क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा, जो दावा तो करते है कि वे उस चीज़ पर ईमान रखते हैं, जो तुम्हारी ओर उतारी गई है और तुमसे पहले उतारी गई है। और चाहते है कि अपना मामला ताग़ूत के पास ले जाकर फ़ैसला कराएँ, जबकि उन्हें हुक्म दिया गया है कि वे उसका इनकार करें? परन्तु शैतान तो उन्हें भटकाकर बहुत दूर डाल देना चाहता है

آیا ندیدی آنان را که پندارند آنکه ایشان ایمان آورده‌اند بدانچه به سوی تو فرستاده شده است و آنچه پیش از تو فرستاده شده است خواهند داوری برند به سوی ستمگر حالی که امر شدند که کفر ورزند بدو و خواهد شیطان که گمراهشان سازد گمراهیی دور

An-Nisaa (4:61)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ تَعَالَوْا۟ إِلَىٰ مَآ أَنزَلَ ٱللَّهُ وَإِلَى ٱلرَّسُولِ رَأَيْتَ ٱلْمُنَٰفِقِينَ يَصُدُّونَ عَنكَ صُدُودًا

And when it is said to them: "Come to what Allahﷻ has sent down and to the Messenger (Muhammad SAW)," you (Muhammad SAW) see the hypocrites turn away from you (Muhammad SAW) with aversion.

আর যখন আপনি তাদেরকে বলবেন, আল্লাহﷻর নির্দেশের দিকে এসো-যা তিনি রসূলেরﷺ প্রতি নাযিল করেছেন, তখন আপনি মুনাফেকদিগকে দেখবেন, ওরা আপনার কাছ থেকে সম্পূর্ণ ভাবে সরে যাচ্ছে।

और जब उनसे कहा जाता है कि आओ उस चीज़ की ओर जो अल्लाहﷻ ने उतारी है और आओ रसूलﷺ की ओरस तो तुम मुनाफ़िको (कपटाचारियों) को देखते हो कि वे तुमसे कतराकर रह जाते है

و اگر گفته شود بدیشان که بیائید به سوی آنچه خدا فرستاده است و به

سوی رسول بنگری منافقان را که بازمی دارند از تو بازداشتنی

An-Nisaa (4:62)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَكَيْفَ إِذَآ أَصَٰبَتْهُم مُّصِيبَةٌۢ بِمَا قَدَّمَتْ أَيْدِيهِمْ ثُمَّ جَآءُوكَ يَحْلِفُونَ بِٱللَّهِ إِنْ أَرَدْنَآ إِلَّآ إِحْسَٰنًا وَتَوْفِيقًا

How then, when a catastrophe befalls them because of what their hands have sent forth, they come to you swearing by Allahﷻ, "We meant no more than goodwill and conciliation!"

এমতাবস্থায় যদি তাদের কৃতকর্মের দরুন বিপদ আরোপিত হয়, তবে তাতে কি হল! অতঃপর তারা আপনার কাছে আল্লাহﷻর নামে কসম খেয়ে খেয়ে ফিরে আসবে যে, মঙ্গল ও সম্প্রীতি ছাড়া আমাদের অন্য কোন উদ্দেশ্য ছিল না।

फिर कैसी बात होगी कि जब उनकी अपनी करतूतों के कारण उनपर बड़ी मुसीबत आ पडेगी। फिर वे तुम्हारे पास अल्लाहﷻ की क़समें खाते हुए आते है कि हम तो केवल भलाई और बनाव चाहते थे?

He ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

پس چگونه است که اگر پیش آمدی بدیشان رسد بدانچه دستهاشان پیش فرستاده است آیند نزد تو سوگند خورند که نخواستیم ما جز نکوکاری و کارساز آوردن را

An-Nisaa (4:63)

بسم الله الرحمن الرحيم

أُو۟لَٰٓئِكَ ٱلَّذِينَ يَعْلَمُ ٱللَّهُ مَا فِى قُلُوبِهِمْ فَأَعْرِضْ عَنْهُمْ وَعِظْهُمْ وَقُل لَّهُمْ فِىٓ أَنفُسِهِمْ قَوْلًۢا بَلِيغًا

They (hypocrites) are those of whom Allah ﷻ knows what is in their hearts; so turn aside from them (do not punish them) but admonish them, and speak to them an effective word (i.e. to believe in Allah ﷻ, worship Him, obey Him, and be afraid of Him) to reach their innerselves.

এরা হলো সে সমস্ত লোক, যাদের মনের গোপন বিষয় সম্পর্কেও আল্লাহ ﷻ তা'আলা অবগত। অতএব, আপনি ওদেরকে উপেক্ষা করুন এবং ওদেরকে সদুপদেশ দিয়ে এমন কোন কথা বলুন যা তাদের জন্য কল্যাণকর।

ये वे लोग है जिनके दिलों की बात अल्लाहﷻ भली-भाँति जानता है; तो तुम उन्हें जाने दो और उन्हें समझओ और उनसे उनके विषय में वह बात कहो जो प्रभावकारी हो

آنانند که خدا می‌داند آنچه در دلهای ایشان است پس روی گردان از ایشان و اندرز ده ایشان را و بگو ایشان را به دلهای ایشان گفتاری رسا

An-Nisaa (4:64)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَآ أَرْسَلْنَا مِن رَّسُولٍ إِلَّا لِيُطَاعَ بِإِذْنِ ٱللَّهِ وَلَوْ أَنَّهُمْ إِذ ظَّلَمُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ جَآءُوكَ فَٱسْتَغْفَرُوا۟ ٱللَّهَ وَٱسْتَغْفَرَ لَهُمُ ٱلرَّسُولُ لَوَجَدُوا۟ ٱللَّهَ تَوَّابًا رَّحِيمًا

Weﷲﷻ sent no Messenger, but to be obeyed by Allahﷻ's Leave. If they (hypocrites), when they had been unjust to themselves, had come to you (Muhammad SAW) and begged Allah'ﷻs Forgiveness, and the Messenger had begged forgiveness for them: indeed, they would have found Allah ﷻAll-Forgiving (One Who accepts repentance), Most

Merciful.

বস্তুতঃ আমি একমাত্র এই উদ্দেশ্যেই রসূল প্রেরণ করেছি, যাতে আল্লাহﷻর নির্দেশানুযায়ী তাঁদের আদেশ-নিষেধ মান্য করা হয়। আর সেসব লোক যখন নিজেদের অনিষ্ট সাধন করেছিল, তখন যদি আপনার কাছে আসত অতঃপর আল্লাহﷻর নিকট ক্ষমা প্রার্থনা করত এবং রসূলও যদি তাদেরকে ক্ষমা করিয়ে দিতেন। অবশ্যই তারা আল্লাহকে ক্ষমাকারী, মেহেরবানরূপে পেত।

हमने जो रसूल भी भेजा, इसलिए भेजा कि अल्लाहﷻ की अनुमति से उसकी आज्ञा का पालन किया जाए। और यदि यह उस समय, जबकि इन्होंने स्वयं अपने ऊपर ज़ुल्म किया था, तुम्हारे पास आ जाते और अल्लाहﷻ से क्षमा की प्रार्थना करता तो निश्चय ही वे अल्लाहﷻ को अत्यन्त क्षमाशील और दयावान पाते

و نفرستادیم پیمبری را مگر تا اطاعت شود به اذن خدا و اگر اینان گاهی که به خود ستم روا می‌داشتند می‌آمدند نزد تو و آمرزش می‌خواستند از خدا و آمرزش می‌خواست برای ایشان پیمبر همانا می‌یافتند خدا را بسی توبه‌پذیرنده مهربان

An-Nisaa (4:65)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَلَا وَرَبِّكَ لَا يُؤْمِنُونَ حَتَّىٰ يُحَكِّمُوكَ فِيمَا شَجَرَ بَيْنَهُمْ ثُمَّ لَا يَجِدُوا۟ فِىٓ أَنفُسِهِمْ حَرَجًا مِّمَّا قَضَيْتَ وَيُسَلِّمُوا۟ تَسْلِيمًا

But no, by your Lord الله ﷻ, they can have no Faith, until they make you (O Muhammad SAW) judge in all disputes between them, and find in themselves no resistance against your decisions, and accept (them) with full submission.

অতএব, তোমার পালনকর্তার الله ﷻ কসম, সে লোক ঈমানদার হবে না, যতক্ষণ না তাদের মধ্যে সৃষ্ট বিবাদের ব্যাপারে তোমাকে ন্যায়বিচারক বলে মনে না করে। অতঃপর তোমার মীমাংসার ব্যাপারে নিজের মনে কোন রকম সংকীর্ণতা পাবে না এবং তা হৃষ্টচিত্তে কবুল করে নেবে।

तो तुम्हें तुम्हारे रब الله ﷻ की कसम! ये ईमानवाले नहीं हो सकते जब तक

कि अपने आपस के झगड़ो में ये तुमसे फ़ैसला न कराएँ। फिर जो फ़ैसला तुम कर दो, उसपर ये अपने दिलों में कोई तंगी न पाएँ और पूरी तरह मान ले

نه چنین است به پروردگار تو سوگند ایمان نیارند به تو تا به داوری بگزینندت در آنچه سرزده است بینشان و سپس نیابند در دلهای خویش چاره‌ای از آنچه تو قضاوت کرده‌ای و تسلیم شوند تسلیم شدنی

An-Nisaa (4:66)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَوْ أَنَّا كَتَبْنَا عَلَيْهِمْ أَنِ ٱقْتُلُوٓا۟ أَنفُسَكُمْ أَوِ ٱخْرُجُوا۟ مِن دِيَٰرِكُم مَّا فَعَلُوهُ إِلَّا قَلِيلٌ مِّنْهُمْ وَلَوْ أَنَّهُمْ فَعَلُوا۟ مَا يُوعَظُونَ بِهِۦ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ وَأَشَدَّ تَثْبِيتًا

And if We had ordered them (saying), "Kill yourselves (i.e. the innnocent ones kill the guilty ones) or leave your homes," very few of them would have done it; but if they had done what they were told, it would have been better for them, and would have strengthened their (Faith);

আর যদি আমি তাদের নির্দেশ দিতাম যে, নিজেদের প্রাণ ধ্বংস করে দাও কিংবা নিজেদের নগরী ছেড়ে বেরিয়ে যাও, তবে তারা তা করত না; অবশ্য তাদের মধ্যে অল্প কয়েকজন। যদি তারা তাই করে যা তাদের উপদেশ দেয়া হয়, তবে তা অবশ্যই তাদের জন্য উত্তম এং তাদেরকে নিজের ধর্মের উপর সুদৃঢ় রাখার জন্য তা উত্তম হবে।

और यदि कहीं हमने उन्हें आदेश दिया होता कि "अपनों को क़त्ल करो या अपने घरों से निकल जाओ।" तो उनमें से थोड़े ही ऐसा करते। हालाँकि जो नसीहत उन्हें दी जाती है, अगर वे उसे व्यवहार में लाते तो यह बात उनके लिए अच्छी होती और ज़्यादा ज़माव पैदा करनेवाली होती

و اگر ما می‌نوشتیم بر ایشان که بکشید همدیگر را یا برون روید از شهرهای خود نمی‌کردندش جز کمی از ایشان و اگر می‌کردند آنچه را پند داده می‌شدند هرآینه برای آنان بهتر بود و سخت استوارتر

An-Nisaa (4:67)

وَإِذًا لَّءَاتَيْنَٰهُم مِّن لَّدُنَّآ أَجْرًا عَظِيمًا

And indeed We ﷻ should then have bestowed upon them a great reward from Ourselves.

আর তখন অবশ্যই আমি ﷻ তাদেরকে নিজের পক্ষ থেকে মহান সওয়াব দেব।

और उस समय हम ﷻ उन्हें अपनी ओर से निश्चय ही बड़ा बदला प्रदान करते

و در آن هنگام می‌دادیمشان از نزد خویش مزدی بزرگ

An-Nisaa (4:68)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَهَدَيْنَٰهُمْ صِرَٰطًا مُّسْتَقِيمًا

And indeed We ﷻ should have guided them to a Straight Way.

আর ﷻতাদেরকে সরল পথে পরিচালিত করব।

औरالله ﷻ उन्हें सीधे मार्ग पर लगा देते

و رهبریشان می‌کردیم به راهی راست

An-Nisaa (4:69)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يُطِعِ ٱللَّهَ وَٱلرَّسُولَ فَأُو۟لَٰٓئِكَ مَعَ ٱلَّذِينَ أَنْعَمَ ٱللَّهُ عَلَيْهِم مِّنَ ٱلنَّبِيِّـۧنَ وَٱلصِّدِّيقِينَ وَٱلشُّهَدَآءِ وَٱلصَّٰلِحِينَ ۚ وَحَسُنَ أُو۟لَٰٓئِكَ رَفِيقًا

And whoso obeys Allah ﷻ and the Messenger (Muhammad SAW), then they will be in the company of those on whom Allah ﷻ has bestowed His Grace, of the Prophets, the Siddiqun (those followers of the Prophets who were first and foremost to believe in them, like Abu Bakr As-Siddiq), the martyrs, and the righteous. And how excellent these companions are!

আর যে কেউ আল্লাহﷻর হুকুম এবং তাঁর রসূলের হুকুম মান্য করবে, তাহলে যাঁদের প্রতি আল্লাহ ﷻ নেয়ামত দান করেছেন, সে তাঁদের সঙ্গী হবে। তাঁরা হলেন নবী, ছিদ্দীক, শহীদ ও সৎকর্মশীল

ব্যক্তিবর্গ। আর তাদের সান্নিধ্যই হল উত্তম।

जो अल्लाहﷻ और रसूल की आज्ञा का पालन करता है, तो ऐसे ही लोग उन लोगों के साथ है जिनपर अल्लाहﷻ की कृपा स्पष्ट रही है - वे नबी, सिद्दीक़, शहीद और अच्छे लोग है। और वे कितने अच्छे साथी है

و آن کس که اطاعت کند خدا و پیمبر را همانا آنان با کسانیند که خدا نعمت بدیشان داده است از پیمبران و راستگویان و کشتگان راه خدا و شایستگان و چه نیکو رفیقانند

An-Nisaa (4:70)

ذَٰلِكَ ٱلْفَضْلُ مِنَ ٱللَّهِ وَكَفَىٰ بِٱللَّهِ عَلِيمًا

Such is the Bounty from Allahﷻ, and Allahﷻ is Sufficient as All-Knower.

এটা হল আল্লাহﷻ-প্রদত্ত মহত্ত্ব। আর আল্লাহﷻ যথেষ্ট পরিজ্ঞাত।

यह अल्लाहﷻ का उदार अनुग्रह है। और काफ़ी है अल्लाह,ﷻ इस हाल में कि वह भली-भाँति जानता है

این است فزونی از خدا و بس است خدا دانا

▁▂▃▄▅▆█

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

█▁◯█◯▄▁◯▃▁◯▃◯▁

ముష్రికులు-Mushrikeena.

▁▂▃▄▅▆█Al-An'aam (6:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَوْمَ نَحْشُرُهُمْ جَمِيعًا ثُمَّ نَقُولُ لِلَّذِينَ أَشْرَكُوٓا۟ أَيْنَ شُرَكَآؤُكُمُ ٱلَّذِينَ كُنتُمْ تَزْعُمُونَ

And on the Day when We ﷲﷻshall gather them all together, Weﷲﷻ shall say to those who joined partners in worship (with Us): "Where are your partners (false deities) whom you used to assert (as partners in worship with Allah)?"

আর যেদিন আমিﷲﷻ তাদের সবাইকে একত্রিত করব, অতঃপর

যারা শিরক করেছিল, তাদের বলবঃ যাদেরকে তোমরা অংশীদার বলে ধারণা করতে, তারা কোথায়?

और उस दिन को याद करो जब हमﷲ सबको इकट्ठा करेंगे; फिर बहुदेववादियों से पूछेंगे, "कहाँ है तुम्हारे ठहराए हुए साझीदार, जिनका तुम दावा किया करते थे?"

و روزی که گردشان آریم همگی پس گوئیم بدانان که شرک ورزیدند کجا است شریکان شما آنان که بودید می‌پنداشتید

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █Al-An'aam (6:23)

ثُمَّ لَمْ تَكُن فِتْنَتُهُمْ إِلَّآ أَن قَالُوا۟ وَٱللَّهِ رَبِّنَا مَا كُنَّا مُشْرِكِينَ

There will then be (left) no Fitnah (excuses or statements or arguments) for them but to say: "By Allah, our Lord, we were not those who joined others in worship with Allah."

অতঃপর তাদের কোন অপরিচ্ছন্নতা থাকবে না; তবে এটুকুই যে তারা বলবে আমাদের প্রতিপালক আল্লাহﷻর কসম, আমরা মুশরিক ছিলাম না।

फिर उनका कोई फ़िला (उपद्रव) शेष न रहेगा। सिवाय इसके कि वे कहेंगे, "अपने रब अल्लाहﷻ की सौगन्ध! हम बहुदेववादी न थे।"

پس نبود نیرنگ آنان جز آنکه گفتند به خدا سوگند پروردگار ما که نبودیم شرک‌ورزندگان

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █Al-An'aam (6:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱنظُرْ كَيْفَ كَذَبُوا۟ عَلَىٰٓ أَنفُسِهِمْ ۚ وَضَلَّ عَنْهُم مَّا كَانُوا۟ يَفْتَرُونَ

Look! How they lie against themselves! But the (lie) which they invented will disappear from them.

দেখতো, কিভাবে মিথ্যা বলছে নিজেদের বিপক্ষে ? এবং যেসব বিষয়

তারা আপনার প্রতি মিছামিছি রচনা করত, তা সবই উধাও হয়ে গেছে।

देखो, कैसा वे अपने विषय में झूठ बोले। और वह गुम होकर रह गया जो वे घड़ा करते थे

بنگر چگونه دروغ گفتند بر خویشتن و گم شد از ایشان آنچه بودند دروغ می‌بستند

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █Al-An'aam (6:25)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمِنْهُم مَّن يَسْتَمِعُ إِلَيْكَ وَجَعَلْنَا عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ أَكِنَّةً أَن يَفْقَهُوهُ وَفِىٓ ءَاذَانِهِمْ وَقْرًا وَإِن يَرَوْا۟ كُلَّ ءَايَةٍ لَّا يُؤْمِنُوا۟ بِهَا حَتَّىٰٓ إِذَا جَآءُوكَ يُجَٰدِلُونَكَ يَقُولُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ إِنْ هَٰذَآ إِلَّآ أَسَٰطِيرُ ٱلْأَوَّلِينَ

And of them there are some who listen to you; but Weﷲﷻ have set veils on their hearts, so they understand it not, and deafness in their ears; if they see every one of the Ayat (proofs, evidences, verses,

lessons, signs, revelations, etc.) they will not believe therein; to the point that when they come to you to argue with you, the disbelievers say: "These are nothing but tales of the men of old."

তাদের কেউ কেউ আপনার দিকে কান লাগিয়ে থাকে। আমিﷲ ﷻ তাদের অন্তরের উপর আবরণ রেখে দিয়েছি যাতে একে না বুঝে এবং তাদের কানে বোঝা ভরে দিয়েছি। যদি তারা সব নিদর্শন অবলোকন করে তবুও সেগুলো বিশ্বাস করবে না। এমনকি, তারা যখন আপনার কাছে ঝগড়া করতে আসে, তখন কাফেররা বলেঃ এটি পুর্ববর্তীদের কিচ্ছাকাহিনী বৈ তো নয়।

और उनमें कुछ लोग ऐसे है जो तुम्हारी ओर कान लगाते है, हालाँकि हमﷲ ﷻने तो उनके दिलों पर परदे डाल रखे है कि वे उसे समझ न सकें और उनके कानों में बोझ डाल दिया है। और वे चाहे प्रत्येक निशानी देख लें तब भी उसे मानेंगे नहीं; यहाँ तक कि जब वे तुम्हारे पास आकर तुमसे झगड़ते है, तो अविश्वास की नीति अपनानेवाले कहते है, "यह तो बस पहले को लोगों की गाथाएँ है।"

و از ایشان است آنکه گوش فرا می‌دهد بسوی تو و قرار دادیم بر دلهای

ایشان پرده‌هائی از آنکه دریابندش و در گوشهای ایشان سنگینی و اگر بینند هر آیتی را ایمان نیارند بدان تا گاهی که آیندت ستیزه‌کنان با تو گویند آنان که کفر ورزیدند نیست این جز افسانه‌های پیشینیان

Al-An'aam (6:26)

وَهُمْ يَنْهَوْنَ عَنْهُ وَيَنْـَٔوْنَ عَنْهُ وَإِن يُهْلِكُونَ إِلَّآ أَنفُسَهُمْ وَمَا يَشْعُرُونَ

And they prevent others from him (from following Prophet Muhammad SAW) and they themselves keep away from him, and (by doing so) they destroy not but their ownselves, yet they perceive (it) not.

তারা এ থেকে বাধা প্রদান করে এবং এ থেকে পলায়ন করে। তারা নিজেদেরকে ধ্বংস করেছে, কিন্তু বুঝছে না।

और वे उससे दूसरों को रोकते है और स्वयं भी उससे दूर रहते है। वे तो बस अपने आपको ही विनष्ट कर रहे है, किन्तु उन्हें इसका एहसास नहीं

He ﷲ ﷺ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷲ ﷺ ই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷲ ﷺ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

و ایشان نهی کنند از آن و دوری گزینند از آن و نابود نکنند جز خویشتن را و نمی‌دانند

Al-An'aam (6:27)

وَلَوْ تَرَىٰٓ إِذْ وُقِفُوا۟ عَلَى ٱلنَّارِ فَقَالُوا۟ يَٰلَيْتَنَا نُرَدُّ وَلَا نُكَذِّبَ بِـَٔايَٰتِ رَبِّنَا وَنَكُونَ مِنَ ٱلْمُؤْمِنِينَ

If you could but see when they will be held over the (Hell) Fire! They will say: "Would that we were but sent back (to the world)! Then we would not deny the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, revelations, etc.) of our Lord, and we would be of the believers!"

আর আপনি যদি দেখেন, যখন তাদেরকে দোযখের উপর দাঁড় করানো হবে! তারা বলবেঃ কতই না ভাল হত, যদি আমরা পুনঃ প্রেরিত হতাম; তা হলে আমরা স্বীয় পালনকর্তার নিদর্শনসমূহে মিথ্যারোপ করতাম না এবং আমরা বিশ্বাসীদের অন্তর্ভুক্ত হয়ে যেতাম।

और यदि तुम उस समय देख सकते, जब वे आग के निकट खड़े किए जाएँगे और कहेंगे, "काश! क्या ही अच्छा होता कि हम फिर लौटा दिए जाएँ (कि माने) और अपने रब की आयतों को न झुठलाएँ और माननेवालों में हो जाएँ।"

و ای کاش می‌دیدی گاهی را که بازداشت شدند بر آتش گفتند کاش برگردانیده می‌شدیم و دروغ نمی‌شمردیم آیتهای پروردگار خود را و می‌شدیم از مؤمنان

Al-An'aam (6:28)

بَلْ بَدَا لَهُم مَّا كَانُوا۟ يُخْفُونَ مِن قَبْلُ ۖ وَلَوْ رُدُّوا۟ لَعَادُوا۟ لِمَا نُهُوا۟ عَنْهُ وَإِنَّهُمْ لَكَٰذِبُونَ

Nay, it has become manifest to them what they had been concealing before. But if they were returned (to the world), they would certainly revert to that which they were forbidden. And indeed they are liars.

এবং তারা ইতি পূর্বে যা গোপন করত, তা তাদের সামনে প্রকাশ হয়ে

পড়েছে। যদি তারা পুনঃ প্রেরিত হয়, তবুও তাই করবে, যা তাদেরকে নিষেধ করা হয়েছিল। নিশ্চয় তারা মিথ্যাবাদী।

कुछ नहीं, बल्कि जो कुछ वे पहले छिपाया करते थे, वह उनके सामने आ गया। और यदि वे लौटा भी दिए जाएँ, तो फिर वही कुछ करने लगेंगे जिससे उन्हें रोका गया था। निश्चय ही वे झूठे है

بلکه آشکار شد برای ایشان آنچه پنهان کرده بودند از پیش و اگر بازگردانیده شوند همانا برگردند بدانچه نهی شدند از آن و هر آینه آنانند دروغگویان

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █At-Taghaabun (64:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

زَعَمَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ أَن لَّن يُبْعَثُوا۟ ۚ قُلْ بَلَىٰ وَرَبِّى لَتُبْعَثُنَّ ثُمَّ لَتُنَبَّؤُنَّ بِمَا عَمِلْتُمْ ۚ وَذَٰلِكَ عَلَى ٱللَّهِ يَسِيرٌ

The disbelievers pretend that they will never be resurrected (for the Account). Say (O Muhammad SAW): "Yes! By my Lordﷲ, you will certainly be resurrected, then you will be informed of (and recompensed

for) what you did, and that is easy for Allah.

কাফেররা দাবী করে যে, তারা কখনও পুনরুত্থিত হবে না। বলুন, অবশ্যই হবে, আমার ﷲ ﷻপালনকর্তার কসম, তোমরা নিশ্চয় পুরুত্থিত হবে। অতঃপর তোমাদেরকে অবহিত করা হবে যা তোমরা করতে। এটা আল্লাহﷻর পক্ষে সহজ।

जिन लोगों ने इनकार किया उन्होंने दावा किया वे मरने के पश्चात कदापि न उठाए जाएँगे। कह दो, "क्यों नहीं, मेरे रबﷲ ﷻ की क़सम! तुम अवश्य उठाए जाओगे, फिर जो कुछ तुमने किया है उससे तुम्हें अवगत करा दिया जाएगा। और अल्लाहﷻ के लिए यह अत्यन्त सरल है।"

پنداشتند آنان که کفر ورزیدند که هرگز برانگیخته نشوند بگو بلی سوگند به پروردگارم هر آینه برانگیخته شوید سپس آگاه شوید بدانچه کردید و آن است بر خدا آسان

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █Al-An'aam (6:29)

وَقَالُوٓا۟ إِنْ هِىَ إِلَّا حَيَاتُنَا ٱلدُّنْيَا وَمَا نَحْنُ بِمَبْعُوثِينَ

And they said: "There is no (other life) but our (present) life of this world, and never shall we be resurrected (on the Day of Resurrection)."

তারা বলেঃ আমাদের এ পার্থিব জীবনই জীবন। আমাদেরকে পুনরায় জীবিত হতে হবে না।

और वे कहते है, "जो कुछ है बस यही हमारा सांसारिक जीवन है; हम कोई फिर उठाए जानेवाले नहीं हैं।"

گفتند نیست آن جز زندگانی دنیای ما و نیستیم ما برانگیختگان

Al-An'aam (6:30)

وَلَوْ تَرَىٰٓ إِذْ وُقِفُوا۟ عَلَىٰ رَبِّهِمْ ۚ قَالَ أَلَيْسَ هَٰذَا بِٱلْحَقِّ ۚ قَالُوا۟ بَلَىٰ وَرَبِّنَا ۚ قَالَ فَذُوقُوا۟ ٱلْعَذَابَ بِمَا كُنتُمْ تَكْفُرُونَ

If you could but see when they will be held (brought and made to stand)

in front of their Lord! He ﷲ ﷻ will say: "Is not this (Resurrection and the taking of the accounts) the truth?" They will say: "Yes, by our Lord! ﷻ" He will then say: "So taste you the torment because you used not to believe."

আর যদি আপনি দেখেন; যখন তাদেরকে ﷲ ﷻ প্রতিপালকের সামনে দাঁড় করানো হবে। তিনি বলবেনঃ এটা কি বাস্তব সত্য নয়? তারা বলবেঃ হ্যাঁ আমাদের ﷲ ﷻ প্রতিপালকের কসম। তিনি বলবেনঃ অতএব, স্বীয় কুফরের কারণে শাস্তি আস্বাদন কর।

और यदि तुम देख सकते जब वे अपने रब ﷲ ﷻ के सामने खड़े किए जाएँगे! वह कहेगा, "क्या यह यथार्थ नहीं है?" कहेंगे, "क्यों नही, हमारे रब ﷲ ﷻ की क़सम!" वह कहेगा, "अच्छा तो उस इनकार के बदले जो तुम करते रहें हो, यातना का मज़ा चखो।"

و کاش می‌دیدی گاهی را که بازداشت شدند پیشگاه پروردگارشان گوید آیا نیست این به حقّ گویند بلی سوگند به پروردگار ما گوید پس بچشید عذاب را بدانچه بودید کفر می‌ورزیدید

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █Al-An'aam (6:31)

﷽

قَدْ خَسِرَ ٱلَّذِينَ كَذَّبُوا۟ بِلِقَآءِ ٱللَّهِ حَتَّىٰٓ إِذَا جَآءَتْهُمُ ٱلسَّاعَةُ بَغْتَةً قَالُوا۟ يَٰحَسْرَتَنَا عَلَىٰ مَا فَرَّطْنَا فِيهَا وَهُمْ يَحْمِلُونَ أَوْزَارَهُمْ عَلَىٰ ظُهُورِهِمْ أَلَا سَآءَ مَا يَزِرُونَ

They indeed are losers who denied their Meeting with Allahﷻ, until all of a sudden, the Hour (signs of death) is on them, and they say: "Alas for us that we gave no thought to it," while they will bear their burdens on their backs; and evil indeed are the burdens that they will bear!

নিশ্চয় তারা ক্ষতিগ্রস্ত, যারা আল্লাহﷻর সাক্ষাৎকে মিথ্যা মনে করেছে। এমনকি, যখন কিয়ামত তাদের কাছে অকস্মাৎ এসে যাবে, তারা বলবেঃ হায় আফসোস, এর ব্যাপারে আমরা কতই না ক্রটি করেছি। তার স্বীয় বোঝা স্বীয় পৃষ্ঠে বহন করবে। শুনে রাখ, তারা যে বোঝা বহন করবে, তা নিকৃষ্টতর বোঝা।

वे लोग घाटे में पड़े, जिन्होंने अल्लाहﷻ से मिलने को झुठलाया, यहाँ तक कि जब अचानक उनपर वह घड़ी आ जाएगी तो वे कहेंगे, "हाय!

अफ़सोस, उस कोताही पर जो इसके विषय में हमसे हुई।" और हाल यह होगा कि वे अपने बोझ अपनी पीठों पर उठाए होंगे। देखो, कितना बुरा बोझ है जो ये उठाए हुए है!

همانا آیان کردند آنان که دروغ شمردند م قات خدا را تا گاهی که بیامدشان قیامت ناگهان گفتند دریغ ما را بدانچه کوتاهی کردیم در آن و حمل کنند بارهای خود را بر پشتهای خویش چه زشت است آنچه بار برمی‌دارند

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █Al-An'aam (6:32)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا ٱلْحَيَوٰةُ ٱلدُّنْيَآ إِلَّا لَعِبٌ وَلَهْوٌ وَلَلدَّارُ ٱلْـَٔاخِرَةُ خَيْرٌ لِّلَّذِينَ يَتَّقُونَ أَفَلَا تَعْقِلُونَ

And the life of this world is nothing but play and amusement. But far better is the house in the Hereafter for those who are Al-Muttaqun (the pious - see V. 2:2). Will you not then understand?

পার্থিব জীবন ক্রীড়া ও কৌতুক ব্যতীত কিছুই নয়। পরকালের

আবাস পরহেযগারদের জন্যে শ্রেষ্টতর। তোমরা কি বুঝ না ?

सांसारिक जीवन तो एक खेल और तमाशे (ग़फलत) के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है जबकि आख़िरत का घर उन लोगों के लिए अच्छा है, जो डर रखते है। तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?

و نیست زندگانی دنیا جز بازیچه و هوسرانی و همانا خانه آخرت است بهتر برای آنان که پرهیزکاری کنند آیا به خرد نمی‌آیید

Al-An'aam (6:33)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَدْ نَعْلَمُ إِنَّهُۥ لَيَحْزُنُكَ ٱلَّذِى يَقُولُونَ فَإِنَّهُمْ لَا يُكَذِّبُونَكَ وَلَٰكِنَّ ٱلظَّٰلِمِينَ بِـَٔايَٰتِ ٱللَّهِ يَجْحَدُونَ

Weﷲ ﷻ know indeed the grief which their words cause you (O Muhammad SAW): it is not you that they deny, but it is the Verses (the Quran) of Allah ﷻthat the Zalimun (polytheists and wrong-doers) deny.

আমারﷲ ﷻ জানা আছে যে, তাদের উক্তি আপনাকে দুঃখিত করে।

অতএব, তারা আপনাকে মিথ্যা প্রতিপন্ন করে না, বরং জালেমরা আল্লাহﷻর নিদর্শনাবলীকে অস্বীকার করে।

हमेंالله ﷻ मालूम है, जो कुछ वे कहते है उससे तुम्हें दुख पहुँचता है। तो वे वास्तव में तुम्हें नहीं झुठलाते, बल्कि उन अत्याचारियो को तो अल्लाहﷻ की आयतों से इनकार है

همانا دانیم که اندوهگینت کند آنچه گویند و هر آینه تکذیب نمی‌کنند تو را و لیکن ستمگران به آیتهای خدا انکار همی ورزند

Al-An'aam (6:34)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ كُذِّبَتْ رُسُلٌ مِّن قَبْلِكَ فَصَبَرُوا۟ عَلَىٰ مَا كُذِّبُوا۟ وَأُوذُوا۟ حَتَّىٰٓ أَتَىٰهُمْ نَصْرُنَا وَلَا مُبَدِّلَ لِكَلِمَـٰتِ ٱللَّهِ وَلَقَدْ جَآءَكَ مِن نَّبَإِى۟ ٱلْمُرْسَلِينَ

Verily, (many) Messengers were denied before you (O Muhammad SAW), but with patience they bore the denial, and they were hurt, till Ourﷻ Help reached them, and none can alter the Words (Decisions) of Allahﷻ.

Surely there has reached you the information (news) about the Messengers (before you).

আপনার পূর্ববর্তী অনেক পয়গম্বরকে মিথ্যা বলা হয়েছে। তাঁরা এতে ছবর করেছেন। তাদের কাছে আমার ﷻ সাহায্য পৌঁছে পর্যন্ত তারা নির্যাতিত হয়েছেন। আল্লাহ ﷻ র বানী কেউ পরিবর্তন করতে পারে না। আপনার কাছে পয়গম্বরদের কিছু কাহিনী পৌঁছেছে।

तुमसे पहले भी बहुत-से रसूल झुठलाए जा चुके है, तो वे अपने झुठलाए जाने और कष्ट पहुँचाए जाने पर धैर्य से काम लेते रहे, यहाँ तक कि उन्हें हमारी ﷻ सहायता पहुँच गई। कोई नहीं जो अल्लाह ﷻ की बातों को बदल सके। तुम्हारे पास तो रसूलों की कुछ ख़बरें पहुँच ही चुकी है

و همانا تکذیب شدند پیمبرانی پیش از تو پس شکیبا شدند بر آنچه تکذیب شدند و آزار کشیدند تا رسیدشان یاری ما و نیست برگرداننده برای سخنان خدا و همانا رسیده است تو را از داستان پیمبران

Al-An'aam (6:36)

إِنَّمَا يَسْتَجِيبُ ٱلَّذِينَ يَسْمَعُونَ ۘ وَٱلْمَوْتَىٰ يَبْعَثُهُمُ ٱللَّهُ ثُمَّ إِلَيْهِ يُرْجَعُونَ

It is only those who listen (to the Message of Prophet Muhammad SAW), will respond (benefit from it), but as for the dead (disbelievers), Allahﷻ will raise them up, then to Him they will be returned (for their recompense).

তারাই মানে, যারা শ্রবণ করে। আল্লাহﷻ মৃতদেরকে জীবিত করে উত্থিত করবেন। অতঃপর তারা তাঁরই দিকে প্রত্যাবর্তিত হবে।

मानते हो वही लोग है जो सुनते है, रहे मुर्दे, तो अल्लाहﷻ उन्हें (क़ियामत के दिन) उठा खड़ा करेगा; फिर वे उसी के ओर पलटेंगे

جز این نیست که می‌پذیرند از تو آنان که می‌شنوند و مردگان را خدا برانگیزد سپس بسوی او بازگردانیده شوند

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

Zalimoona-జాలిములు,

Al-An'aam (6:135)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ يَٰقَوْمِ ٱعْمَلُوا۟ عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ إِنِّى عَامِلٌ فَسَوْفَ تَعْلَمُونَ مَن تَكُونُ لَهُۥ عَٰقِبَةُ ٱلدَّارِ إِنَّهُۥ لَا يُفْلِحُ ٱلظَّٰلِمُونَ

Say (O Muhammad SAW): "O my people! Work according to your way, surely, I too am working (in my way), and you will come to know for which of us will be the (happy) end in the Hereafter. Certainly the Zalimun (polytheists and wrong-doers, etc.) will not be successful.

আপনি বলে দিনঃ হে আমার সম্প্রদায়, তোমরা স্বস্থানে কাজ করে যাও, আমিও কাজ করি। অচিরেই জানতে পারবে যে, পরিণাম গৃহ কে লাভ করে। নিশ্চয় জালেমরা সুফলপ্রাপ্ত হবে না।

कह दो, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! तुम अपनी जगह कर्म करते रहो, मैं भी अपनी जगह कर्मशील हूँ। शीघ्र ही तुम्हें मालूम हो जाएगा कि घर (लोक-

परलोक) का परिणाम किसके हित में होता है। निश्चय ही अत्याचारी सफल नहीं होते।"

بگو ای قوم بکنید هر آنچه توانید که منم کننده زود است بدانید که را است پایان خانه همانا رستگار نشوند ستمگران

Al-An'aam (6:136)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَجَعَلُواْ لِلَّهِ مِمَّا ذَرَأَ مِنَ ٱلۡحَرۡثِ وَٱلۡأَنۡعَٰمِ نَصِيبٗا فَقَالُواْ هَٰذَا لِلَّهِ بِزَعۡمِهِمۡ وَهَٰذَا لِشُرَكَآئِنَاۖ فَمَا كَانَ لِشُرَكَآئِهِمۡ فَلَا يَصِلُ إِلَى ٱللَّهِۖ وَمَا كَانَ لِلَّهِ فَهُوَ يَصِلُ إِلَىٰ شُرَكَآئِهِمۡۗ سَآءَ مَا يَحۡكُمُونَ

And they assign to Allah ﷻ a share of the tilth and cattle which He has created, and they say: "This is for Allah ﷻ according to their pretending, and this is for our (Allah'ﷻs so-called) partners." But the share of their (Allah's so-called) "partners" reaches not Allah ﷻ, while the share of Allah ﷻ reaches their (Allah'ﷻs so-called) "partners"! Evil is the way they judge!

আল্লাহ ﷻ যেসব শস্যক্ষেত্র ও জীবজন্তু সৃষ্টি করেছেন, সেগুলো থেকে তারা এক অংশ আল্লাহ ﷻর জন্য নির্ধারণ করে অতঃপর নিজ ধারণা অনুসারে বলে এটা আল্লাহ ﷻর এবং এটা আমাদের অংশীদারদের। অতঃপর যে অংশ তাদের অংশীদারদের, তা তো আল্লাহ ﷻর দিকে পৌঁছে না এবং যা আল্লাহ ﷻর তা তাদের উপাস্যদের দিকে পৌছে যায়। তাদের বিচার কতই না মন্দ।

उन्होंने अल्लाह ﷻ के लिए स्वयं उसी की पैदा की हुई खेती और चौपायों में से एक भाग निश्चित किया है और अपने ख़याल से कहते है, "यह किस्सा अल्लाह ﷻ का है और यह हमारे ठहराए हुए साझीदारों का है।" फिर जो उनके साझीदारों का (हिस्सा) है, वह अल्लाह ﷻ को नहीं पहुँचता, परन्तु जो अल्लाह ﷻ का है, वह उनके साझीदारों को पहुँच जाता है। कितना बुरा है, जो फ़ैसला वे करते है!

و قرار دادند برای خدا از آنچه بیافریده است از کشت و دامها بهره‌ای پس گفتند این برای خدا بر پندار ایشان و این برای شریکان پس آنچه برای شریکان ایشان است نرسد به خدا و آنچه برای خدا است برسد به شریکان ایشان چه زشت است آنچه حکم می‌کند

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █Al-An'aam (6:136)

﷽

وَجَعَلُوا۟ لِلَّهِ مِمَّا ذَرَأَ مِنَ ٱلْحَرْثِ وَٱلْأَنْعَٰمِ نَصِيبًا فَقَالُوا۟ هَٰذَا لِلَّهِ بِزَعْمِهِمْ وَهَٰذَا لِشُرَكَآئِنَا فَمَا كَانَ لِشُرَكَآئِهِمْ فَلَا يَصِلُ إِلَى ٱللَّهِ وَمَا كَانَ لِلَّهِ فَهُوَ يَصِلُ إِلَىٰ شُرَكَآئِهِمْ سَآءَ مَا يَحْكُمُونَ

And they assign to Allahﷻ a share of the tilth and cattle which He has created, and they say: "This is for Allah ﷻaccording to their pretending, and this is for our (Allah's so-called) partners." But the share of their (Allah'ﷻs so-called) "partners" reaches not Allahﷻ, while the share of Allahﷻ reaches their (Allah'ﷻs so-called) "partners"! Evil is the way they judge!

আল্লাহﷻ যেসব শস্যক্ষেত্র ও জীবজন্তু সৃষ্টি করেছেন, সেগুলো থেকে তারা এক অংশ আল্লাহﷻর জন্য নির্ধারণ করে অতঃপর নিজ ধারণা অনুসারে বলে এটা আল্লাহﷻর এবং এটা আমাদের অংশীদারদের। অতঃপর যে অংশ তাদের অংশীদারদের, তা তো

আল্লাহﷻর দিকে পৌঁছে না এবং যা আল্লাহﷻর তা তাদের উপাস্যদের দিকে পৌছে যায়। তাদের বিচার কতই না মন্দ।

उन्होंने अल्लाहﷻ के लिए स्वयं उसी की पैदा की हुई खेती और चौपायों में से एक भाग निश्चित किया है और अपने ख़याल से कहते है, "यह किस्सा अल्लाहﷻ का है और यह हमारे ठहराए हुए साझीदारों का है।" फिर जो उनके साझीदारों का (हिस्सा) है, वह अल्लाहﷻ को नहीं पहुँचता, परन्तु जो अल्लाहﷻ का है, वह उनके साझीदारों को पहुँच जाता है। कितना बुरा है, जो फ़ैसला वे करते है!

و قرار دادند برای خدا از آنچه بیافریده است از کشت و دامها بهره‌ای پس گفتند این برای خدا بر پندار ایشان و این برای شریکان پس آنچه برای شریکان ایشان است نرسد به خدا و آنچه برای خدا است برسد به شریکان ایشان چه زشت است آنچه حکم می‌کند

Al-An'aam (6:137)

وَكَذَٰلِكَ زَيَّنَ لِكَثِيرٍ مِّنَ ٱلْمُشْرِكِينَ قَتْلَ أَوْلَٰدِهِمْ شُرَكَآؤُهُمْ لِيُرْدُوهُمْ وَلِيَلْبِسُوا۟ عَلَيْهِمْ دِينَهُمْ وَلَوْ شَآءَ

ٱللَّهُ مَا فَعَلُوهُ فَذَرْهُمْ وَمَا يَفْتَرُونَ

And so to many of the Mushrikun (polytheists - see V. 2:105) their (Allah's so-called) "partners" have made fair-seeming the killing of their children, in order to lead them to their own destruction and cause confusion in their religion. And if Allah ﷻ had willed they would not have done so. So leave them alone with their fabrications.

এমনিভাবে অনেক মুশরেকের দৃষ্টিতে তাদের উপাস্যরা সন্তান হত্যাকে সুশোভিত করে দিয়েছে যেন তারা তাদেরকে বিনষ্ট করে দেয় এবং তাদের ধর্মমতকে তাদের কাছে বিভ্রান্ত করে দেয়। যদি আল্লাহ ﷻ চাইতেন, তবে তারা এ কাজ করত না। অতএব, আপনি তাদেরকে এবং তাদের মনগড়া বুলিকে পরিত্যাগ করুন।

इसी प्रकार बहुत-से बहुदेववादियों के लिए उनके लिए साझीदारों ने उनकी अपनी सन्तान की हत्या को सुहाना बना दिया है, ताकि उन्हें विनष्ट कर दें और उनके लिए उनके धर्म को संदिग्ध बना दें। यदि अल्लाह ﷻ चाहता तो वे ऐसा न करते; तो छोड़ दो उन्हें और उनके झूठ घड़ने को

و بدینسان آراستند برای بسیاری از مشرکان کشتن فرزندانشان را شریکان ایشان تا بلغزانندشان و تا آشفته سازند بر ایشان دینشان را و اگر می‌خواست خدا نمی‌کردندش پس بگذار ایشان را با آنچه دروغ می‌بندند

Al-An'aam (6:138)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُوا۟ هَٰذِهِۦٓ أَنْعَٰمٌ وَحَرْثٌ حِجْرٌ لَّا يَطْعَمُهَآ إِلَّا مَن نَّشَآءُ بِزَعْمِهِمْ وَأَنْعَٰمٌ حُرِّمَتْ ظُهُورُهَا وَأَنْعَٰمٌ لَّا يَذْكُرُونَ ٱسْمَ ٱللَّهِ عَلَيْهَا ٱفْتِرَآءً عَلَيْهِ سَيَجْزِيهِم بِمَا كَانُوا۟ يَفْتَرُونَ

And according to their pretending, they say that such and such cattle and crops are forbidden, and none should eat of them except those whom we allow. And (they say) there are cattle forbidden to be used for burden or any other work, and cattle on which (at slaughtering) the Name of Allahﷻ is not pronounced; lying against Him (Allah)ﷻ. He will recompense them for what they used to fabricate.

তারা বলেঃ এসব চতুষ্পদ জন্তু ও শস্যক্ষেত্র নিষিদ্ধ। আমরা যাকে

ইচছা করি, সে ছাড়া এগুলো কেউ খেতে পারবে না, তাদের ধারণা অনুসারে। আর কিছুসংখ্যক চতুষ্পদ জন্তুর পিঠে আরোহন হারাম করা হয়েছে এবং কিছু সংখ্যক চতুষ্পদ জন্তুর উপর তারা ভ্রান্ত ধারনা বশতঃ আল্লাহﷻর নাম উচ্চারণ করে না, তাদের মনগড়া বুলির কারণে, অচিরেই তিনি তাদের কে শাস্তি দিবেন।

और वे कहते है, "ये जानवर और खेती वर्जित और सुरक्षित है। इन्हें तो केवल वही खा सकता है, जिसे हम चाहें।" - ऐसा वे स्वयं अपने ख़याल से कहते है - और कुछ चौपाए ऐसे है, जिनकी पीठों को (सवारी के लिए) हराम ठहरा लिया है और कुछ जानवर ऐसे है जिनपर अल्लाहﷻ का नाम नहीं लेते। यह यह उन्होंने अल्लाहﷻ पर झूठ घड़ा है, और वह शीघ्र ही उन्हें उनके झूठ घड़ने का बदला देगा

و گفتند این است دامها و کشتی بازداشت شده نچشدش جز آنکه خواهیم پندار ایشان و دامهائی که حرام است پشتهای آنها و دامهائی که نبرند نام خدا را بر آنها به دروغ‌بستن بر او بزودی کیفرشان دهد بدانچه بودند دروغ می‌بستند

Al-An'aam (6:139)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُواْ مَا فِي بُطُونِ هَٰذِهِ ٱلۡأَنۡعَٰمِ خَالِصَةٞ لِّذُكُورِنَا وَمُحَرَّمٌ عَلَىٰٓ أَزۡوَٰجِنَا وَإِن يَكُن مَّيۡتَةٗ فَهُمۡ فِيهِ شُرَكَآءُۚ سَيَجۡزِيهِمۡ وَصۡفَهُمۡۚ إِنَّهُۥ حَكِيمٌ عَلِيمٞ

And they say: "What is in the bellies of such and such cattle (milk or foetus) is for our males alone, and forbidden to our females (girls and women), but if it is born dead, then all have shares therein." He will punish them for their attribution (of such false orders to Allah ﷻ). Verily, He is All-Wise, All-Knower. (Tafsir At-Tabari, Vol. 8, Page 49).

তারা বলেঃ এসব চতুষ্পদ জন্তুর পেটে যা আছে, তা বিশেষ ভাবে আমাদের পুরুষদের জন্যে এবং আমাদের মহিলাদের জন্যে তা হারাম। যদি তা মৃত হয়, তবে তার প্রাপক হিসাবে সবাই সমান। অচিরেই তিনি তাদেরকে তাদের বর্ণনার শাস্তি দিবেন। তিনি ﷻ প্রজ্ঞাময়, মহাজ্ঞানী।

और वे कहते है, "जो कुछ इन जानवरों के पेट में है वह बिल्कुल हमारे पुरुषों ही के लिए है और वह हमारी पत्नियों के लिए वर्जित है। परन्तु

यदि वह मुर्दा हो, तो वे सब उसमें शरीक है।" शीघ्र ही वह उन्हें उनके ऐसा कहने का बदला देगा। निस्संदेह वहﷲ तत्वदर्शी, सर्वज्ञ है

و گفتند آنچه در شکمهای این دامها است مختص مردان ما است و حرام است بر همسران ما و اگر مرداری باشد پس ایشانند در آن شریکان بزودی کیفرشان دهد ستودن ایشان را همانا او است حکیم دانا

భ్రూణహత్యలు-Abortion,Infanticide,Scanning of Wombs..disposal of unwanted progeny as tissue paper...as if life is for Sex only...

Al-An'aam (6:140)

قَدْ خَسِرَ ٱلَّذِينَ قَتَلُوٓا۟ أَوْلَٰدَهُمْ سَفَهًۢا بِغَيْرِ عِلْمٍ وَحَرَّمُوا۟ مَا رَزَقَهُمُ ٱللَّهُ ٱفْتِرَآءً عَلَى ٱللَّهِ قَدْ ضَلُّوا۟ وَمَا كَانُوا۟ مُهْتَدِينَ

Indeed lost are they who have killed their children, from folly, without knowledge, and have forbidden that which Allahﷻ has provided for them, inventing a lie against Allahﷻ. They have indeed gone astray and

were not guided.

নিশ্চয় তারা ক্ষতিগ্রস্ত হয়েছে, যারা নিজ সন্তানদেরকে নির্বুদ্ধিতাবশতঃ কোন প্রমাণ ছাড়াই হত্যা করেছে এবং আল্লাহﷻ তাদেরকে যেসব দিয়েছিলেন, সেগুলোকে আল্লাহﷻর প্রতি ভ্রান্ত ধারণা পোষণ করে হারাম করে নিয়েছে। নিশ্চিতই তারা পথভ্রষ্ট হয়েছে এবং সুপথগামী হয়নি।

वे लोग कुछ जाने-बूझे बिना घाटे में रहे, जिन्होंने मूर्खता के कारण अपनी सन्तान की हत्या की और जो कुछ अल्लाह ने उन्हें प्रदान किया था, उसे अल्लाहﷻ पर झूठ घड़कर हराम ठहरा दिया। वास्तव में वे भटक गए और वे सीधा मार्ग पानेवाले न हुए

همانا زیان کردند آنان که کشتند فرزندان خود را بی خردانه به نادانی و حرام کردند آنچه را خدا روزیشان داده است به دروغ‌بستن بر خدا همانا گمراه شدند و نبودند از هدایت‌شدگان

Al-An'aam (6:141)

وَهُوَ ٱلَّذِىٓ أَنشَأَ جَنَّٰتٍ مَّعْرُوشَٰتٍ وَغَيْرَ مَعْرُوشَٰتٍ
وَٱلنَّخْلَ وَٱلزَّرْعَ مُخْتَلِفًا أُكُلُهُۥ وَٱلزَّيْتُونَ وَٱلرُّمَّانَ
مُتَشَٰبِهًا وَغَيْرَ مُتَشَٰبِهٍ كُلُوا۟ مِن ثَمَرِهِۦٓ إِذَآ أَثْمَرَ
لَا تُسْرِفُوٓا۟ إِنَّهُۥ لَا وَءَاتُوا۟ حَقَّهُۥ يَوْمَ حَصَادِهِۦ و
يُحِبُّ ٱلْمُسْرِفِينَ

And it is Heالله ﷻ Who produces gardens trellised and untrellised, and date-palms, and crops of different shape and taste (its fruits and its seeds) and olives, and pomegranates, similar (in kind) and different (in taste). Eat of their fruit when they ripen, but pay the due thereof (its Zakat, according to Allah'ﷻs Orders 1/10th or 1/20th) on the day of its harvest, and waste not by extravagance. Verily, Heالله ﷻ likes not Al-Musrifun (those who waste by extravagance),

তিনিالله ﷻই উদ্যান সমূহ সৃষ্টি করেছে-তাও, যা মাচার উপর তুলে দেয়া হয়, এবং যা মাচার উপর তোলা হয় না এবং খর্জুর বৃক্ষ ও শস্যক্ষেত্র যেসবের স্বাদবিশিষ্ট এবং যয়তুন ও আনার সৃষ্টি করেছেন- একে অন্যের সাদৃশ্যশীল এবং সাদৃশ্যহীন। এগুলোর ফল খাও, যখন ফলন্ত হয় এবং হক দান কর কর্তনের সময়ে এবং অপব্যয় করো

He ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

না। নিশ্চয় তিনি ﷻ অপব্যয়ীদেরকে পছন্দ করেন না।

और वही ﷻ है जिसने बाग़ पैदा किए; कुछ जालियों पर चढ़ाए जाते है और कुछ नहीं चढ़ाए जाते और खजूर और खेती भी जिनकी पैदावार विभिन्न प्रकार की होती है, और ज़ैतून और अनार जो एक-दूसरे से मिलते-जुलते भी है और नहीं भी मिलते है। जब वह फल दे, तो उसका फल खाओ और उसका हक़ अदा करो जो उस (फ़सल) की कटाई के दिन वाजिब होता है। और हद से आगे न बढ़ो, क्योंकि वह ﷻ हद से आगे बढ़नेवालों को पसन्द नहीं करता

و او است آنکه پدید آورده است باغهای افراشته و ناافراشته و خرمابن و کشتزار حالی که گوناگون است میوه (یا مزه) آن و زیتون و انار را همانند و ناهمانند بخورید از میوه آن هنگامی که میوه دهد و بپردازید بهره آن را روز درویدنش و اسراف نکنید که او دوست ندارد کنندگان رااسراف

దేవుడిచ్చిందే సరి!Eat of what Allah ﷻ has provided for you

Al-An'aam (6:142)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمِنَ ٱلْأَنْعَٰمِ حَمُولَةً وَفَرْشًا كُلُوا۟ مِمَّا رَزَقَكُمُ ٱللَّهُ وَلَا تَتَّبِعُوا۟ خُطُوَٰتِ ٱلشَّيْطَٰنِ إِنَّهُۥ لَكُمْ عَدُوٌّ مُّبِينٌ

And of the cattle (are some) for burden (like camels etc.) and (some are) small (unable to carry burden like sheep, goats etc. for food, meat, milk, wool etc.). Eat of what Allah ﷻ has provided for you, and follow not the footsteps of Shaitan (Satan). Surely he is to you an open enemy.

তিনি সৃষ্টি করেছেন চতুষ্পদ জন্তুর মধ্যে বোঝা বহনকারীকে এবং খর্বাকৃতিকে। আল্লাহ ﷻ তোমাদেরকে যা কিছু দিয়েছেন, তা থেকে খাও এবং শয়তানের পদাঙ্ক অনুসরণ করো না। সে তোমাদের প্রকাশ্য শত্রু।

और चौपायों में से कुछ बोझ उठानेवाले बड़े और कुछ छोटे जानवर पैदा किए। अल्लाह ﷻ ने जो कुछ तुम्हें दिया है, उसमें से खाओ और शैतान के क़दमों पर न चलो। निश्चय ही वह तुम्हारा खुला हुआ शत्रु है

و از دامها باربرنده و بستری را بخورید از آنچه روزی داده است شما را

He ﷲ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷲই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷲ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

خداوند و پیروی نکنید گامهای شیطان را که او است برای شما دشمنی آشکار

Al-An'aam (6:145)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُل لَّآ أَجِدُ فِى مَآ أُوحِىَ إِلَىَّ مُحَرَّمًا عَلَىٰ طَاعِمٍ يَطْعَمُهُۥٓ إِلَّآ أَن يَكُونَ مَيْتَةً أَوْ دَمًا مَّسْفُوحًا أَوْ لَحْمَ خِنزِيرٍ فَإِنَّهُۥ رِجْسٌ أَوْ فِسْقًا أُهِلَّ لِغَيْرِ ٱللَّهِ بِهِۦ فَإِنَّ رَبَّكَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ فَمَنِ ٱضْطُرَّ غَيْرَ بَاغٍ وَلَا عَادٍ

Say (O Muhammad SAW): "I find not in that which has been inspired to me anything forbidden to be eaten by one who wishes to eat it, unless it be Maytatah (a dead animal) or blood poured forth (by slaughtering or the like), or the flesh of swine (pork, etc.) for that surely is impure, or impious (unlawful) meat (of an animal) which is slaughtered as a sacrifice for others than Allah ﷻ(or has been slaughtered for idols, etc., or on which Allah'ﷻs Name has not been mentioned while slaughtering). But whosoever is forced by necessity without wilful disobedience, nor transgressing due limits, (for him) certainly, your Lord is Oft-Forgiving,

Most Merciful."

আপনি বলে দিনঃ যা কিছু বিধান ওহীর মাধ্যমে আমার কাছে পৌঁছেছে, তন্মধ্যে আমি কোন হারাম খাদ্য পাই না কোন ভক্ষণকারীর জন্যে, যা সে ভক্ষণ করে; কিন্তু মৃত অথবা প্রবাহিত রক্ত অথবা শুকরের মাংস এটা অপবিত্র অথবা অবৈধ; যবেহ করা জন্তু যা আল্লাহﷻ ছাড়া অন্যের নামে উৎসর্গ করা হয়। অতপর যে ক্ষুধায় কাতর হয়ে পড়ে এমতাবস্থায় যে অবাধ্যতা করে না এবং সীমালঙ্গন করে না, নিশ্চয় আপনার ﷲﷻপালনকর্তা ক্ষমাশীল দয়ালু।

कह दो, "जो कुछ मेरी ओर प्रकाशना की गई है, उसमें तो मैं नहीं पाता कि किसी खानेवाले पर उसका कोई खाना हराम किया गया हो, सिवाय इसके लिए वह मुरदार हो, यह बहता हुआ रक्त हो या ,सुअर का मांस हो - कि वह निश्चय ही नापाक है - या वह चीज़ जो मर्यादा से हटी हुई हो, जिसपर अल्लाहﷻ के अतिरिक्त किसी और का नाम लिया गया हो। इसपर भी जो बहुत विवश और लाचार हो जाए; परन्तु वह अवज्ञाकारी न हो और न हद से आगे बढ़नेवाला हो, तो निश्चय ही तुम्हारा रबﷲﷻ अत्यन्त क्षमाशील, दयाबान है।"

He ﷲ ﷺ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲ ﷺই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲ ﷺ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

بگو نمی‌یابم در آنچه به من وحی شده است حرامی را برخورنده‌ای که بخوردش جز آنکه مردار باشد یا خونی ریخته یا گوشت خوک که آن است پلید یا نافرمانی که نام جز خدا بر آن برده شده است پس آنکه ناچار شود نه ستمکار و نه تجاوزکننده همانا پروردگار تو است آمرزنده مهربان

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

అన్యాయస్తులు-The Tyrants-

but they relish the blood and flesh of believers as is happening unabatedly in filistine since1914.a.d.the cumulative score is not less than ten lakhs/ one million.filistiny muslims murdered.....// since october 2o23//Of late 60,000,Newborn,infants,Crawlers,Toddlers, Women,Children,Seniles,invalids,all,were snuffed out relentlessly,mercilessly,25,00,000,are pining for water,food,clothing,medicines,necessities of life...yehudis are deliberately,systematically strngulating the gazan populace . Remorselessly, the ever buddy-buddy,hand in glove,yehudy ,nasaaraa

,sc,uno,combo.is aiding israael with

money,arms,soldiers,intelligene,.navy,helicopters,jetfighters,missiles

tanks,(israael is the51 state of aMareka_)(in Arabic ,word,Mareka

-means-War,War,War,)2500pound bombs..all of filistine is

bulldozed...including,Hospitals,Schools,colleges,.universities,

Redcresent,Doctors sans borders,journalists,UNstaff,UN

buildings,Aidworkers,.

ALL,IN THE NAME OF SELF DEFENCE,RIGHT TO

DFENCE,ETC..READILY..ENDORSED BY THE ENTIRE PORK EATING BLOOD

THIRSTY ,TRIGGER HAPPY, BOOZE HOUNDS...

the great TAMAASHAA_SHOW is being .watched gleefully by the entire

inhuman animale_homo sapiens, except South Africa.... the mislem

برادريBiraadary is busy entertaining the Debauchee

fawahshas,Boozeguzzler ,pork garmaundizer infidels....AbuDhabi has

donated 27 acres of prime land for infidelidolatry,بتپرستش.....giving a

new choice_a taste of oriental infidelity كفر to its العربية سكانSukkaan,

As the famousQawwaali ..advocates a choice ....

يه مسجدهے ،وه بتخانا

چاهۓ يه مانوا چاهے وه مانوا

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲ ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

Sandhurst educated (?)WESTERN PROPPEDUP Ruler of UAE

mr.Noho-yaan-along with Binyemeen,must get an entry into ja..nnama,

qAtar (a drop in the ocean)has wasted 800 billion Dinaars

for hosting World Cup of football,where as milions of muslims are hungry

in Africa,Asia,Filistine,Bangla(refugee Rohingyas),

Gamesلعيب و العاب are forbidden by God,

Also,droplet muslims blinked and surrendered to the wishes of infidels,

Al-Jumu'a (62:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ هَادُوٓا۟ إِن زَعَمْتُمْ أَنَّكُمْ أَوْلِيَآءُ لِلَّهِ مِن دُونِ ٱلنَّاسِ فَتَمَنَّوُا۟ ٱلْمَوْتَ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

Say (O Muhammad SAW): "O you Jews! If you pretend that you are friends of Allahﷻ, to the exclusion of (all) other mankind, then long for death if you are truthful."

বলুন হে ইহুদীগণ, যদি তোমরা দাবী কর যে, তোমরাই আল্লাহﷻর বন্ধু-অন্য কোন মানব নয়, তবে তোমরা মৃত্যু কামনা কর যদি তোমরা সত্যবাদী হও।

कह दो, "ऐ लोगों, जो यहूदी हुए हो! यदि तुम्हें यह गुमान है कि सारे मनुष्यों को छोड़कर तुम ही अल्लाहﷻ के प्रेमपात्र हो तो मृत्यु की कामना करो, यदि तुम सच्चे हो।"

بگو ای آنان که جهود شدید اگر پندارید که شما دوستانید خدا را جز مردم پس آرزو کنید مرگ را اگر هستید راستگویان

Al-Jumu'a (62:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا يَتَمَنَّوْنَهُۥٓ أَبَدًۢا بِمَا قَدَّمَتْ أَيْدِيهِمْ وَٱللَّهُ عَلِيمٌۢ بِٱلظَّٰلِمِينَ

But they will never long for it (death), because of what (deeds) their hands have sent before them! And Allahﷻ knows well the Zalimun (polytheists, wrong-doers, disbelievers, etc.).

তারা নিজেদের কৃতকর্মের কারণে কখনও মৃত্যু কামনা করবে না। আল্লাহ জালেমদের সম্পর্কে সম্যক অবগত আছেন।

किन्तु वे कभी भी उसकी कामना करेंगे, उस (कर्म) के कारण जो उनके हाथों ने आगे भेजा है। अल्लाह ज़ालिमों को भली-भाँति जानता है

و آرزو نکنندش هرگز بدانچه پیش آورده است دستهای آنان و خدا دانا است به ستمگران

Al-Jumu'a (62:8)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ إِنَّ ٱلْمَوْتَ ٱلَّذِى تَفِرُّونَ مِنْهُ فَإِنَّهُۥ مُلَٰقِيكُمْ ثُمَّ تُرَدُّونَ إِلَىٰ عَٰلِمِ ٱلْغَيْبِ وَٱلشَّهَٰدَةِ فَيُنَبِّئُكُم بِمَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ

Say (to them): "Verily, the death from which you flee will surely meet you, then you will be sent back to (Allah ﷻ), the All-Knower of the unseen and the seen, and He will tell you what you used to do."

বলুন, তোমরা যে মৃত্যু থেকে পলায়নপর, সেই মৃত্যু অবশ্যই তোমাদের মুখামুখি হবে, অতঃপর তোমরা অদৃশ্য, দৃশ্যের জ্ঞানী

আল্লাহﷻর কাছে উপস্থিত হবে। তিনি তোমাদেরকে জানিয়ে দিবেন সেসব কর্ম, যা তোমরা করতে।

कह दो, "मृत्यु जिससे तुम भागते हो, वह तो तुम्हें मिलकर रहेगी, फिर तुम उसकी ओर लौटाए जाओगे जो छिपे और खुले का जाननेवाला है। और वह तुम्हें उससे अवगत करा देगा जो कुछ तुम करते रहे होगे।" -

بگو همانا مرگی که از آن گریزانید رسنده است به شما سپس بازگردانیده شوید بسوی دانای نهان و هویدا تا آگهیتان دهد بدانچه بودید می‌کردید

Al-An'aam (6:146)

وَعَلَى ٱلَّذِينَ هَادُوا۟ حَرَّمْنَا كُلَّ ذِى ظُفُرٍ ۖ وَمِنَ ٱلْبَقَرِ وَٱلْغَنَمِ حَرَّمْنَا عَلَيْهِمْ شُحُومَهُمَآ إِلَّا مَا حَمَلَتْ ظُهُورُهُمَآ أَوِ ٱلْحَوَايَآ أَوْ مَا ٱخْتَلَطَ بِعَظْمٍ ۚ ذَٰلِكَ جَزَيْنَٰهُم بِبَغْيِهِمْ ۖ وَإِنَّا لَصَٰدِقُونَ

And unto those who are Jews, Weالله ﷻ forbade every (animal) with undivided hoof, and We الله ﷻforbade them the fat of the ox and the

sheep except what adheres to their backs or their entrails, or is mixed up with a bone. Thus Weﷲ ﷻ recompensed them for their rebellion [committing crimes like murdering the Prophets, eating of Riba (usury), etc.]. And verily, We ﷻare Truthful.

ইহুদীদের জন্যে আমিﷲ ﷻ প্রত্যেক নখবিশিষ্ট জন্তু হারাম করেছিলাম এবং ছাগল ও গরু থেকে এতদুভয়ের চর্বি আমিﷻ তাদের জন্যে হারাম করেছিলাম, কিন্তু ঐ চর্বি, যা পৃষ্টে কিংবা অন্ত্রে সংযুক্ত থাকে অথবা অস্থির সাথে মিলিত থাকে। তাদেরﷻ অবাধ্যতার কারণে আমি তাদেরকে এ শাস্তি দিয়েছিলাম। আর আমিﷻ অবশ্যই সত্যবাদী।

और उन लोगों के लिए जो यहूदी हुए हमﷲ ﷻने नाख़ूनवाला जानवर हराम किया और गाय और बकरी में से इन दोनों की चरबियाँ उनके लिए हराम कर दी थीं, सिवाय उस (चर्बी) के जो उन दोनों की पीठों या आँखों से लगी हुई या हड्डी से मिली हुई हो। यह बात ध्यान में रखो। हमﷲ ﷻ ने उन्हें उनकी सरकशी का बदला दिया था और निश्चय ही हमﷻ सच्चे है

و بر آنان که جهود شدند حرام کردیم هر ناخن‌داری را و از گاو و

گوسفند حرام کردیم بر ایشان پیه‌های آنها را جز آنچه برگرفته است پشتهای آنها یا پشکلدانها یا آنچه آمیخته است با استخوان این را کیفر بدیشان دادیم به ستمگریشان و هرآینه مائیم راستگویان

Al-An'aam (6:147)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَإِن كَذَّبُوكَ فَقُل رَّبُّكُمْ ذُو رَحْمَةٍ وَٰسِعَةٍ وَلَا يُرَدُّ بَأْسُهُۥ عَنِ ٱلْقَوْمِ ٱلْمُجْرِمِينَ

If they (Jews) belie you (Muhammad SAW) say you: "Your Lordﷻ is the Owner of Vast Mercy, and never will His Wrath be turned back from the people who are Mujrimun (criminals, polytheists, sinners, etc.)."

যদি তারা আপনাকে মিথ্যবাদী বলে, তবে বলে দিনঃ তোমার প্রতিপালকﷲﷻ সুপ্রশস্ত করুণার মালিক। তাঁর শাস্তি অপরাধীদের উপর থেকে টলবে না।

फिर यदि वे तुम्हें झुठलाएँ तो कह दो, "तुम्हारा रब व्यापक ﷲﷻ दयालुतावाला है और अपराधियों से उसकी यातना नहीं फिरती।"

پس اگر تکذیب کردند بگو همانا پروردگار شما است خداوند رحمتی پهناور و برنگردد خشمش از گروه گنهکاران

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

సర్వం అల్లాహు,తఆలాకే ఎరుక-

And your Lord knows the best

Al-Israa (17:55)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَرَبُّكَ أَعْلَمُ بِمَن فِي ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ وَلَقَدْ فَضَّلْنَا بَعْضَ ٱلنَّبِيِّـۧنَ عَلَىٰ بَعْضٍ وَءَاتَيْنَا دَاوُۥدَ زَبُورًا

And your Lordالله knows the best all that is in the heavens and the earth. And indeed, Weالله have preferred some of the Prophets above others, and to Dawud (David) We الله gave the Zabur (Psalms).

আপনার الله পালনকর্তা তাদের সম্পর্কে ভালভাবে জ্ঞাত আছেন, যারা আকাশসমূহে ও ভুপৃষ্ঠে রয়েছে। আমি الله তো কতক

পয়গম্বরকে কতক পয়গম্বরের উপর শ্রেষ্ঠত্ব দান করেছি এবং দাউদকে যবুর দান করেছি।

तुम्हारा रबﷲ उससे भी भली-भाँति परिचित है जो कोई आकाशों और धरती में है, और हमﷲने कुछ नबियों को कुछ की अपेक्षा श्रेष्ठता दी और हमﷲने ही दाऊद को ज़बूर प्रदान की थी

و پروردگارت داناتر است بدانکه در آسمانها است و زمین و همانا برتری دادیم بعض پیمبران را بر بعضی و دادیم به داود زبور را

Al-Israa (17:56)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلِ ٱدْعُوا۟ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُم مِّن دُونِهِۦ فَلَا يَمْلِكُونَ كَشْفَ ٱلضُّرِّ عَنكُمْ وَلَا تَحْوِيلًا

Say (O Muhammad SAW): "Call unto those besides Himﷲ whom you pretend [to be gods like angels, Iesa (Jesus), 'Uzair (Ezra), etc.]. They have neither the power to remove the adversity from you nor even to shift it from you to another person."

বলুনঃ আল্লাহ ব্যতীত যাদেরকে তোমরা উপাস্য মনে কর, তাদেরকে আহবান কর। অথচ ওরা তো তোমাদের কষ্ট দুর করার ক্ষমতা রাখে না এবং তা পরিবর্তনও করতে পারে না।

कह दो, "तुम उसالله से इतर जिनको भी पूज्य-प्रभु समझते हो उन्हें पुकार कर देखो। वे न तुमसे कोई कष्ट दूर करने का अधिकार रखते है और न उसे बदलने का।"

بگو بخوانید آنان را که جز او پندارید دارا نیستند گشودن رنجی را از شما و نه برگرداندنی

Al-Israa (17:57)

بسم الله الرحمن الرحيم

أُو۟لَٰٓئِكَ ٱلَّذِينَ يَدْعُونَ يَبْتَغُونَ إِلَىٰ رَبِّهِمُ ٱلْوَسِيلَةَ أَيُّهُمْ أَقْرَبُ وَيَرْجُونَ رَحْمَتَهُۥ وَيَخَافُونَ عَذَابَهُۥٓ ۚ إِنَّ عَذَابَ رَبِّكَ كَانَ مَحْذُورًا

Those whom they call upon [like 'Iesa (Jesus) - son of Maryam (Mary),

'Uzair (Ezra), angel, etc.] desire (for themselves) means of access to their Lord (Allahﷻ), as to which of them should be the nearest and they ['Iesa (Jesus), 'Uzair (Ezra), angels, etc.] hope for His Mercy and fear His Torment. Verily, the Torment of your Lord is something to be afraid of!

যাদেরকে তারা আহবান করে, তারা নিজেরাই তো তাদের اللهﷻ পালনকর্তার নৈকট্য লাভের জন্য মধ্যস্থ তালাশ করে যে, তাদের মধ্যে কে নৈকট্যশীল। তারা তাঁর রহমতের আশা করে এবং তাঁর শাস্তিকে ভয় করে। নিশ্চয় আপনার পালনকর্তার শাস্তি ভয়াবহ।

जिनको ये लोग पुकारते है वे तो स्वयं अपने रबاللهﷻ का सामीप्य ढूँढते है कि कौन उनमें से सबसे अधिक निकटता प्राप्त कर ले। और वे उसकी दयालुता की आशा रखते है और उसकी यातना से डरते रहते है। तुम्हारे रब की यातना तो है ही डरने की चीज़!

آنانند که می‌خوانند جویند بسوی پروردگار خویش دستاویز را هر کدام از ایشان است نزدیکتر و امیدوارند رحمتش را و می‌ترسند عذابش را همانا عذاب پروردگار تو است ترسناک

Al-Israa (17:58)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِن مِّن قَرْيَةٍ إِلَّا نَحْنُ مُهْلِكُوهَا قَبْلَ يَوْمِ ٱلْقِيَٰمَةِ أَوْ مُعَذِّبُوهَا عَذَابًا شَدِيدًا كَانَ ذَٰلِكَ فِى ٱلْكِتَٰبِ مَسْطُورًا

And there is not a town (population) but Weﷲ shall destroy it before the Day of Resurrection, or punish it with a severe torment. That is written in the Book (of our Decrees)

এমন কোন জনপদ নেই, যাকে আমিﷲ কেয়ামত দিবসের পূর্বে ধ্বংস করব না অথবা যাকে কঠোর শাস্তি দেব না। এটা তো গ্রন্থে লিপিবদ্ধ হয়ে গেছে।

कोई भी (अवज्ञाकारी) बस्ती ऐसी नहीं जिसे हमﷲ क़ियामत के दिन से पहले विनष्टअ न कर दें या उसे कठोर यातना न दे। यह बात किताब में लिखी जा चुकी है

و نیست شهری جز آنکه مائیم نابودکننده آن پیش از روز قیامت یا عذاب‌کننده آن عذابی سخت بوده است این در کتاب نوشته

Al-Israa (17:59)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا مَنَعَنَآ أَن نُّرْسِلَ بِٱلْـَٔايَٰتِ إِلَّآ أَن كَذَّبَ بِهَا ٱلْأَوَّلُونَ ۚ وَءَاتَيْنَا ثَمُودَ ٱلنَّاقَةَ مُبْصِرَةً فَظَلَمُوا۟ بِهَا ۚ وَمَا نُرْسِلُ بِٱلْـَٔايَٰتِ إِلَّا تَخْوِيفًا

And nothing stops Usالله ﷻ from sending the Ayat (proofs, evidences, signs) but that the people of old denied them. And Weالله ﷻ sent the she-camel to Thamud as a clear sign, but they did her wrong. And Weالله ﷻ sent not the signs except to warn, and to make them afraid (of destruction).

পূর্ববর্তীগণ কতৃ৩ ;নিদর্শন অস্বীকার করার ফলেই আমাকে নিদর্শনাবলী প্রেরণ থেকে বিরত থাকতে হয়েছে। আমিالله ﷻ তাদেরকে বোঝাবার জন্যে সামুদকে উষ্ট্রী দিয়েছিলাম। অতঃপর তারা তার প্রতি জুলুম করেছিল। আমিالله ﷻ ভীতি প্রদর্শনের উদ্দেশেই নিদর্শন প্রেরণ করি।

हमें निशानियाँ (देकर नबी को) भेजने से इसके सिवा किसी चीज़ ने नहीं रोका कि पहले के लोग उनको झुठला चुके है। और (उदाहरणार्थ) हमने समूद को स्पष्ट प्रमाण के रूप में ऊँटनी दी, किन्तु उन्होंने ग़लत नीति अपनाकर स्वयं ही अपनी जानों पर ज़ुल्म किया। हम निशानियाँ तो डराने ही के लिए भेजते है

و بازنداشت ما را از آنکه فرستیم آیتها را جز آنکه تکذیب کردند بدانها پیشینیان و دادیم به ثمود اشتر را بینا پس ستم کردند بدان و نمی‌فرستیم آیتها را جز ترساندن را

Al-Israa (17:60)

وَإِذْ قُلْنَا لَكَ إِنَّ رَبَّكَ أَحَاطَ بِٱلنَّاسِ ۚ وَمَا جَعَلْنَا ٱلرُّءْيَا ٱلَّتِىٓ أَرَيْنَٰكَ إِلَّا فِتْنَةً لِّلنَّاسِ وَٱلشَّجَرَةَ ٱلْمَلْعُونَةَ فِى ٱلْقُرْءَانِ ۚ وَنُخَوِّفُهُمْ فَمَا يَزِيدُهُمْ إِلَّا طُغْيَٰنًا كَبِيرًا

And (remember) when Weﷲ﷿ told you: "Verily! Your Lord ﷲ﷿has encompassed mankind (i.e. they are in His Grip)." And Weﷲ﷿ made

not the vision which we showed you (O Muhammad as an actual eye-witness and not as a dream on the night of Al-Isra') but a trial for mankind, and likewise the accursed tree (Zaqqum, mentioned) in the Quran. We warn and make them afraid but it only increases them in naught save great disbelief, oppression and disobedience to Allahﷻ.

এবং স্মরণ করুন, আমিاللهﷻ আপনাকে বলে দিয়েছিলাম যে, আপনার পালনকর্তা মানুষকে পরিবেষ্টন করে রেখেছেন এবং যে দৃশ্য আমিاللهﷻ আপনাকে দেখিয়েছি তাও কোরআনে উল্লেখিত অভিশপ্ত বৃক্ষ কেবল মানুষের পরীক্ষার জন্যে। আমি তাদেরকে ভয় প্রদর্শন করি। কিন্তু এতে তাদের অবাধ্যতাই আরও বৃদ্ধি পায়।

जब हमاللهﷻने तुमसे कहा, "तुम्हारे रबاللهﷻ ने लोगों को अपने घेरे में ले रखा है और जो अलौकिक दर्शन हमने तुम्हें कराया उसे तो हमने लोगों के लिए केवल एक आज़माइश बना दिया और उस वृक्ष को भी जिसे क़ुरआन में तिरस्कृत ठहराया गया है। हम उन्हें डराते है, किन्तु यह चीज़ उनकी बढ़ी हुई सरकशी ही को बढ़ा रही है।"

و هنگامی که گفتیم تو را که پروردگار تو فراگرفته است بر مردم و

نگردانیدیم خوابی را که نمودیمت جز آزمایشی برای مردم و آن درخت لعنت شده را در قرآن و می‌ترسانیمشان پس نیفزایدشان مگر سرکشی بزرگ

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

కోరికలేగుర్రాలు-ఆకసమే పరిధి-Wishing for the impossible.

Al-Israa (17:90)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُواْ لَن نُّؤْمِنَ لَكَ حَتَّىٰ تَفْجُرَ لَنَا مِنَ ٱلْأَرْضِ يَنۢبُوعًا

And they say: "We shall not believe in you (O Muhammad SAW), until you cause a spring to gush forth from the earth for us;

এবং তারা বলেঃ আমরা কখনও আপনাকে বিশ্বাস করব না, যে পর্যন্ত না আপনি ভূপৃষ্ঠ থেকে আমাদের জন্যে একটি ঝরণা প্রবাহিত করে দিন।

और उन्होंने कहा, "हम तुम्हारी बात नहीं मानेंगे, जब तक कि तुम हमारे लिए धरती से एक स्रोत प्रवाहित न कर दो,

و گفتند هرگز ایمان نیاریم برایت تا بشکافی برای ما از زمین چشمه‌ای

Al-Israa (17:91)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَوْ تَكُونَ لَكَ جَنَّةٌ مِّن نَّخِيلٍ وَعِنَبٍ فَتُفَجِّرَ ٱلْأَنْهَٰرَ خِلَٰلَهَا تَفْجِيرًا

"Or you have a garden of date-palms and grapes, and cause rivers to gush forth in their midst abundantly;

অথবা আপনার জন্যে খেজুরের ও আঙ্গুরের একটি বাগান হবে, অতঃপর আপনি তার মধ্যে নির্ঝরিনীসমূহ প্রবাহিত করে দেবেন।

या फिर तुम्हारे लिए खजूरों और अंगूरों का एक बाग़ हो और तुम उसके बीच बहती नहरें निकाल दो,

یا باشدت باغی از خرمابنها و انگور پس بشکافی جویها را میان آن شکافتنی

Al-Israa (17:92)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَوْ تُسْقِطَ ٱلسَّمَآءَ كَمَا زَعَمْتَ عَلَيْنَا كِسَفًا أَوْ تَأْتِىَ بِٱللَّهِ وَٱلْمَلَٰٓئِكَةِ قَبِيلًا

"Or you cause the heaven to fall upon us in pieces, as you have pretended, or you bring Allah and the angels before (us) face to face;

অথবা আপনি যেমন বলে থাকেন, তেমনিভাবে আমাদের উপর আসমানকে খন্ড-বিখন্ড করে ফেলে দেবেন অথবা আল্লাহ ও ফেরেশতাদেরকে আমাদের সামনে নিয়ে আসবেন।

या आकाश को टुकड़े-टुकड़े करके हम पर गिरा दो जैसा कि तुम्हारा दावा है, या अल्लाह और फ़रिश्तों ही को हमारे समक्ष ले आओ,

یا افکنی آسمان را چنانچه می‌پنداری بر ما پاره‌هائی یا بیاری خدا و

فرشتگان را روی به روی

Al-Israa (17:93)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَوْ يَكُونَ لَكَ بَيْتٌ مِّن زُخْرُفٍ أَوْ تَرْقَىٰ فِى ٱلسَّمَآءِ وَلَن نُّؤْمِنَ لِرُقِيِّكَ حَتَّىٰ تُنَزِّلَ عَلَيْنَا كِتَٰبًا نَّقْرَؤُهُۥ قُلْ سُبْحَانَ رَبِّى هَلْ كُنتُ إِلَّا بَشَرًا رَّسُولًا

"Or you have a house of adornable materials (like silver and pure gold, etc.), or you ascend up into the sky, and even then we will put no faith in your ascension until you bring down for us a Book that we would read." Say (O Muhammad SAW): "Glorified (and Exalted) be my Lord (Allah ﷻ) above all that evil they (polytheists) associate with Him! Am I anything but a man, sent as a Messenger?"

অথবা আপনার কোন সোনার তৈরী গৃহ হবে অথবা আপনি আকাশে আরোহণ করবেন এবং আমরা আপনার আকাশে আরোহণকে কখনও বিশ্বাস করবনা, যে পর্যন্ত না আপনি অবতীর্ণ করেন আমাদের প্রতি এক গ্রন্থ, যা আমরা পাঠ করব। বলুনঃ পবিত্র

মহান আমার পালনকর্তা,ﷲ ﷻ একজন মানব, একজন রসূল বৈ আমি কে?

या तुम्हारे लिए स्वर्ण-निर्मित एक घर हो जाए या तुम आकाश में चढ़ जाओ, और हम तुम्हारे चढ़ने को भी कदापि न मानेंगे, जब तक कि तुम हम पर एक किताब न उतार लाओ, जिसे हम पढ़ सकें।" कह दो, " महिमावान है मेरा रबﷲ ﷻ! क्या मैं एक संदेश लानेवाला मनुष्य के सिवा कुछ और भी हूँ?"

یا باشدت خانه‌ای از زر یا با روی در آسمان و هرگز باور نکنیم با رفتنت را تا بفرستی بر ما نامه‌ای که بخوانیمش بگو منزّه است پروردگار من آیا هستم من جز بشری فرستاده‌شده

Al-Israa (17:94)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا مَنَعَ ٱلنَّاسَ أَن يُؤْمِنُوٓا۟ إِذْ جَآءَهُمُ ٱلْهُدَىٰٓ إِلَّآ أَن قَالُوٓا۟ أَبَعَثَ ٱللَّهُ بَشَرًا رَّسُولًا

And nothing prevented men from believing when the guidance came to

them, except that they said: "Has Allah ﷻ sent a man as (His) Messenger?"

আল্লাহ ﷻ কি মানুষকে পয়গম্বর করে পাঠিয়েছেন? তাদের এই উক্তিই মানুষকে ঈমান আনয়ন থেকে বিরত রাখে, যখন তাদের নিকট আসে হেদায়েত।

लोगों को जबकि उनके पास मार्गदर्शन आया तो उनको ईमान लाने से केवल यही चीज़ रुकावट बनी कि वे कहने लगे, "क्या अल्लाह ﷻ ने एक मनुष्य को रसूल बनाकर भेज दिया?"

و بازنداشت مردم را از آنکه ایمان آرند گاهی که بیامدشان رهبری جز آنکه گفتند آیا برانگیخته است خدا بشری را پیمبر

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

Allaahu.swt.

అల్లాహు,సుబహానహూ వ తఆలా-

He ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

Al-An'aam (6:95)

﷽

إِنَّ ٱللَّهَ فَالِقُ ٱلۡحَبِّ وَٱلنَّوَىٰۖ يُخۡرِجُ ٱلۡحَيَّ مِنَ ٱلۡمَيِّتِ وَمُخۡرِجُ ٱلۡمَيِّتِ مِنَ ٱلۡحَيِّۚ ذَٰلِكُمُ ٱللَّهُۖ فَأَنَّىٰ تُؤۡفَكُونَ

Verily! It is Allah ﷻ Who causes the seed-grain and the fruit-stone (like date-stone, etc.) to split and sprout. He brings forth the living from the dead, and it is He ﷻ Who brings forth the dead from the living. Such is Allah ﷻ, then how are you deluded away from the truth?

নিশ্চয় আল্লাহ ﷻই বীজ ও আঁটি থেকে অঙ্কুর সৃষ্টিকারী; তিনি ﷻ জীবিতকে মৃত থেকে বের করেন ও মৃতকে জীবিত থেকে বের করেন। তিনি আল্লাহ ﷻ অতঃপর তোমরা কোথায় বিভ্রান্ত হচ্ছ?

निश्चय ही अल्लाह ﷻ दाने और गुठली को फाड़ निकालता है, सजीव को निर्जीव से निकालता है और निर्जीव को सजीव से निकालनेवाला है। वही अल्लाह ﷻ है - फिर तुम कहाँ औंधे हुए जाते हो? -

همانا خدا است شکافنده دانه و هسته برون آرد زنده را از مرده و برون آرنده است مرده را از زنده این است خدای شما پس کجا به دروغ رانده شوید

He ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

Shared using Quran App

https://the-quran.app/r/6/95

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

Baatil-మిథ్యా దేవుల్లు-

Al-Qasas (28:62)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَوْمَ يُنَادِيهِمْ فَيَقُولُ أَيْنَ شُرَكَآءِيَ ٱلَّذِينَ كُنتُمْ تَزْعُمُونَ

And (remember) the Day when He ﷻ will call to them, and say: "Where are My (so-called) partners whom you used to assert?"

যেদিন আল্লাহﷻ তাদেরকে আওয়াজ দিয়ে বলবেন, তোমরা যাদেরকে আমার শরীক দাবী করতে, তারা কোথায়?

ख़याल करो जिस दिन वहﷻ उन्हें पुकारेगा और कहेगा, "कहाँ है मेरे वे साझीदार जिनका तुम्हें दावा था?"

و روزی که خواندشان پس گوید کجایند شریکان من آنان که بودید می‌پنداشتید

Al-Qasas (28:74)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَوْمَ يُنَادِيهِمْ فَيَقُولُ أَيْنَ شُرَكَآءِيَ ٱلَّذِينَ كُنتُمْ تَزْعُمُونَ

And (remember) the Day when He (your Lord Allah ﷻ) will call them (those who worshipped others along with Allah ﷻ), and will say: "Where are My ﷻ (so-called) partners, whom you used to assert?"

যেদিন আল্লাহ ﷻ তাদেরকে ডেকে বলবেন, তোমরা যাদেরকে আমার ﷻ শরীক মনে করতে, তারা কোথায়?

ख़याल करो, जिस दिन वह ﷻ उन्हें पुकारेगा और कहेगा, "कहाँ है मेरे ﷻ वे मेरे साझीदार, जिनका तुम्हे दावा था?"

و روزی که بخواندشان پس گوید کجا است شریکانم آنان که بودید می‌پنداشتید

Al-Qasas (28:75)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَنَزَعْنَا مِن كُلِّ أُمَّةٍ شَهِيدًا فَقُلْنَا هَاتُوا۟ بُرْهَٰنَكُمْ فَعَلِمُوٓا۟ أَنَّ ٱلْحَقَّ لِلَّهِ وَضَلَّ عَنْهُم مَّا كَانُوا۟ يَفْتَرُونَ

And We الله ﷻ shall take out from every nation a witness, and We الله ﷻ shall say: "Bring your proof." Then they shall know that the truth is with Allah ﷻ (Alone), and the lies (false gods) which they invented will disappear from them.

প্রত্যেক সম্প্রদায় থেকে আমিالله ﷻ একজন সাক্ষী আলাদা করব; অতঃপর বলব, তোমাদের প্রমাণ আন। তখন তারা জানতে পারবে যে, সত্য আল্লাহﷻর এবং তারা যা গড়ত, তা তাদের কাছ থেকে উধাও হয়ে যাবে।

और हमالله ﷻ प्रत्येक समुदाय में से एक गवाह निकाल लाएँगे और कहेंगे, "लाओ अपना प्रमाण।" तब वे जान लेंगे कि सत्य अल्लाहﷻ की ओर से है और जो कुछ वे घड़ते थे, वह सब उनसे गुम होकर रह जाएगा

و گرفتیم از هر ملتی گواهی و گفتیم بیارید دستاویز خویش را پس دانستند آنکه حقّ از آن خدا است و گم شد از ایشان آنچه بودند دروغ می‌بستند

Al-Qasas (28:63)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ ٱلَّذِينَ حَقَّ عَلَيْهِمُ ٱلْقَوْلُ رَبَّنَا هَٰٓؤُلَآءِ ٱلَّذِينَ أَغْوَيْنَآ أَغْوَيْنَٰهُمْ كَمَا غَوَيْنَا تَبَرَّأْنَآ إِلَيْكَ مَا كَانُوٓا۟ إِيَّانَا يَعْبُدُونَ

Those about whom the Word will have come true (to be punished) will say: "Our Lord! These are they whom we led astray. We led them astray, as we were astray ourselves. We declare our innocence (from them) before You. It was not us they worshipped."

যাদের জন্যে শাস্তির আদেশ অবধারিত হয়েছে, তারা বলবে, হে আমাদের পালনকর্তা। এদেরকেই আমরা পথভ্রষ্ট করেছিলাম। আমরা তাদেরকে পথভ্রষ্ট করেছিলাম, যেমন আমরা পথভ্রষ্ট হয়েছিলাম।

আমরা আপনার সামনে দায়মুক্ত হচ্ছি। তারা কেবল আমাদেরই এবাদত করত না।

जिनपर बात पूरी हो चुकी होगी, वे कहेंगे, "ऐ हमारे रब! ये वे लोग है जिन्हें हमने बहका दिया था। जैसे हम स्वयं बहके थे, इन्हें भी बहकाया। हमने तेरे आगे स्पष्ट कर दिया कि इनसे हमारा कोई सम्बन्ध नहीं। ये हमारी बन्दगी तो करते नहीं थे?"

گفتند آنان که فرود آمده بود بر ایشان سخن پروردگار اینانند که گمراه کردیم گمراهشان کردیم بدانسان که گمراه شدیم بیزاری جستیم به سویت نبودند ما را پرستندگان

Al-Qasas (28:64)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقِيلَ ٱدْعُوا۟ شُرَكَآءَكُمْ فَدَعَوْهُمْ فَلَمْ يَسْتَجِيبُوا۟ لَهُمْ وَرَأَوُا۟ ٱلْعَذَابَ لَوْ أَنَّهُمْ كَانُوا۟ يَهْتَدُونَ

And it will be said (to them): "Call upon your (so-called) partners (of Allah ﷻ), and they will call upon them, but they will give no answer to

them, and they will see the torment. (They will then wish) if only they had been guided!

বলা হবে, তোমরা তোমাদের শরীকদের আহবান কর। তখন তারা ডাকবে,। অতঃপর তারা তাদের ডাকে সাড়া দিবে না এবং তারা আযাব দেখবে। হায়! তারা যদি সৎপথ প্রাপ্ত হত।

कहा जाएगा, "पुकारो, अपने ठहराए हुए साझीदारों को!" तो वे उन्हें पुकारेंगे, किन्तु वे उनको कोई उत्तर न देंगे। और वे यातना देखकर रहेंगे। काश वे मार्ग पानेवाले होते!

و گفته شد بخوانید شریکان خود را پس خواندند ایشان را پس پاسخ نگفتندشان و دیدند عذاب را اگر بودند هدایت می‌شدند

Al-Qasas (28:65)

And (remember) the Day (Allah ﷻ) will call to them, and say: "What

answer gave you to the Messengers?"

যে দিন আল্লাহ ﷻতাদেরকে ডেকে বলবেন, তোমরা রসূলগণকে কি জওয়াব দিয়েছিলে?

और ख़याल करो, जिस दिन वहالله ﷻ उन्हें पुकारेगा और कहेगा, "तुमने रसूलों को क्या उत्तर दिया था?"

و روزی که خواندشان پس گوید چه چیز پاسخ گفتید به فرستادگان

Al-Qasas (28:66)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَعَمِيَتْ عَلَيْهِمُ ٱلْأَنۢبَآءُ يَوْمَئِذٍ فَهُمْ لَا يَتَسَآءَلُونَ

Then the news of a good answer will be obscured to them on that day, and they will not be able to ask one another.

অতঃপর তাদের কথাবার্তা বন্ধ হয়ে যাবে এবং তারা একে অপরকে জিজ্ঞাসাবাদ করতে পারবে না।

उस दिन उन्हें बात न सूझेंगी, फिर वे आपस में भी पूछताछ न करेंगे

پس کور شود بر ایشان آگهیها در آن روز پس از همدیگر نپرسند

Al-Israa (17:52)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَوْمَ يَدْعُوكُمْ فَتَسْتَجِيبُونَ بِحَمْدِهِۦ وَتَظُنُّونَ إِن لَّبِثْتُمْ إِلَّا قَلِيلًا

On the Day when He ﷲ ﷻ will call you, and you will answer (His Call) with (words of) His Praise and Obedience, and you will think that you have stayed (in this world) but a little while!

যেদিন তিনি ﷲ ﷻ তোমাদেরকে আহবান করবেন, অতঃপর তোমরা তাঁর প্রশংসা করতে করতে চলে আসবে। এবং তোমরা অনুমান করবে যে, সামান্য সময়ই অবস্থান করেছিলে।

जिस दिन वह ﷲ ﷻ तुम्हें पुकारेगा, तो तुम उसकी प्रशंसा करते हुए उसकी

आज्ञा को स्वीकार करोगे और समझोगे कि तुम बस थोड़ी ही देर ठहरे रहे हो

روزی که خواندتان پس اجابت کنید با سپاس او و پندارید که نماندید جز اندکی

Al-Kahf (18:48)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَعُرِضُواْ عَلَىٰ رَبِّكَ صَفًّا لَّقَدْ جِئْتُمُونَا كَمَا خَلَقْنَٰكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍۭ بَلْ زَعَمْتُمْ أَلَّن نَّجْعَلَ لَكُم مَّوْعِدًا

And they will be set before your Lord in (lines as) rows, (and Allah ﷻ will say): "Now indeed, you have come to Us as Weﷲ ﷻ created you the first time. Nay, but you thought that Weﷲ ﷻ had appointed no meeting for you (with Us)."

তারা আপনার পালনকর্তারﷲ ﷻ সামনে পেশ হবে সারিবদ্ধ ভাবে এবং বলা হবেঃ তোমরা আমার কাছে এসে গেছ; যেমন তোমাদেরকে প্রথম বার সৃষ্টি করেছিলাম। না, তোমরা তো বলতে যে,

আমিﷻ তোমাদের জন্যে কোন প্রতিশ্রুত সময় নির্দিষ্ট করব না।

वे तुम्हारे रब ﷲﷻके सामने पंक्तिबद्ध उपस्थित किए जाएँगे - "तुम हमारे सामने आ पहुँचे, जैसा हमﷲﷻने तुम्हें पहली बार पैदा किया था। नहीं, बल्कि तुम्हारा तो यह दावा था कि हमﷻ तुम्हारे लिए वादा किया हुआ कोई समय लाएँगे ही नहीं।"

و عرض شدند بر پروردگار تو صفى همانا آمديد ما را چنانكه آفريديمتان نخستين بار بلكه پنداشتيد كه هرگز نگذاريم براى شما وعده‌گاهى را

Al-Kahf (18:49)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَوُضِعَ ٱلْكِتَٰبُ فَتَرَى ٱلْمُجْرِمِينَ مُشْفِقِينَ مِمَّا فِيهِ وَيَقُولُونَ يَٰوَيْلَتَنَا مَالِ هَٰذَا ٱلْكِتَٰبِ لَا يُغَادِرُ صَغِيرَةً وَلَا كَبِيرَةً إِلَّآ أَحْصَىٰهَا وَوَجَدُوا۟ مَا عَمِلُوا۟ حَاضِرًا وَلَا يَظْلِمُ رَبُّكَ أَحَدًا

And the Book (one's Record) will be placed (in the right hand for a believer in the Oneness of Allahﷻ, and in the left hand for a disbeliever

in the Oneness of Allahﷻ), and you will see the Mujrimun (criminals, polytheists, sinners, etc.), fearful of that which is (recorded) therein. They will say: "Woe to us! What sort of Book is this that leaves neither a small thing nor a big thing, but has recorded it with numbers!" And they will find all that they did, placed before them, and your Lordﷲ ﷻ treats no one with injustice.

আর আমলনামা সামনে রাখা হবে। তাতে যা আছে; তার কারণে আপনি অপরাধীদেরকে ভীত-সন্ত্রস্ত দেখবেন। তারা বলবেঃ হায় আফসোস, এ কেমন আমলনামা। এ যে ছোট বড় কোন কিছুই বাদ দেয়নি-সবই এতে রয়েছে। তারা তাদের কৃতকর্মকে সামনে উপস্থিত পাবে। আপনার পালনকর্তাﷲ ﷻ কারও প্রতি জুলুম করবেন না।

किताब (कर्मपत्रिका) रखी जाएगी तो अपराधियों को देखोंगे कि जो कुछ उसमें होगा उससे डर रहे है और कह रहे है, "हाय, हमारा दुर्भाग्य! यह कैसी किताब है कि यह न कोई छोटी बात छोड़ती है न बड़ी, बल्कि सभी को इसने अपने अन्दर समाहित कर रखा है।" जो कुछ उन्होंने किया होगा सब मौजूद पाएँगे। तुम्हारा रबﷲ ﷻ किसी पर ज़ुल्म न करेगा

و نهاده شد کتاب پس بینی گنهکاران را شوریده از آنچه در آن است و گویند ای وای بر ما چه شود این کتاب را که نگذارد کوچک و نه بزرگی را مگر آنکه برشمردش و یافتند آنچه را کردند حاضر و ستم نکند پروردگار تو کسی را

Al-An'aam (6:94)

﷽

وَلَقَدْ جِئْتُمُونَا فُرَٰدَىٰ كَمَا خَلَقْنَٰكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍ وَتَرَكْتُم مَّا خَوَّلْنَٰكُمْ وَرَآءَ ظُهُورِكُمْ وَمَا نَرَىٰ مَعَكُمْ شُفَعَآءَكُمُ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُمْ أَنَّهُمْ فِيكُمْ شُرَكَٰٓؤُا۟ لَقَد تَّقَطَّعَ بَيْنَكُمْ وَضَلَّ عَنكُم مَّا كُنتُمْ تَزْعُمُونَ

And truly you have come unto Usﷲﷻ alone (without wealth, companions or anything else) as Weﷻ created you the first time. You have left behind you all that which We ﷻhad bestowed on you. We see not with you your intercessors whom you claimed to be partners with Allah.ﷻ Now all relations between you and them have been cut off, and all that you used to claim has vanished from you.

তোমরা আমারﷻ কাছে নিঃসঙ্গ হয়ে এসেছ, আমি প্রথমবার তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছিলাম। আমিﷻ তোদেরকে যা দিয়েছিলাম, তা পশ্চাতেই রেখে এসেছ। আমি ﷻতো তোমাদের সাথে তোমাদের সুপারিশকারীদের কে দেখছি না। যাদের সম্পর্কে তোমাদের দাবী ছিল যে, তারা তোমাদের ব্যাপারে অংশীদার। বাস্তুবিকই তোমাদের পরস্পরের সম্পর্ক ছিন্ন হয়ে গেছে এবং তোমাদের দাবী উধাও হয়ে গেছে।

और निश्चय ही तुम उसी प्रकार एक-एक करके हमारेاللهﷻ पास आ गए, जिस प्रकार हमने तुम्हें पहली बार पैदा किया था। और जो कुछ हमاللهﷻ ने तुम्हें दे रखा था, उसे अपने पीछे छोड़ आए और हम तुम्हारे साथ तुम्हारे उन सिफ़ारिशियों को भी नहीं देख रहे हैं, जिनके विषय में तुम दावे से कहते थे, "वे तुम्हारे मामले में शरीक है।" तुम्हारे पारस्परिक सम्बन्ध टूट चुके है और वे सब तुमसे गुम होकर रह गए, जो दावे तुम किया करते थे

و همانا آمدید ما را تنها چنانکه آفریدیمتان نخستین‌بار و بازگذاشتید آنچه را به شما دادیم پشت سر خویش و نبینیم با شما شفیعان شما را آنان که پنداشتیدشان در شما شریکان همانا بگسیخت میان شما و گم شد از شما آنچه بودید می‌پنداشتید

Saba (34:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلِ ٱدْعُوا۟ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُم مِّن دُونِ ٱللَّهِ لَا يَمْلِكُونَ مِثْقَالَ ذَرَّةٍ فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَلَا فِى ٱلْأَرْضِ وَمَا لَهُمْ فِيهِمَا مِن شِرْكٍ وَمَا لَهُۥ مِنْهُم مِّن ظَهِيرٍ

Say: (O Muhammad SAW to those polytheists, pagans, etc.) "Call upon those whom you assert (to be associate gods) besides Allahﷻ, they possess not even the weight of an atom (or a small ant), either in the heavens or on the earth, nor have they any share in either, nor there is for Him any supporter from among them.

বলুন, তোমরা তাদেরকে আহবান কর, যাদেরকে উপাস্য মনে করতে আল্লাহﷻ ব্যতীত। তারা নভোমন্ডল ও ভূ-মন্ডলের অনু পরিমাণ কোন কিছুর মালিক নয়, এতে তাদের কোন অংশও নেই এবং তাদের কেউ আল্লাহর সহায়কও নয়।

कह दो, "अल्लाहﷻ को छोड़कर जिनका तुम्हें (उपास्य होने का) दावा है,

उन्हें पुकार कर देखो। वे न अल्लाह में कणभर चीज़ के मालिक है और न धरती में और न उन दोनों में उनका कोई साझी है और न उनमें से कोई उसका सहायक है।"

بگو بخوانید آنان را که پنداشتید جز خدا دارا نیستند سنگینی ذرّه در آسمانها و نه در زمین و نیستشان در آنها شرکتی و نیست او را از ایشان پشتیبانی

Saba (34:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَنفَعُ ٱلشَّفَٰعَةُ عِندَهُۥٓ إِلَّا لِمَنۡ أَذِنَ لَهُۥۚ حَتَّىٰٓ إِذَا فُزِّعَ عَن قُلُوبِهِمۡ قَالُواْ مَاذَا قَالَ رَبُّكُمۡۖ قَالُواْ ٱلۡحَقَّۖ وَهُوَ ٱلۡعَلِيُّ ٱلۡكَبِيرُ

Intercession with Him profits not, except for him whom He permits. Until when fear is banished from their (angels') hearts, they (angels) say: "What is it that your Lord has said?" They say: "The truth. And Heالله is the Most High, the Most Great."

যার জন্যে অনুমতি দেয়া হয়, তার জন্যে ব্যতীত আল্লাহﷻর কাছে কারও সুপারিশ ফলপ্রসূ হবে না। যখন তাদের মন থেকে ভয়-ভীতি দূর হয়ে যাবে, তখন তারা পরস্পরে বলবে, তোমাদের পালনকর্তাﷻ কি বললেন? তারা বলবে, তিনি সত্য বলেছেন এবং তিনিই সবার উপরে মহান।

और उसके यहाँ कोई सिफ़ारिश काम नहीं आएगी, किन्तु उसी की जिसे उसﷲﷻने (सिफ़ारिश करने की) अनुमति दी हो। यहाँ तक कि जब उनके दिलों से घबराहट दूर हो जाएगी, तो वे कहेंगे, "तुम्हारे रब ने क्या कहा?" वे कहेंगे, "सर्वथा सत्य। और वहﷲﷻ अत्यन्त उच्च, महान है।"

و سود ندهد شفاعت نزد او جز برای آنکه دستور دهدش تا گاهی که گرفته شود طپیدن هراس از دلهای ایشان گویند چه گفت پروردگار شما گویند حقّ را و او است برتر بزرگوار

Saba (34:24)

﷽

قُلْ مَن يَرْزُقُكُم مِّنَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ قُلِ ٱللَّهُ وَإِنَّآ أَوْ إِيَّاكُمْ لَعَلَىٰ هُدًى أَوْ فِى ضَلَٰلٍ مُّبِينٍ

He ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

Say (O Muhammad SAW to these polytheists, pagans, etc.) "Who gives you provision from the heavens and the earth?" Say: "Allah,ﷻ And verily, (either) we or you are rightly guided or in a plain error."

বলুন, নভোমন্ডল ও ভূ-মন্ডল থেকে কে তোমাদের কে রিযিক দেয়। বলুন, আল্লাহﷻ। আমরা অথবা তোমরা সৎপথে অথবা স্পষ্ট বিভ্রান্তিতে আছি ও আছ?

कहो, "कौन तुम्हें आकाशों और धरती में रोज़ी देता है?" कहो, "अल्लाह!ﷻ" अब अवश्य ही हम है या तुम ही हो मार्ग पर, या खुली गुमराही में

بگو که روزیتان دهد از آسمانها و زمین بگو خدا و ما یا شمائیم هر آینه بر هدایتی یا در گمراهی آشکار

Saba (34:25)

قُلْ لَا تُسْـَٔلُونَ عَمَّآ أَجْرَمْنَا وَلَا نُسْـَٔلُ عَمَّا تَعْمَلُونَ

Say (O Muhammad SAW to these polytheists, pagans, etc.) "You will not be asked about our sins, nor shall we be asked of what you do."

বলুন, আমাদের অপরাধের জন্যে তোমরা জিজ্ঞাসিত হবে না এবং তোমরা যা কিছু কর, সে সম্পর্কে আমরা জিজ্ঞাসিত হব না।

कहो, "जो अपराध हमने किए, उसकी पूछ तुमसे न होगी और न उसकी पूछ हमसे होगी जो तुम कर रहे हो।"

بگو پرسش نشوید از آنچه ما کردیم و نه پرسش شویم از آنچه شما کنید

Saba (34:26)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ يَجْمَعُ بَيْنَنَا رَبُّنَا ثُمَّ يَفْتَحُ بَيْنَنَا بِٱلْحَقِّ وَهُوَ ٱلْفَتَّاحُ ٱلْعَلِيمُ

Say: "Our Lordاللهﷻ will assemble us all together (on the Day of Resurrection), then Heاللهﷻ will judge between us with truth. And Heاللهﷻ is the (Most Trustworthy) AllKnowing Judge."

বলুন, আমাদের পালনকর্তাﷲ আমাদেরকে সমবেত করবেন, অতঃপর তিনিﷲ আমাদের মধ্যে সঠিকভাবে ফয়সালা করবেন। তিনি ﷲফয়সালাকারী, সর্বজ্ঞ।

कह दो, "हमारा रब ﷲहम सबको इकट्ठा करेगा। फिर हमारे बीच ठीक-ठीक फ़ैसला कर देगा। वही ﷲख़ूब फ़ैसला करनेवाला, अत्यन्त ज्ञानवान है।"

بگو گردآورد میان ما پروردگار ما سپس بگشاید میان ما به حقّ و او است گشاینده دانا

Saba (34:27)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ أَرُونِيَ ٱلَّذِينَ أَلْحَقْتُم بِهِۦ شُرَكَآءَ كَلَّا بَلْ هُوَ ٱللَّهُ ٱلْعَزِيزُ ٱلْحَكِيمُ

Say (O Muhammad SAW to these polytheists and pagans): "Show me those whom you have joined to Himﷲ as partners. Nay (there are not at

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲ ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

all any partners with Him)! But He is Allah ﷻ (Alone), the AllMighty, the AllWise."

বলুন, তোমরা যাদেরকে আল্লাহﷻর সাথে অংশীদাররূপে সংযুক্ত করেছ, তাদেরকে এনে আমাকে দেখাও। বরং তিনিই আল্লাহ,ﷻ পরাক্রমশীল, প্রজ্ঞাময়।

कहो, "मुझे उनको दिखाओ तो, जिनको तुमने साझीदार बनाकर उसके साथ जोड रखा है। कुछ नहीं, बल्कि बही अल्लाहﷻ अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है।"

بگو بنمایانیدیم آنان را که پیوستش کردید شریکانی نه چنین است بلکه او است خداوند عزّتمند حکیم

Saba (34:28)

وَمَآ أَرۡسَلۡنَٰكَ إِلَّا كَآفَّةً لِّلنَّاسِ بَشِيرًا وَنَذِيرًا وَلَٰكِنَّ أَكۡثَرَ ٱلنَّاسِ لَا يَعۡلَمُونَ

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)

তিনিﷲﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)

वहीﷲﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

And We ﷲ ﷻ have not sent you (O Muhammad SAW) except as a giver of glad tidings and a warner to all mankind, but most of men know not.

আমিﷲﷻ আপনাকে সমগ্র মানবজাতির জন্যে সুসংবাদাতা ও সতর্ককারী রূপে পাঠিয়েছি; কিন্তু অধিকাংশ মানুষ তা জানে না।

हमﷲﷻने तो तुम्हें सारे ही मनुष्यों को शुभ-सूचना देनेवाला और सावधान करनेवाला बनाकर भेजा, किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं

و نفرستادیم تو را مگر برای همه مردم مژده‌دهنده و ترساننده و لیکن بیشتر مردم نمی‌دانند

Saba (34:29)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَقُولُونَ مَتَىٰ هَٰذَا ٱلْوَعْدُ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

And they say: "When is this promise (i.e. the Day of Resurrection will be fulfilled) if you are truthful?"

তারা বলে, তোমরা যদি সত্যবাদী হও, তবে বল, এ ওয়াদা কখন বাস্তবায়িত হবে?

वे कहते है, "यह वादा कब पूरा होगा, यदि तुम सच्चे हो?"

و گویند چه هنگام است این وعده اگر هستید راستگویان

Saba (34:30)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُل لَّكُم مِّيعَادُ يَوْمٍ لَّا تَسْتَـْٔخِرُونَ عَنْهُ سَاعَةً وَلَا تَسْتَقْدِمُونَ

Say (O Muhammad SAW): "The appointment to you is for a Day, which you cannot put back for an hour (or a moment) nor put forward."

বলুন, তোমাদের জন্যে একটি দিনের ওয়াদা রয়েছে যাকে তোমরা এক মহূর্তও বিলম্বিত করতে পারবে না এবং ত্বরান্বিত ও করতে পারবে না।

कह दो, "तुम्हारे लिए एक विशेष दिन की अवधि नियत है, जिससे न एक घड़ी भर पीछे हटोगे और न आगे बढ़ोगे।"

بگو شما را است وعده‌گاه روزی که نه دیر کنید از آن ساعتی و نه پیشی گیرید

Saba (34:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ لَن نُّؤْمِنَ بِهَٰذَا ٱلْقُرْءَانِ وَلَا بِٱلَّذِى بَيْنَ يَدَيْهِ ۗ وَلَوْ تَرَىٰٓ إِذِ ٱلظَّٰلِمُونَ مَوْقُوفُونَ عِندَ رَبِّهِمْ يَرْجِعُ بَعْضُهُمْ إِلَىٰ بَعْضٍ ٱلْقَوْلَ يَقُولُ ٱلَّذِينَ ٱسْتُضْعِفُوا۟ لِلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوا۟ لَوْلَآ أَنتُمْ لَكُنَّا مُؤْمِنِينَ

And those who disbelieve say: "We believe not in this Quran nor in that which was before it," but if you could see when the Zalimun (polytheists and wrongdoers, etc.) will be made to stand before their Lordﷻ, how they will cast the (blaming) word one to another! Those who were deemed weak will say to those who were arrogant: "Had it not been for you, we should certainly have been believers!"

কাফেররা বলে, আমরা কখনও এ কোরআনে বিশ্বাস করব না এবং এর পূর্ববর্তী কিতাবেও নয়। আপনি যদি পাপিষ্ঠদেরকে দেখতেন, যখন তাদেরকে তাদের পালনকর্তাﷻর সামনে দাঁড় করানো হবে, , তখন তারা পরস্পর কথা কাটাকাটি করবে। যাদেরকে দুর্বল মনে করা হত, তারা অহংকারীদেরকে বলবে, তোমরা না থাকলে আমরা অবশ্যই মুমিন হতাম।

जिन लोगों ने इनकार किया वे कहते है, "हम इस क़ुरआन को कदापि न मानेंगे और न उसको जो इसके आगे है।" और यदि तुम देख पाते जब ज़ालिम अपने रबﷻ के सामने खड़े कर दिए जाएँगे। वे आपस में एक-दूसरे पर इल्ज़ाम डाल रहे होंगे। जो लोग कमज़ोर समझे गए वे उन लोगों से जो बड़े बनते थे कहेंगे, "यदि तुम न होते तो हम अवश्य ही ईमानवाले होते।"

و گفتند آنان که کفر ورزیدند هرگز ایمان نیاریم بدین قرآن و نه بدانچه پیش روی آن است و کاش می‌دیدی گاهی که ستمگران بازداشت شدگانند نزد پروردگار خویش برگردانند برخی از ایشان به برخی گفتار را گویند آنان که ناتوان شمرده شدند بدانان که برتری جستند اگر نبودید شما

هرآینه می‌بودیم ما مؤمنان

Saba (34:32)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ ٱلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوا۟ لِلَّذِينَ ٱسْتُضْعِفُوٓا۟ أَنَحْنُ صَدَدْنَٰكُمْ عَنِ ٱلْهُدَىٰ بَعْدَ إِذْ جَآءَكُم بَلْ كُنتُم مُّجْرِمِينَ

And those who were arrogant will say to those who were deemed weak: "Did we keep you back from guidance after it had come to you? Nay, but you were Mujrimun (polytheists, sinners, criminals, disobedient to Allahﷻ, etc.).

অহংকারীরা দুর্বলকে বলবে, তোমাদের কাছে হেদায়েত আসার পর আমরা কি তোমাদেরকে বাধা দিয়েছিলাম? বরং তোমরাই তো ছিলে অপরাধী।

वे लोग जो बड़े बनते थे उन लोगों से जो कमज़ोर समझे गए थे, कहेंगे, " क्या हमने तुम्हे उस मार्गदर्शन से रोका था, वह तुम्हारे पास आया था?

नहीं, बल्कि तुम स्वयं ही अपराधी हो।"

گفتند آنان که برتری جستند بدانان که ناتوان شمرده شدند آیا ما بازداشتیم شما را از رهبری پس از آنکه بیامد شما را بلکه بودید شما گنهکاران

Saba (34:33)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالَ ٱلَّذِينَ ٱسْتُضْعِفُوا۟ لِلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوا۟ بَلْ مَكْرُ ٱلَّيْلِ وَٱلنَّهَارِ إِذْ تَأْمُرُونَنَآ أَن نَّكْفُرَ بِٱللَّهِ وَنَجْعَلَ لَهُۥٓ أَندَادًا ۚ وَأَسَرُّوا۟ ٱلنَّدَامَةَ لَمَّا رَأَوُا۟ ٱلْعَذَابَ وَجَعَلْنَا ٱلْأَغْلَـٰلَ فِىٓ أَعْنَاقِ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ ۚ هَلْ يُجْزَوْنَ إِلَّا مَا كَانُوا۟ يَعْمَلُونَ

Those who were deemed weak will say to those who were arrogant: "Nay, but it was your plotting by night and day, when you ordered us to disbelieve in Allah ﷻ and set up rivals to Him!" And each of them (parties) will conceal their own regrets (for disobeying Allah ﷻ during this worldly life), when they behold the torment. And We الله ﷻ shall put

iron collars round the necks of those who disbelieved. Are they requited aught except what they used to do?

দুর্বলরা অহংকারীদেরকে বলবে, বরং তোমরাই তো দিবারাত্রি চক্রান্ত করে আমাদেরকে নির্দেশ দিতে যেন আমরা আল্লাহﷻকে না মানি এবং তাঁর অংশীদার সাব্যস্ত করি তারা যখন শাস্তি দেখবে, তখন মনের অনুতাপ মনেই রাখবে। বস্তুতঃ আমি ﷲﷻকাফেরদের গলায় বেড়ী পরাব। তারা সে প্রতিফলই পেয়ে থাকে যা তারা করত।

वे लोग कमज़ोर समझे गए थे बड़े बननेवालों से कहेंगे, "नहीं, बल्कि रात-दिन की मक्कारी थी जब तुम हमसे कहते थे कि हम अल्लाहﷻ के साथ कुफ़्र करें और दूसरों को उसका समकक्ष ठहराएँ।" जब वे यातना देखेंगे तो मन ही मन पछताएँगे और हमﷲﷻ उन लोगों की गरदनों में जिन्होंने कुफ़्र की नीति अपनाई, तौक़ डाल देंगे। वे वही तो बदले में पाएँगे, जो वे करते रहे थे?

و گفتند آنان که ناتوان شمرده شدند بدانان که کبر ورزیدند بلکه نیرنگ شب و روز بود هنگامی که فرمان می‌دادید ما را که کفر ورزیم به خدا و قرار دهیم برایش همتایانی و نهان داشتند پشیمانی را گاهی که دیدند

عذاب را و نهادیم زنجیرها را در گردنهای آنان که کفر ورزیدند آیا پاداش داده شوند جز آنچه را بودند می‌کردند

Saba (34:34)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَآ أَرْسَلْنَا فِى قَرْيَةٍ مِّن نَّذِيرٍ إِلَّا قَالَ مُتْرَفُوهَآ إِنَّا بِمَآ أُرْسِلْتُم بِهِۦ كَٰفِرُونَ

And Weﷲ did not send a warner to a township, but those who were given the worldly wealth and luxuries among them said: "We believe not in the (Message) with which you have been sent."

ﷲকোন জনপদে সতর্ককারী প্রেরণ করা হলেই তার বিত্তশালী অধিবাসীরা বলতে শুরু করেছে, তোমরা যে বিষয়সহ প্রেরিত হয়েছ, আমরা তা মানি না।

ﷲहमने जिस बस्ती में भी कोई सचेतकर्ता भेजा तो वहाँ के सम्पन्न लोगों ने यही कहा कि "जो कुछ देकर तुम्हें भेजा गया है, हम तो उसको नहीं मानते।"

و نفرستادیم در شهری ترساننده‌ای مگر گفتند هوسرانان آنکه مائیم بدانچه فرستاده شدید بدان کافران

Saba (34:35)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُوا۟ نَحْنُ أَكْثَرُ أَمْوَٰلًا وَأَوْلَٰدًا وَمَا نَحْنُ بِمُعَذَّبِينَ

And they say: "We are more in wealth and in children, and we are not going to be punished."

তারা আরও বলেছে, আমরা ধনে-জনে সমৃদ্ধ, সুতরাং আমরা শাস্তিপ্রাপ্ত হব না।

उन्होंने यह भी कहा कि "हम तो धन और संतान में तुमसे बढ़कर है और हम यातनाग्रस्त होनेवाले नहीं।"

و گفتند ما بیشتریم در مالها و فرزندان و نیستیم ما عذاب‌شدگان

Saba (34:36)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ إِنَّ رَبِّى يَبْسُطُ ٱلرِّزْقَ لِمَن يَشَآءُ وَيَقْدِرُ وَلَٰكِنَّ أَكْثَرَ ٱلنَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ

Say (O Muhammad SAW): "Verily, my Lord ﷲﷻ enlarges and restricts the provision to whom Heﷻ pleases, but most men know not."

বলুন, আমার পালনকর্তাﷲﷻ যাকে ইচ্ছা রিযিক বাড়িয়ে দেন এবং পরিমিত দেন। কিন্তু অধিকাংশ মানুষ তা বোঝে না।

कहो, "निस्संदेह मेरा रबﷲﷻ जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा कर देता है और जिसे चाहता है नपी-तुली देता है। किन्तु अधिकांश लोग जानते नहीं।"

بگو هر آینه پروردگار من فراخ گرداند روزی را برای هر که خواهد و تنگ کند و لیکن بیشتر مردم نمی‌دانند

Saba (34:37)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَآ أَمْوَٰلُكُمْ وَلَآ أَوْلَٰدُكُم بِٱلَّتِى تُقَرِّبُكُمْ عِندَنَا زُلْفَىٰٓ إِلَّا مَنْ ءَامَنَ وَعَمِلَ صَٰلِحًا فَأُو۟لَٰٓئِكَ لَهُمْ جَزَآءُ ٱلضِّعْفِ بِمَا عَمِلُوا۟ وَهُمْ فِى ٱلْغُرُفَٰتِ ءَامِنُونَ

And it is not your wealth, nor your children that bring you nearer to Us (i.e. pleases Allahﷻ), but only he (will please Us) who believes (in the Islamic Monotheism), and does righteous deeds; as for such, there will be twofold reward for what they did, and they will reside in the high dwellings (Paradise) in peace and security.

তোমাদের ধন-সম্পদ ও সন্তান-সন্ততি তোমাদেরকে আমারﷲﷻ নিকটবর্তী করবে না। তবে যারা বিশ্বাস স্থাপন করে ও সৎকর্ম করে, তারা তাদের কর্মের বহুগুণ প্রতিদান পাবে এবং তারা সুউচ্চ প্রাসাদে নিরাপদে থাকবে।

वह चीज़ न तुम्हारे धन है और न तुम्हारी सन्तान, जो तुम्हें हमﷲﷻसे निकट कर दे। अलबता, जो कोई ईमान लाया और उसने अच्छा कर्म किया, तो ऐसे ही लोग है जिनके लिए उसका कई गुना बदला है, जो

उन्होंने किया। और वे ऊपरी मंजिल के कक्षों में निश्चिन्तता-पूर्वक रहेंगे

و نیستند مالهای شما و نه فرزندان شما که نزدیک گردانند شما را نزد ما جایگاهی نزدیک مگر آنکه ایمان آورد و کردار شایسته کرد که آنان را است پاداش دو برابر بدانچه کردند و آنانند در کاخها آرمیدگان

Saba (34:38)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ يَسۡعَوۡنَ فِيٓ ءَايَٰتِنَا مُعَٰجِزِينَ أُوْلَٰٓئِكَ فِي ٱلۡعَذَابِ مُحۡضَرُونَ

And those who strive against Our ﷻ Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.), to frustrate them, will be brought to the torment.

আর যারা আমার ﷻ আয়াতসমূহকে ব্যর্থ করার অপপ্রয়াসে লিপ্ত হয়, তাদেরকে আযাবে উপস্থিত করা হবে।

रहे वे लोग जो हमारी ﷻ आयतों को मात करने के लिए प्रयासरत है, वे

लाकर यातनाग्रस्त किए जाएँगे

و آنان که می‌کوشند در آیتهای ما به عجزآرندگان آنانند در عذاب احضارشدگان

Saba (34:40)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَوْمَ يَحْشُرُهُمْ جَمِيعًا ثُمَّ يَقُولُ لِلْمَلَٰٓئِكَةِ أَهَٰٓؤُلَآءِ إِيَّاكُمْ كَانُوا۟ يَعْبُدُونَ

And (remember) the Day when He الله ﷻ will gather them all together, and then will say to the angels: "Was it you that these people used to worship?"

যেদিন তিনি الله ﷻ তাদের সবাইকে একত্রিত করবেন এবং ফেরেশতাদেরকে বলবেন, এরা কি তোমাদেরই পূজা করত?

याद करो जिस दिन वह الله ﷻ उन सबको इकट्ठा करेगा, फिर फ़रिश्तों से कहेगा, "क्या तुम्ही को ये पूजते रहे है?"

و روزی که گرد آردشان همگی سپس گوید به فرشتگان آیا اینان بودند شما را می‌پرستیدند

Saba (34:41)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالُوا۟ سُبْحَـٰنَكَ أَنتَ وَلِيُّنَا مِن دُونِهِم ۖ بَلْ كَانُوا۟ يَعْبُدُونَ ٱلْجِنَّ ۖ أَكْثَرُهُم بِهِم مُّؤْمِنُونَ

They (angels) will say: "Glorified be You!ﷲ You are our Wali (Lord) instead of them. Nay, but they used to worship the jinns; most of them were believers in them."

ফেরেশতারা বলবে, আপনিﷻ পবিত্র, আমরা আপনার পক্ষে, তাদের পক্ষে নই, বরং তারা জিনদের পূজা করত। তাদের অধিকাংশই শয়তানে বিশ্বাসী।

वे कहेंगे, "महान है तू,ﷲ हमारा निकटता का मधुर सम्बन्ध तो तुझी से है, उनसे नहीं; बल्कि बात यह है कि वे जिन्नों को पूजते थे। उनमें से

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷲ ﷻ ই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

अधिकतर उन्हीं पर ईमान रखते थे।"

گفتند منزهی تو توئی دوست ما نه آنان بلکه بودند می‌پرستیدند پریان را بیشتر ایشانند بدانان گروندگان

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █ Saba (34:42)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَٱلْيَوْمَ لَا يَمْلِكُ بَعْضُكُمْ لِبَعْضٍ نَّفْعًا وَلَا ضَرًّا وَنَقُولُ لِلَّذِينَ ظَلَمُوا۟ ذُوقُوا۟ عَذَابَ ٱلنَّارِ ٱلَّتِى كُنتُم بِهَا تُكَذِّبُونَ

So Today (i.e. the Day of Resurrection), none of you can profit or harm one another. And We shall say to those who did wrong [i.e. worshipped others (like angels, jinns, prophets, saints, righteous persons, etc.) along with Allah ﷻ]: "Taste the torment of the Fire which you used to belie.

অতএব আজকের দিনে তোমরা একে অপরের কোন উপকার ও অপকার করার অধিকারী হবে না আর আমি জালেমদেরকে বলব, তোমরা আগুনের যে শাস্তিকে মিথ্যা বলতে তা আস্বাদন কর।

"अतः आज न तो तुम परस्पर एक-दूसरे के लाभ का अधिकार रखते हो और न हानि का।" और हम उन ज़ालिमों से कहेंगे, "अब उस आग की यातना का मज़ा चखो, जिसे तुम झुठलाते रहे हो।"

پس امروز دارا نیست برخی از شما برای برخی سود و نه زیانی و گوئیم بدانان که ستم کردند بچشید عذاب آتشی را که بودید آن را دروغ می‌پنداشتید

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

█▁○█○▃▁○▃▁○▃○▁

We Have No Choice...మనకు చాయిస్-వుండదే-

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ ▇Al-Qasas (28:68)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَرَبُّكَ يَخْلُقُ مَا يَشَآءُ وَيَخْتَارُ مَا كَانَ لَهُمُ ٱلْخِيَرَةُ سُبْحَٰنَ ٱللَّهِ وَتَعَٰلَىٰ عَمَّا يُشْرِكُونَ

And your Lordالله ﷻ creates whatsoever He ﷻwills and chooses, no choice have they (in any matter). Glorified be Allahﷻ, and exalted above

all that they associate as partners (with Him).

আপনার পালনকর্তাﷲ যা ইচ্ছা সৃষ্টি করেন এবং পছন্দ করেন। তাদের কোন ক্ষমতা নেই। আল্লাহﷲ পবিত্র এবং তারা যাকে শরীক করে, তা থেকে উর্ধ্বে।

तेरा रबﷲ पैदा करता है जो कुछ चाहता है और ग्रहण करता है जो चाहता है। उन्हें कोई अधिकार प्राप्त नहीं। अल्लाहﷲ महान और उच्च है उस शिर्क से, जो वे करते है

و پروردگارت می‌آفریند هر آنچه خواهد و برگزیند نیستشان اختیاری منزّه و برتر است خدا از آنچه شرک ورزند

Al-Qasas (28:69)

وَرَبُّكَ يَعْلَمُ مَا تُكِنُّ صُدُورُهُمْ وَمَا يُعْلِنُونَ

And your Lordﷲ knows what their breasts conceal, and what they reveal.

He الله ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিالله ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीالله ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

তাদের অন্তর যা গোপন করে এবং যা প্রকাশ করে, আপনার পালনকর্তা الله ﷻতা জানেন।

और तेरा रबالله ﷻ जानता है जो कुछ उनके सीने छिपाते है और जो कुछ वे लोग व्यक्त करते है

و پروردگار تو داند آنچه نهان می‌دارد سینه‌های ایشان و آنچه پدیدار کند

Al-Qasas (28:70)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَهُوَ ٱللَّهُ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ لَهُ ٱلْحَمْدُ فِي ٱلْأُولَىٰ وَٱلْءَاخِرَةِ وَلَهُ ٱلْحُكْمُ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ

And He is Allah ﷻ; La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He). His ﷻ is all praise, in the first (i.e. in this world) and in the last (i.e. in the Hereafter). And for Him ﷻ is the Decision, and to Him ﷻ shall you (all) be returned.

তিনিই আল্লাহﷻ তিনি ব্যতীত কোন উপাস্য নেই। ইহকাল ও পরকালে তাঁরই প্রশংসা। বিধান তাঁরইﷻ ক্ষমতাধীন এবং তোমরা তাঁরইﷻ কাছে প্রত্যাবর্তিত হবে।

और वही अल्लाहﷻ है, उसके सिवा कोई इष्ट -पूज्य नहीं। सारी प्रशंसा उसी के लिए है पहले और पिछले जीवन में फ़ैसले का अधिकार उसी اللهﷻको है और उसीاللهﷻ की ओर तुम लौटकर जाओगे

و او است خدا نیست خدائی جز او برای او است سپاس در آغاز و انجام و برای او است حکم و به سویش بازگردانیده شوید

Al-Qasas (28:71)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ أَرَءَيْتُمْ إِن جَعَلَ ٱللَّهُ عَلَيْكُمُ ٱلَّيْلَ سَرْمَدًا إِلَىٰ يَوْمِ ٱلْقِيَٰمَةِ مَنْ إِلَٰهٌ غَيْرُ ٱللَّهِ يَأْتِيكُم بِضِيَآءٍ أَفَلَا تَسْمَعُونَ

Say (O Muhammad SAW): "Tell me! If Allahﷻ made night continuous for you till the Day of Resurrection, who is an ilah (a god) besides Allahﷻ

who could bring you light? Will you not then hear?"

বলুন, ভেবে দেখ তো, আল্লাহ ﷻযদি রাত্রিকে কেয়ামতের দিন পর্যন্ত স্থায়ী করেন, তবে আল্লাহﷻ ব্যতীত এমন উপাস্য কে আছে, যে তোমাদেরকে আলোক দান করতে পারে? তোমরা কি তবুও কর্ণপাত করবে না?

कहो, "क्या तुमने विचार किया कि यदि अल्लाहﷻ क़ियामत के दिन तक सदैव के लिए तुमपर रात कर दे तो अल्लाहﷻ के सिवा कौन इष्ट-प्रभु है जो तुम्हारे लिए प्रकाश लाए? तो क्या तुम देखते नहीं?"

بگو آیا دیده‌اید اگر بگرداند خدا بر شما شب را پیوسته تا روز رستاخیز کدام خدا است جز خدا که بیارد شما را پرتوی آیا نمی‌شنوید

▁ ▂ ▃ ▄ ▅ ▆ █Al-Qasas (28:72)

﷽

قُلْ أَرَءَيْتُمْ إِن جَعَلَ ٱللَّهُ عَلَيْكُمُ ٱلنَّهَارَ سَرْمَدًا إِلَىٰ يَوْمِ ٱلْقِيَٰمَةِ مَنْ إِلَٰهٌ غَيْرُ ٱللَّهِ يَأْتِيكُم بِلَيْلٍ تَسْكُنُونَ فِيهِ أَفَلَا تُبْصِرُونَ

Say (O Muhammad SAW): "Tell me! If Allahﷻ made day continuous for you till the Day of Resurrection, who is an ilah (a god) besides Allah ﷻwho could bring you night wherein you rest? Will you not then see?"

বলুন, ভেবে দেখ তো, আল্লাহﷻ যদি দিনকে কেয়ামতের দিন পর্যন্ত স্থায়ী করেন, তবে আল্লাহ ﷻব্যতীত এমন উপাস্য কে আছে যে, তোমাদেরকে রাত্রি দান করতে পারে, যাতে তোমরা বিশ্রাম করবে ? তোমরা কি তবুও ভেবে দেখবে না ?

कहो, "क्या तुमने विचार किया? यदि अल्लाहﷻ क़ियामत के दिन तक सदैव के लिए तुमपर दिन कर दे तो अल्लाहﷻ के सिवा दूसरा कौन इष्ट-पूज्य है जो तुम्हारे लिए रात लाए जिसमें तुम आराम पाते हो? तो क्या तुम देखते नहीं?

بگو آیا دیده‌اید اگر گرداند خدا بر شما روز را همیشگی تا روز قیامت کدام خدا است جز خدا که آوردتان شبی که آرامش گیرید در آن آیا نمی‌بینید

Al-Qasas (28:73)

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

وَمِن رَّحْمَتِهِۦ جَعَلَ لَكُمُ ٱلَّيْلَ وَٱلنَّهَارَ لِتَسْكُنُوا۟ فِيهِ وَلِتَبْتَغُوا۟ مِن فَضْلِهِۦ وَلَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ

It is out of His Mercy that He has put for you night and day, that you may rest therein (i.e. during the night) and that you may seek of His Bounty (i.e. during the day), and in order that you may be grateful.

তিনিই স্বীয় রহমতে তোমাদের জন্যে রাত ও দিন করেছেন, যাতে তোমরা তাতে বিশ্রাম গ্রহণ কর ও তাঁর অনুগ্রহ অন্বেষণ কর এবং যাতে তোমরা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ কর।

उसअल्लाहने अपनी दयालुता से तुम्हारे लिए रात और दिन बनाए, ताकि तुम उसमें (रात में) आराम पाओ और ताकि तुम (दिन में) उसका अनुग्रह (रोज़ी) तलाश करो और ताकि तुम कृतज्ञता दिखाओ।"

و از رحمتش نهاد برای شما شب و روز را تا بیارامید در آن و تا جوئید از فضلش و شاید سپاسگزارید

Al-Qasas (28:67)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَأَمَّا مَن تَابَ وَءَامَنَ وَعَمِلَ صَٰلِحًا فَعَسَىٰٓ أَن يَكُونَ مِنَ ٱلْمُفْلِحِينَ

But as for him who repented (from polytheism and sins, etc.), believed (in the Oneness of Allah, ﷻ and in His Messenger Muhammad SAW), and did righteous deeds (in the life of this world), then he will be among those who are successful.

তবে যে তওবা করে, বিশ্বাস স্থাপন করে ও সৎকর্ম করে, আশা করা যায়, সে সফলকাম হবে।

अलबत्ता जिस किसी ने तौबा कर ली और वह ईमान ले आया और अच्छा कर्म किया, तो आशा है वह सफल होनेवालों में से होगा

امّا آنکه توبه کند و ایمان آرد و کردار شایسته کند پس امید است آنکه باشد از رستگاران

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

Qaran,Karan,Qaroon,

Al-Qasas (28:76)

إِنَّ قَٰرُونَ كَانَ مِن قَوْمِ مُوسَىٰ فَبَغَىٰ عَلَيْهِمْ وَءَاتَيْنَٰهُ مِنَ ٱلْكُنُوزِ مَآ إِنَّ مَفَاتِحَهُۥ لَتَنُوٓأُ بِٱلْعُصْبَةِ أُو۟لِى ٱلْقُوَّةِ إِذْ قَالَ لَهُۥ قَوْمُهُۥ لَا تَفْرَحْ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يُحِبُّ ٱلْفَرِحِينَ

Verily, Qarun (Korah) was of Musa's (Moses) people, but he behaved arrogantly towards them. And Weﷻ gave him of the treasures, that of which the keys would have been a burden to a body of strong men. When his people said to him: "Do not be glad (with ungratefulness to Allah's Favours). Verily! Allah ﷻlikes not those who are glad (with

ungratefulness to Allahﷻ's Favours).

কারুন ছিল মূসার সম্প্রদায়ভুক্ত। অতঃপর সে তাদের প্রতি দুষ্টামি করতে আরম্ভ করল। আমিﷻ তাকে এত ধন-ভান্ডার দান করেছিলাম যার চাবি বহন করা কয়েকজন শক্তিশালী লোকের পক্ষে কষ্টসাধ্য ছিল। যখন তার সম্প্রদায় তাকে বলল, দম্ভ করো না, আল্লাহﷻ দাম্ভিকদেরকে ভালবাসেন না।

निश्चय ही क़ारून मूसा की क़ौम में से था, फिर उसने उनके विरुद्ध सिर उठाया और हमﷲﷻने उसे इतने ख़जाने दे रखें थे कि उनकी कुंजियाँ एक बलशाली दल को भारी पड़ती थी। जब उससे उसकी क़ौम के लोगों ने कहा, "इतरा मत, अल्लाहﷻ इतरानेवालों के पसन्द नही करता

همانا قارون بود از قوم موسی پس سرکشی کرد بر ایشان و دادیمش از گنجها آنچه کلیدهایش گران می‌آید بر گروه نیرومند هنگامی که گفتند بدو قومش شادمانی نکن که خدا دوست ندارد شادمانان را

Al-Qasas (28:77)

﷽

وَٱبْتَغِ فِيمَآ ءَاتَىٰكَ ٱللَّهُ ٱلدَّارَ ٱلْءَاخِرَةَ وَلَا تَنسَ نَصِيبَكَ مِنَ ٱلدُّنْيَا وَأَحْسِن كَمَآ أَحْسَنَ ٱللَّهُ إِلَيْكَ وَلَا تَبْغِ ٱلْفَسَادَ فِى ٱلْأَرْضِ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يُحِبُّ ٱلْمُفْسِدِينَ

But seek, with that (wealth) which Allahﷻ has bestowed on you, the home of the Hereafter, and forget not your portion of legal enjoyment in this world, and do good as Allahﷻ has been good to you, and seek not mischief in the land. Verily, Allahﷻ likes not the Mufsidun (those who commit great crimes and sins, oppressors, tyrants, mischief-makers, corrupts).

আল্লাহﷻ তোমাকে যা দান করেছেন, তদ্বারা পরকালের গৃহ অনুসন্ধান কর, এবং ইহকাল থেকে তোমার অংশ ভূলে যেয়ো না। তুমি অনুগ্রহ কর, যেমন আল্লাহﷻ তোমার প্রতি অনুগ্রহ করেছেন এবং পৃথিবীতে অনর্থ সৃষ্টি করতে প্রয়াসী হয়ো না। নিশ্চয় আল্লাহﷻ অনর্থ সৃষ্টিকারীদেরকে পছন্দ করেন না।

जो कुछ अल्लाहﷻ ने तुझे दिया है, उसमें आख़िरत के घर का निर्माण कर और दुनिया में से अपना हिस्सा न भूल, और भलाई कर, जैसा कि

He ﷲ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

अल्लाहﷻ ने तेरे साथ भलाई की है, और धरती का बिगाड़ मत चाह। निश्चय ही अल्लाहﷻ बिगाड़ पैदा करनेवालों को पसन्द नहीं करता।"

و بجوی در آنچه خدا به تو داده است خانه آخرت را و فراموش مکن بهره خویش را از دنیا و نکوئی کن چنانکه نکوئی کرد به تو خدا و نجوی تباهی را در زمین همانا خدا دوست ندارد تبهکاران را

Al-Qasas (28:78)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ إِنَّمَآ أُوتِيتُهُۥ عَلَىٰ عِلْمٍ عِندِىٓ أَوَلَمْ يَعْلَمْ أَنَّ ٱللَّهَ قَدْ أَهْلَكَ مِن قَبْلِهِۦ مِنَ ٱلْقُرُونِ مَنْ هُوَ أَشَدُّ مِنْهُ قُوَّةً وَأَكْثَرُ جَمْعًا وَلَا يُسْـَٔلُ عَن ذُنُوبِهِمُ ٱلْمُجْرِمُونَ

He said: "This has been given to me only because of knowledge I possess." Did he not know that Allahﷻ had destroyed before him generations, men who were stronger than him in might and greater in the amount (of riches) they had collected. But the Mujrimun (criminals, disbelievers, polytheists, sinners, etc.) will not be questioned of their

sins (because Allah ﷻ knows them well, so they will be punished without account).

সে বলল, আমি এই ধন আমার নিজস্ব জ্ঞান-গরিমা দ্বারা প্রাপ্ত হয়েছি। সে কি জানে না যে, আল্লাহ ﷻ তার পূর্বে অনেক সম্প্রদায়কে ধ্বংস করেছেন, যারা শক্তিতে ছিল তার চাইতে প্রবল এবং ধন-সম্পদে অধিক প্রাচুর্যশীল? পাপীদেরকে তাদের পাপকর্ম সম্পর্কে জিজ্ঞেস করা হবে না।

उसने कहा, "मुझे तो यह मेरे अपने व्यक्तिगत ज्ञान के कारण मिला है।" क्या उसने यह नहीं जाना कि अल्लाह ﷻ उससे पहले कितनी ही नस्लों को विनष्ट कर चुका है जो शक्ति में उससे बढ़-चढ़कर और बाहुल्य में उससे अधिक थीं? अपराधियों से तो (उनकी तबाही के समय) उनके गुनाहों के विषय में पूछा भी नहीं जाता

گفت جز این نیست که داده شدش بر دانشی نزد من آیا نمی‌داند که خدا نابود کرد پیش از او از قرنها آنکه سخت‌تر از او بود در نیرو و بیشتر در گروه و پرسش نشوند از گناهانشان گنهکاران

Al-Qasas (28:81)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَخَسَفْنَا بِهِۦ وَبِدَارِهِ ٱلْأَرْضَ فَمَا كَانَ لَهُۥ مِن فِئَةٍ يَنصُرُونَهُۥ مِن دُونِ ٱللَّهِ وَمَا كَانَ مِنَ ٱلْمُنتَصِرِينَ

So Weالله caused the earth to swallow him and his dwelling place. Then he had no group or party to help him against Allah, nor was he one of those who could save themselves.

অতঃপর আমি কারুনকে ও তার প্রাসাদকে ভূগর্ভে বিলীন করে দিলাম। তার পক্ষে আল্লাহ ব্যতীত এমন কোন দল ছিল না, যারা তাকে সাহায্য করতে পারে এবং সে নিজেও আত্মরক্ষা করতে পারল না।

अन्ततः हमالله ने उसको और उसके घर को धरती में धँसा दिया। और कोई ऐसा गिरोह न हुआ जो अल्लाह के मुक़ाबले में उसकी सहायता करता, और न वह स्वयं अपना बचाव कर सका

پس فروبردیم او و خانه او را در زمین و نبود برایش دسته‌ای که یاریش

کنند جز خدا و نبود از یاری‌شدگان

Al-Qasas (28:82)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَصْبَحَ ٱلَّذِينَ تَمَنَّوْا۟ مَكَانَهُۥ بِٱلْأَمْسِ يَقُولُونَ وَيْكَأَنَّ ٱللَّهَ يَبْسُطُ ٱلرِّزْقَ لِمَن يَشَآءُ مِنْ عِبَادِهِۦ وَيَقْدِرُ لَوْلَآ أَن مَّنَّ ٱللَّهُ عَلَيْنَا لَخَسَفَ بِنَا وَيْكَأَنَّهُۥ لَا يُفْلِحُ ٱلْكَٰفِرُونَ

And those who had desired (for a position like) his position the day before, began to say: "Know you not that it is Allahﷻ Who enlarges the provision or restricts it to whomsoever He pleases of His slaves. Had it not been that Allah ﷻwas Gracious to us, Heﷲﷻ could have caused the earth to swallow us up (also)! Know you not that the disbelievers will never be successful.

গতকল্য যারা তার মত হওয়ার বাসনা প্রকাশ করেছিল, তারা প্রত্যুষে বলতে লাগল, হায়, আল্লাহﷻ তাঁর বান্দাদের মধ্যে যার জন্যে ইচ্ছা রিযিক বর্ধিত করেন ও হ্রাস করেন। আল্লাহﷻ আমাদের প্রতি

অনুগ্রহ না করলে আমাদেরকেও ভূগর্ভে বিলীন করে দিতেন। হায়, কাফেররা সফলকাম হবে না।

अब वही लोग, जो कल उसके पद की कामना कर रहे थे, कहने लगें, " अफ़सोस हम भूल गए थे कि अल्लाह ﷻ अपने बन्दों में से जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा करता है और जिसे चाहता है नपी-तुली देता है। यदि अल्लाह ﷻ ने हमपर उपकार न किया होता तो हमें भी धँसा देता। अफ़सोस हम भूल गए थे कि इनकार करनेवाले सफल नहीं हुआ करते।"

و بامداد کردند آنان که آرزو می‌کردند جای او را دیروز می‌گفتند وای گوئیا خدا می‌گشاید روزی را برای هر که خواهد از بندگانش و تنگ می‌گرداند اگر نه منّت می‌نهاد خدا بر ما هرآینه فرومی‌برد ما را وای گوئیا رستگار نشوند کافران

At-Taghaabun (64:9)

يَوْمَ يَجْمَعُكُمْ لِيَوْمِ ٱلْجَمْعِ ذَٰلِكَ يَوْمُ ٱلتَّغَابُنِ وَمَن يُؤْمِنۢ بِٱللَّهِ وَيَعْمَلْ صَٰلِحًا يُكَفِّرْ عَنْهُ سَيِّـَٔاتِهِۦ وَيُدْخِلْهُ جَنَّٰتٍ تَجْرِى مِن تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَٰرُ خَٰلِدِينَ فِيهَآ

أَبَدًا ذَٰلِكَ ٱلْفَوْزُ ٱلْعَظِيمُ

(And remember) the Day when He الله ﷻ will gather you (all) on the Day of Gathering, that will be the Day of mutual loss and gain (i.e. loss for the disbelievers as they will enter the Hell-fire and gain for the believers as they will enter Paradise). And whosoever believes in Allah ﷻ and performs righteous good deeds, He will remit from him his sins, and will admit him to Gardens under which rivers flow (Paradise) to dwell therein forever, that will be the great success.

সেদিন অর্থাৎ, সমাবেশের দিন আল্লাহﷻ তোমাদেরকে সমবেত করবেন। এ দিন হার-জিতের দিন। যে ব্যক্তি আল্লাহর প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করে এবং সৎকর্ম সম্পাদন করে, আল্লাহﷻ তার পাপসমূহ মোচন করবেন এবং তাকে জান্নাতে দাখিল করবেন। যার তলদেশে নির্ঝরিনীসমূহ প্রবাহিত হবে, তারা তথায় চিরকাল বসবাস করবে। এটাই মহাসাফল্য।

इकट्ठा होने के दिन वहالله ﷻ तुम्हें इकट्ठा करेगा, वह परस्पर लाभ-हानि का दिन होगा। जो भी अल्लाहﷻ पर ईमान लाए और अच्छा कर्म करे उसकी बुराईयाँ अल्लाहﷻ उससे दूर कर देगा और उसे ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेगा जिनके

नीचे नहरें बह रही होंगी, उनमें वे सदैव रहेंगे। यही बड़ी सफलता है

روزی که گردآورد شما را برای روز گردآوردن آن است روز تغابن (بی‌بهره‌گی) و آنکه ایمان آرد به خدا و بکند کرداری شایسته بزداید از او بدیهایش را و درآردش باغهائی که روان است زیر آنها جویها جاوادانان در آنها همیشه این است آن رستگاری بزرگ

At-Taghaabun (64:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ وَكَذَّبُوا۟ بِـَٔايَـٰتِنَآ أُو۟لَـٰٓئِكَ أَصْحَـٰبُ ٱلنَّارِ خَـٰلِدِينَ فِيهَا ۖ وَبِئْسَ ٱلْمَصِيرُ

But those who disbelieved (in the Oneness of Allah ﷻ - Islamic Monotheism) and denied Our Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.), they will be the dwellers of the Fire, to dwell therein forever. And worst indeed is that destination.

আর যারা কাফের এবং আমার ﷻ আয়াতসমূহকে মিথ্যা বলে, তারাই জাহান্নামের অধিবাসী, তারা তথায় অনন্তকাল থাকবে। কতই না মন্দ

He ﷲ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

প্রত্যাবর্তনস্থল এটা।

रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया और हमारीﷲ आयतों को झुठलाया, वही आगवाले है जिसमें वे सदैव रहेंगे। अन्ततः लौटकर पहुँचने की वह बहुत ही बुरी जगह है

و آنان که کفر ورزیدند و تکذیب کردند آیتهای ما را آنانند یاران آتش جاودانان در آن و چه زشت است آن جایگاه

At-Taghaabun (64:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

مَآ أَصَابَ مِن مُّصِيبَةٍ إِلَّا بِإِذْنِ ٱللَّهِ وَمَن يُؤْمِنۢ بِٱللَّهِ يَهْدِ قَلْبَهُۥ وَٱللَّهُ بِكُلِّ شَىْءٍ عَلِيمٌ

No calamity befalls, but with the Leave [i.e. decision and Qadar (Divine Preordainments)] of Allahﷻ, and whosoever believes in Allahﷻ, He guides his heart [to the true Faith with certainty, i.e. what has befallen him was already written for him by Allahﷻ from the Qadar (Divine Preordainments)], and Allahﷻ is the All-Knower of everything.

আল্লাহﷻর নির্দেশ ব্যতিরেকে কোন বিপদ আসে না এবং যে আল্লাহﷻর প্রতি বিশ্বাস করে, তিনি তার অন্তরকে সৎপথ প্রদর্শন করেন। আল্লাহﷻ সর্ববিষয়ে সম্যক পরিজ্ঞাত।

अल्लाहﷻ की अनुज्ञा के बिना कोई भी मुसीबत नहीं आती। जो अल्लाहﷻ पर ईमान ले आए अल्लाहﷻ उसके दिल को मार्ग दिखाता है, और अल्लाहﷻ हर चीज को भली-भाँति जानता है

نرسد پیش‌آمدی جز به دستور خدا و آنکه ایمان آرد به خدا رهبری کند دلش را و خدا است به همه چیز دانا

At-Taghaabun (64:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَطِيعُوا۟ ٱللَّهَ وَأَطِيعُوا۟ ٱلرَّسُولَ فَإِن تَوَلَّيْتُمْ فَإِنَّمَا عَلَىٰ رَسُولِنَا ٱلْبَلَٰغُ ٱلْمُبِينُ

Obey Allah,ﷻ and obey the Messenger (Muhammad SAW), but if you turn away, then the duty of Our Messenger is only to convey (the

Message) clearly.

তোমরা আল্লাহﷻর আনুগত্য কর এবং রসূলুল্লাহর আনুগত্য কর। যদি তোমরা মুখ ফিরিয়ে নাও, তবে আমারﷺ রসূলের দায়িত্ব কেবল খোলাখুলি পৌছে দেয়া।

अल्लाहﷻ की आज्ञा का पालन करो और रसूल की आज्ञा का पालन करो, किन्तु यदि तुम मुँह मोड़ते हो तो हमारेﷻ रसूल पर बस स्पष्ट रूप से (संदेश) पहुँचा देने की ज़िम्मेदारी है

و فرمان برید خدا و فرمان برید پیمبر را پس اگر روی برتابید نباشد بر فرستاده ما جز رسانیدن آشکار

At-Taghaabun (64:13)

Allahالله ﷻ! La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He), and in Allahالله ﷻ (Alone), therefore, let the believers put their

Heﷲ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

trust.

আল্লাহﷲ ﷻ তিনি ব্যতীত কোন মাবুদ নেই। অতএব মুমিনগণ আল্লাহﷲ ﷻর উপর ভরসা করুক।

अल्लाहﷻ वह है जिसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। अतः अल्लाहﷻ ही पर ईमानवालों को भरोसा करना चाहिए

خداوند نیست خدائی جز او و بر خدا باید توکل کنند مؤمنان

Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl.Fasl......

Beware...

At-Taghaabun (64:14)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓا۟ إِنَّ مِنْ أَزْوَٰجِكُمْ وَأَوْلَٰدِكُمْ عَدُوًّا لَّكُمْ فَٱحْذَرُوهُمْ ۚ وَإِن تَعْفُوا۟ وَتَصْفَحُوا۟ وَتَغْفِرُوا۟ فَإِنَّ ٱللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ

O you who believe! Verily, among your wives and your children there are enemies for you (i.e. may stop you from the obedience of Allah)ﷻ, therefore beware of them! But if you pardon (them) and overlook, and forgive (their faults), then verily, Allahﷻ is Oft-Forgiving, Most Merciful.

হে মুমিনগণ, তোমাদের কোন কোন স্ত্রী ও সন্তান-সন্ততি তোমাদের দুশমন। অতএব তাদের ব্যাপারে সতর্ক থাক। যদি মার্জনা কর, উপেক্ষা কর, এবং ক্ষমা কর, তবে আল্লাহﷻ ক্ষমাশীল, করুনাময়।

ऐ ईमान लानेवालो, तुम्हारी पत्नियों और तुम्हारी सन्तान में से कुछ ऐसे भी है जो तुम्हारे शत्रु है। अतः उनसे होशियार रहो। और यदि तुम माफ़ कर दो और टाल जाओ और क्षमा कर दो निश्चय ही अल्लाहﷻ बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है

ای آنان که ایمان آوردید هر آینه از زنان شما و فرزندان شما دشمنی است شما را پس بترسیدشان و اگر درگذرید و چشم‌پوشی کنید و بیامرزید همانا خدا است آمرزنده مهربان

At-Taghaabun (64:15)

إِنَّمَآ أَمۡوَٰلُكُمۡ وَأَوۡلَٰدُكُمۡ فِتۡنَةٞۚ وَٱللَّهُ عِندَهُۥٓ أَجۡرٌ عَظِيمٞ

Your wealth and your children are only a trial, whereas Allahﷻ!

_With Him is a great reward (Paradise).

তোমাদের ধন-সম্পদ ও সন্তান-সন্ততি তো কেবল পরীক্ষাস্বরূপ। আর আল্লাহﷻর কাছে রয়েছে মহাপুরস্কার।

तुम्हारे माल और तुम्हारी सन्तान तो केवल एक आज़माइश है, और अल्लाहﷻ ही है जिसके पास बड़ा प्रतिदान है

جز این نیست که خواسته‌های شما و فرزندان شما آزمایشی است و خدا نزد او است پاداشی بزرگ

At-Taghaabun (64:16)

فَٱتَّقُواْ ٱللَّهَ مَا ٱسۡتَطَعۡتُمۡ وَٱسۡمَعُواْ وَأَطِيعُواْ وَأَنفِقُواْ

خَيْرًا لِّأَنفُسِكُمْ وَمَن يُوقَ شُحَّ نَفْسِهِۦ فَأُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْمُفْلِحُونَ

So keep your duty to Allah ﷻ and fear Him as much as you can; listen and obey; and spend in charity, that is better for yourselves. And whosoever is saved from his own covetousness, then they are the successful ones.

অতএব তোমরা যথাসাধ্য আল্লাহ ﷻকে ভয় কর, শুন, আনুগত্য কর এবং ব্যয় কর। এটা তোমাদের জন্যে কল্যাণকর। যারা মনের কার্পন্য থেকে মুক্ত, তারাই সফলকাম।

अतः जहाँ तक तुम्हारे बस में हो अल्लाह ﷻ का डर रखो और सुनो और आज्ञापालन करो और ख़र्च करो अपनी भलाई के लिए। और जो अपने मन के लोभ एवं कृपणता से सुरक्षित रहा तो ऐसे ही लोग सफल है

پس بترسید خدا را هر آنچه بتوانید و بشنوید و فرمانبرداری کنید و بخشایش کنید بهتر است برای شما و آنکو نگهداشته شود بخل‌ورزی خویش را همانا آنانند رستگاران

At-Taghaabun (64:17)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِن تُقۡرِضُواْ ٱللَّهَ قَرۡضًا حَسَنٗا يُضَٰعِفۡهُ لَكُمۡ وَيَغۡفِرۡ لَكُمۡۚ وَٱللَّهُ شَكُورٌ حَلِيمٌ

If you lend to Allah ﷻ a goodly loan (i.e. spend in Allah's Cause) He will double it for you, and will forgive you. And Allah ﷻ is Most Ready to appreciate and to reward, Most Forbearing,

যদি তোমরা আল্লাহﷻকে উত্তম ঋণ দান কর, তিনি তোমাদের জন্যে তা দ্বিগুণ করে দেবেন এবং তোমাদেরকে ক্ষমা করবেন। আল্লাহﷻ গুণগ্রাহী, সহনশীল।

यदि तुम अल्लाहﷻ को अच्छा ऋण दो तो वह उसे तुम्हारे लिए कई गुना बढ़ा देगा और तुम्हें क्षमा कर देगा। अल्लाहﷻ बड़ा गुणग्राहक और सहनशील है,

اگر وام دهید خدا را وامی نکو بیفزایدش برای شما و بیامرزد شما را و

He ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷻ ই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है
خدا است سپاسگزار بردبار

At-Taghaabun (64:18)

بسم الله الرحمن الرحيم

عَٰلِمُ ٱلْغَيْبِ وَٱلشَّهَٰدَةِ ٱلْعَزِيزُ ٱلْحَكِيمُ

الله ﷻ

All-Knower of the unseen and seen, the All-Mighty, the All-Wise.

الله ﷻ

তিনি দৃশ্য ও অদৃশ্যের জ্ঞানী, পরাক্রান্ত, প্রজ্ঞাময়।

الله ﷻ

परोक्ष और प्रत्यक्ष को जानता है, प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है

الله ﷻ

دانای نهان و هویدا عزّتمند حکیم

At-Taghaabun (64:8)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَـَٔامِنُوا۟ بِٱللَّهِ وَرَسُولِهِۦ وَٱلنُّورِ ٱلَّذِىٓ أَنزَلْنَا وَٱللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ

He ﷲ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷲ ই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷲ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

Therefore, believe in Allahﷻ and His Messenger (Muhammad SAW), and in the Light (this Quran) which We have sent down. And Allah ﷻis All-Aware of what you do.

অতএব তোমরা আল্লাহﷻ তাঁর রসূল এবং অবতীর্ন নূরের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন কর। তোমরা যা কর, সে বিষয়ে আল্লাহﷻ সম্যক অবগত।

अत: ईमान लाओ, अल्लाहﷻ पर और उसके रसूल पर और उस प्रकाश पर जिसे हमने अवतरित किया है। तुम जो कुछ भी करते हो अल्लाहﷻ उसकी पूरी ख़बर रखता है

پس ایمان آرید به خدا و پیمبرش و روشنائی که فرستادیم و خدا است بدانچه کنید آگاه

Al-Jumu'a (62:9)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓاْ إِذَا نُودِيَ لِلصَّلَوٰةِ مِن يَوْمِ

ٱلْجُمُعَةِ فَٱسْعَوْا۟ إِلَىٰ ذِكْرِ ٱللَّهِ وَذَرُوا۟ ٱلْبَيْعَ ذَٰلِكُمْ خَيْرٌ لَّكُمْ إِن كُنتُمْ تَعْلَمُونَ

O you who believe (Muslims)! When the call is proclaimed for the Salat (prayer) on the day of Friday (Jumu'ah prayer), come to the remembrance of Allah ﷻ[Jumu'ah religious talk (Khutbah) and Salat (prayer)] and leave off business (and every other thing), that is better for you if you did but know!

মুমিনগণ, জুমআর দিনে যখনالصلوات **~~নামাযের~~ আযান দেয়া হয়, তখন তোমরা আল্লাহﷻর স্মরণের পানে ত্বরা কর এবং বেচাকেনা বন্ধ কর। এটা তোমাদের জন্যে উত্তম যদি তোমরা বুঝ।**

ऐ ईमान लानेवालो, जब जुमा के दिनالصلوات **~~नमाज़~~ के लिए पुकारा जाए तो अल्लाहﷻ की याद की ओर दौड़ पड़ो और क्रय-विक्रय छोड़ दो। यह तुम्हारे लिए अच्छा है, यदि तुम जानो**

ای آنان که ایمان آوردید هر گاه بانگ داده شود برای نماز از روز جمعه (آدینه) پس بشتابید بسوی یاد خدا و رها کنید سوداگری را این بهتر است

He الله ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিالله ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीالله ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

برای شما اگر بدانید

Al-Jumu'a (62:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَإِذَا قُضِيَتِ ٱلصَّلَوٰةُ فَٱنتَشِرُوا۟ فِى ٱلْأَرْضِ وَٱبْتَغُوا۟ مِن فَضْلِ ٱللَّهِ وَٱذْكُرُوا۟ ٱللَّهَ كَثِيرًا لَّعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ

Then when the (Jumu'ah) Salat (prayer) is finished, you may disperse through the land, and seek the Bounty of Allah ﷻ(by working, etc.), and remember Allah ﷻmuch, that you may be successful.

অতঃপর ~~নামায~~ الصلواتসমাপ্ত হলে তোমরা পৃথিবীতে ছড়িয়ে পড় এবং আল্লাহﷻর অনুগ্রহ তালাশ কর ও আল্লাহﷻকে অধিক স্মরণ কর, যাতে তোমরা সফলকাম হও।

फिर जब ~~नमाज़~~ الصلواتपूरी हो जाए तो धरती में फैल जाओ और अल्लाहﷻ का उदार अनुग्रह (रोजी) तलाश करो, और अल्लाहﷻ को बहुत ज़्यादा याद करते रहो, ताकि तुम सफल हो। -

سپس گاهی که پایان یافت نماز پس پراکنده شوید در زمین و بجوئید از فضل خدا و یاد کنید خدا را بسیار شاید رستگار شوید

Al-An'aam (6:94)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ جِئْتُمُونَا فُرَٰدَىٰ كَمَا خَلَقْنَٰكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍ وَتَرَكْتُم مَّا خَوَّلْنَٰكُمْ وَرَآءَ ظُهُورِكُمْ وَمَا نَرَىٰ مَعَكُمْ شُفَعَآءَكُمُ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُمْ أَنَّهُمْ فِيكُمْ شُرَكَٰٓؤُا۟ لَقَد تَّقَطَّعَ بَيْنَكُمْ وَضَلَّ عَنكُم مَّا كُنتُمْ تَزْعُمُونَ

And truly you have come unto Us ﷻ alone (without wealth, companions or anything else) as We ﷻcreated you the first time. You have left behind you all that which We ﷻ had bestowed on you. We ﷻ see not with you your intercessors whom you claimed to be partners with Allah ﷻ. Now all relations between you and them have been cut off, and all that you used to claim has vanished from you.

তোমরা আমারﷻ কাছে নিঃসঙ্গ হয়ে এসেছ, আমি প্রথমবার তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছিলাম। আমিﷻ তোদেরকে যা দিয়েছিলাম,

তা পশ্চাতেই রেখে এসেছ। আমি ﷻতো তোমাদের সাথে তোমাদের সুপারিশকারীদের কে দেখছি না। যাদের সম্পর্কে তোমাদের দাবী ছিল যে, তারা তোমাদের ব্যাপারে অংশীদার। বাস্তুবিকই তোমাদের পরস্পরের সম্পর্ক ছিন্ন হয়ে গেছে এবং তোমাদের দাবী উধাও হয়ে গেছে।

और निश्चय ही तुम उसी प्रकार एक-एक करके हमारेﷻ पास आ गए, जिस प्रकार हमﷻने तुम्हें पहली बार पैदा किया था। और जो कुछ हमﷻ ने तुम्हें दे रखा था, उसे अपने पीछे छोड़ आए और हम तुम्हारे साथ तुम्हारे उन सिफ़ारिशियों को भी नहीं देख रहे हैं, जिनके विषय में तुम दावे से कहते थे, "वे तुम्हारे मामले में शरीक है।" तुम्हारे पारस्परिक सम्बन्ध टूट चुके है और वे सब तुमसे गुम होकर रह गए, जो दावे तुम किया करते थे

و همانا آمدید ما را تنها چنانکه آفریدیمتان نخستین‌بار و بازگذاشتید آنچه را به شما دادیم پشت سر خویش و نبینیم با شما شفیعان شما را آنان که پنداشتیدشان در شما شریکان همانا بگسیخت میان شما و گم شد از شما آنچه بودید می‌پنداشتید

He ﷲ ﷺ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲ ﷺই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲ ﷺ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

తెలుగు"మెరికె"లు-యుద్ధవీరులు-/
అరబీలో"అమారిక/మారికః"అంటే యుద్ధం-ఆపేరుండే దేశాలన్నీ యుద్ధాలు చేయించటమే పనిగా పెట్టుకొన్నాయి-యుద్ధాలతోనే ,మొత్తంఅచ్చటి ఆదివాసులను సమూలసంహారంజేసి,వాళ్ళసర్వస్వాలనూ ఆక్రమించుకొన్న రాక్షసఅసురుల ఆలవాలాలీ మోడర్న్ అమేరికన్,ఆస్ట్రేలియా దేశాలు-ఇతరుల ముడ్డిలోకత్తి పెట్టటమేవాళ్ళ ధ్యేయం-మూగిసూడటమే ప్రత్యేక హాబీ,

"Mareka"in Arabic denotes WAR.....So mAreka is always at War,War,War,No Peace...▁▂▄Filistine, GAZA,GADDA.latest score. GodDisloyalDisrelyNasaara Yehudy Unabated Attrocities on UnArmed PeaceLoving , Allaahu-Fearing,Muslim Citizens ....
02-30hours2024-02-24Heart Breaking News :-
Marekan_disreli
planned.short term TARGET:-
2,00,000heads of Filistinian Muslims....tentatively revised to 500000+++colleteral damages..+

so far bombed,snuffed out and

Killed....60,000+++++???many more dead buried under the Debris,Rubble,.....
Women,-Children,Newborn, yet to be born,Stillborn,onVentilator
30,000+++++???Missing
Missing.....90,000++"+???
injured blatantly gravely grieviously..wantonly....maimed..2,00,000++++???
Homes bombed ...4,00,000+++???
Houseless,Roofless,Foodless,Waterdeprived,Sick,Clothless, Unsupported,uncared for ,unwanted by the Modern CIVILIZED Demonocratic World........24,00,000..all muslims...

■_○ _▬ ■_

■_○ _▬ ■_

LongRangePlan of Mareko-DisrelyCombine..
Genocide and Ethnic Cleansing of all remaining muslims in Gaza(Gadda) and WestBank of RiverJordan...
A brown AfroAsian dog called sunakam,+Majoisys of different hues and colours are also actively aiding the Tyrants,with Money,Arms and Ammunitions,

■_○ _▬ ■_

PALESTINIAN (NON)AUTHORITY Unpopularly called P.A.

IS A STOOGE ORGANISATION FUNDED FLOATED AND Controlled BY THE MAREKANS AS AN EYE WASH TO MISLEAD THE JHOOTHIA WORLD.....PALESTINIAN (NON)AUTHORITY IS A STOOGE OF THE WEST ,A ScARE CROW, A PAPER TIGER ,SURREDERING MUSLIMS LANDS and Lives ,TO THE DISRELIS AT THE COMMAND OF ITS HANDLERS....MAREKA+THE WEST+THE REST+old and new SWASTIKAS. DISRELis HAVE KILLED THOUSANDS OF YOUNG MUSLIMS IN tHE WEST BANK Area of P.A.
President of P.A or Resident ,ABBAS IS MATING THE WESTETNERS,MERELY WITNESSING THe MURDERS IN HIS OWN LAND... اب دهلی دور است ...فلیسطین است

He﷽ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি﷽ই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही﷽ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है
...... بيت المقدس بابري مسجد

P.A. HAS NO PHYSICAL CONTROL EVEN ON ITS CAPITAL RAMALLAH. .DISRELIS WITH IMPUNITY , ENTER THE WHOLE OF PALESTINE WITH TANKS, BULLDOZERS,MILITARY JETS,BOMBERS,ETC.... AND MURDER YOUNG MUSLIMS TO REDUCE THE MUSLIM POPULATION....THOUSANDS OF MUSLIM HOMES HAVE BEEN BULLDOZED RIGHT UNDER THE NOSE OF ABBAS,THE GREAT PAPER TIGER CUM MAREKAN REMOTE-CONTROLLED _PRESIDENT....HE IS PRESIDING OVER THE TOTAL ANnHILATION OF PALESTINIANS ....ENTIRE GAZA HAS BEEN DESTROYED ....SISI'S-A,R,EGYPT,,ANOTHER REMOTE CoNTROLLED MAREKAN STOOGE country, .AREgypt HAS CLOSED THE BORDERS FOR THE MUSLIM REFUGEES,FROM GAZA...,,WHERE SHOULD THEY GO ..PLUNGE IN TO THE MEDITERRANIAN AND GET DROWNED???.. THIS IS DEMONOGRAPHIC ZENITH/HEiGHT OF HUMAN APATHY.... ABDULlAh OF JORDAN AND HIS AMERICAN WIFE ????
UAE and its Fashionable Sullataans,KSA underDJ MBS,DJ ABUMBS, toothless OiC,are all in the Marekan Kitty.
WHAT CAN BE EXPECTED FROM THE WELL KNOWN STOOGES OF THE WEST.???
WHAT A SHAME THAT SOME MUSLIM COUNTRIES ARE HUDDY BUDDY FRIENDLY WITH THE THE PERPETRATORS OF THEB MOST HENIOUS CRIMES AGANST THE HUMANITY.AND THE MUSIMS ?
Can't they Sever diplomatic ties with TalBeit/Yerushalom.....they can but?????
aMarekan fingers are tickling their rectal muscles....

■ ■■_■○ _▬_▬█_▬_○ ●◆█●◆p█●◆ █Gaza- A Sitting Duck And Practice Target -Testing Ground For New Arms since 108 long years,

Gaza- is blocked from all sides by ARE,Nasara Yehudy Combine-Gazans have only Two inevitable Choices to Quit this Ethereal World ....Face Bombardments and get decimated on land or Become Amphibians and Dive into the Mediterranean to commit Harakiri...Yehudis want Eretz Israel -Propogated through Haretz...the Land Of Not only Gaza but Also West Bank ,Half of ARE, Half of KSA,Jordan,Lebanon,Syria,Yemen,North Africa ,Spain,Iran,Iraq,etc....where ever a sprinkle of their Money lending fore father's lived in the Forgotten Past,...Some more Lamblands are also digging into the bygone History to rectify now ,their perceived

Heﷲﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)

তিনিﷲﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)

वहीﷲﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

injustices of the long forgotten mysterical History.....Their Latest Fad is To rewrite the Past History with the present blood of their perceived Foes...Khudos to the New Myantra -Science is Subjective to Superstition..నెలవిడిచి కఱ్ఱసాము చెసిన విధమున ,ఉట్టికెక్క లెనమ్మ ఆకసానికి యెగురు...నటుల.....

..Hence ,New Anti Gandhian forays into the Nasara yehudi slippery Realm....with folded hands ,tongue,and other paraphernalia.... Fancied Doggie Bhokchen...But the Canine with all its Feral Ferocity, so far,didn't bite the Mangoloid Neighbours,instead it is looking,with gleaming Feline eyes at a distant distractor, always fond of fishing in Troubled H²Os,

কেনো আমাদের কুত্তাটা বর্বারে ভোখেছেনা **?**

ইয় দোস্তি হামনাই চোডইঞ্জ,

अगाज तो अछा है , अंजाम खुदा जाने,
मिलतेही नजर तुमसे हम्होगये तेरे दीवाने,

A new फेटिश **Fetish?**

$$$$$$$$$$$$&&&&&&&&&$$$$$$$$$$

True muslims join the mainstream UMMAH-called Muslims-certified by the AlMighty-as Muslims in AlQuran....who follow HANEEF Ibraheema-a.s-and Muammad S,A,S only-

72 deviant groups are not supported-they sport different Falstaaffian Icons,Labels,Logos,Emojis,Chamelian Colours-the latest FAD bieing Zafaraany_Kaashaaya-like ...self proclaimed Self-nominated,self-nomenclatured....devilpathists,...barrekabeerweey..etc.....they follow different softwares developed by their Aabaa +Ajdaad of recent past-duely pampered by the imperialist Bartanwy,who gave them the idea of begging bowl-BARTAN + concept of FistFund,

They follow assiduously their BoozeRougues with great Devotion+Dedication.,Pomp,Glory,Blowry,Bhajan,Bhojan,Thengaa-Tenkaaya,Theertham,Tabarruk,Nooqqal,etc....... Their favourite Sport is to vandalize the Masaajidu of Muwahhideen as at Dichpally-NZB,Madanapalle+PalamnerCTR -to cite a few -they failed to hold a single IJTEMAA at Faizabad-Babry Masjid-and did nothing for its Preservation-cum Restoration-- one can visualize that Nawwaby Bhopal is their favourite HotSpot ,..Amassing hugeRealEstate Assets

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)

তিনিﷲ ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)

वहीﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

IN THEIR INDIVIDUAL PERSONAL NAMES IS THE ONLY KARNAMAA -E- HAYAAT OF THESE 50:50 BEGBOWLMUTTIFUNDWYZAKATHHADAPES SINCE 1973.....HEADING FOR ENFORCED SELF LIQUIDATION ANY MOMENT....THE PROVERBIAL DEMOCLES ED-IT-PMLA-UCC-COMBO-GARLANDS ARE DAZZLING OVER THEIR HORIZONS.

ఉమ్మతుఇబరాహీము అంటే "మువహ్హిదులే"--- వాళ్ళు తక్క,తతిమ్మా72-అవి50:50గాకవేరేనా-అంటే నువ్వుసగంతినూ-నేనూ సగంతింటా-WHAT A SYMBIOTIC COMBINATIVE CARMINATIVE KHAAPEEKE KAPAAS

((లేటెస్టు బ్రేకింగు జ్యూసీ న్యూస్-ఈకాంమ్-భోజరాజద్వయ-దుయ్యూసుల షేరింగ్ ప్రపోర్షన్ ఫిగరు50;50-నుండి ఊర్ధ్వఉత్థాన ఫథంలో, ప్రొపల్షనల్ ,"అప్ వర్డు-రివిజన్"తో30%-70% గామారిందట-యెండనక,వాననక,సఫీరీయాత్రలుజేసే,అతారరాజ్యాలతిరుగుబోతుకు-70%-రాలినకాడికిరాలనీ అనే ఆరాల్లైటుక్విక్ఫిక్సుస్టేషనరీ ఆంబోతుకు30% అట-దీనికి కారణం-ALL INDIA SAFEERY TRADE UNION గతకొన్ని సనవాతులగా ఎజిటేషను చేసి ధర్నాలూ గావించి, మేనేజిమేంటుతలలువంచింపజేసి,జనసముదాయాలను వంచించి, ,యెట్టకేలకు సంవత్ హిజిరీ1444 లో గేలిచి తమ WITUCజెండాను పైకెగరేశారట- ,దీనికి సరేసర్ సర్దారు గా ముందుండి ఎజిటేషనును విజయపథంపై నడిపించి తమడిమాండ్సు,సాధింపజేసిన ఒంటికన్ను KUNTI KAALU కామ్రేడు కామారెడ్డి BAAWILOKAPPA పాటసాలకు చెందిన కెమల్ అటాటుర్క పాషా నట-తంలో ఆయన CITU,AITUC,BMS,లాంటి హేమాహేమీలవద్ద శుష్రూషలజేసి కుటిల,చాణక్యనీతులన్నీ నేర్చుకొని ,

ఈ ట్రేడింగుట్రేడు యూనియనుభాద్యతలను స్వీకరించి రట-ట్రేడుయూనియన్ అంటే మజాకానా!....వాల్ల వుచ్చ పెట్రోల్ ......యముడుకూడా దడుసుకోవాల్సిందే,))

-DISMISREALTIONSHIP-WONDER ME THUNDER-

THE PEANUT (ARACHIS HYPOGAEA),

#*Symbiosis (from Greek **συμβίωσις**, symbíōsis, "living together", from **σύν**, sýn, "together", and **βίωσις**, bíōsis, "living")[] is any type of a close and long-term biological interaction between two biological organisms of different species, termed symbionts, be it parasitic/mutualistic/commensalistic, or conmen brigandistic mysticalcruxycrucible Midasic BasMaSauriya ChoooChaaa Alkemy

*$Modern Definition of Symbiosis,$-here Symbiots are Two Samesex Same Species Same Linga Lingo Limbo Silsilah Tufaily WeevilDeivil devaBANTUS with a common vested interest of "doosaronke Beton koo Alpha Betaa

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲ ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

padhaanaa,Roman Roman japnaa -Parayaa Maal Hadapnaa

Haqeeqy Haqqdaaro ko laat marwaanaaaa"

మిల్కర్ లూటేంగే కోముకే మిల్కియతుల-సంపదల-ను
ఆడుతు పాడుతు పనిచేస్తుటే అలుపూ సొలుపేమున్నదీ!
ఇద్దరు కలిసి చేయి కలిపితే కొదవే మున్నదీ!
మనకూ యేదురే మున్నదో!

Aetebarooo Yaa Oooolil Absaar-

ఆలోచించండి! ఆకళింపుగల దేవబంటులారా!

Seriously contemplate -oh men of insight+foresight

The masajid of Muwahhudeena were razed at many places eg: Dichpally.NZB, Telangana,Palamaneru-AP. ,Madanapalle -AP

by protoginists of Factionalism from దేవరఘంది**deol-panthiest BuzRoguey**

Ullemma group... యెన్నోచోట్ల **+++** "మువహ్హిదు"ల మసీదుల కూల్చివేతలో

మిస్లిమ్ ఆకతాయి తపేలీతోపీమూకల సామూహిక కార్సేవ....

ముబజ్జి'రూన-

(వత్తకు'ల్లా,హ - **beware of,** జాగ్రత్త. !)-
ఆస్తి-డబ్బు , శారీరిక , మానసిక , మేధో - వనరులను , తెలితేటలనూ, నేర్చుకొన్న

wake_quakeUp call.doxc.from ❋❋❋ kristina jemeila,khadija mariama, ❋❋❋
dpt.by ZidduJogulaBismasouriyyea,+tech.help from Esciondian
EaiouPpellalaRaajooo,ccie,Folio....146

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)

তিনি ﷲ ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)

वही ﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

విద్యలనూ , స్పెషాలిటీస్ , **expertise , eminence** , పనితనాలనూ , వ్యర్థంగా , షైతా'ను మెచ్చే పనులలో **waste** చేసేవారు **- al-Israa-27-**

◝■◜✽◝■◜✽◝■◜

◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜

◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜◝■◜✽◝■◜✽◝■◜◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜

◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜

◤

◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜◝■◜✽◝■◜✽◝■◜◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜

◝■◜✽◝■◜✽◝■◜
◝■◜✽◝■◜✽◝■◜

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

[[[[[[[ఓ**9**నెంబరు मीसाल ९रोय्यलसीमा नयातुरक९సాయిబుగాని

९ఆప్-భీతీ-**Auto Biography-**९సొంతడబ్బాకొంత वाईमपुड्ल,**[[[]]]**చదువరుల

ఎంటర్టేన్మెంటు కోసం-**[[][[]**

w³-Yt-Fb,Wup,X-?????యిత్యాదులన్నీయేంటో**?**అశ్లీలాలుకావా**?**షైతాను సాంగత్యాలుగావా**??** గొల్లమాల-బేటుల్మాల,ముర్తీపెండజకాతుహడపేబాల్లాబావలచేతులలోకూడా**G_5** కానవచ్చు-దర్శకులు నిలదీసిఅడగాలి-**///**ఆరియా మహాశయనా**!!**మీకు,మాట్లాడేదానికి మామూలు కీపేడ్ ఫోను సాలదా**?**అని-

ఇదేంవైపరీత్యమో**?** ప్రళయవిలయందగ్గరాయే-**((**లకద్-జాఅ అష్రాతుహా**)[[[**لقد جاء أشراتها**)]]]the signs of ALQIYAAMA have since appeared prominantly,apparantly for the men of foresight/oooooIil absaaaaaar,,,,,,,only the blind can't see,,,**

ఇస్లాం మక్కా,మదీనలకే పరిమితమా-**barre kabaaeru lo**గోసాయిగోబర్ గ్యాసు దుమారం చెలరేగే,ఛిలుంగాంజాగూంగార్ఘూమ్నేకే దిన్ ఆహీగయే **naadaan bellam**బాలం**!sajjan,saajan,((**షైతానుయెన్తసిరు**)(**సాతాను గెలిచిగేళిచేస్తాడనే**))**అరబ్బులకథ **CIEFL-EFLU-2001**లో అరబీలో సదివా**-))**

****

Tail piece-లఖనఊ నుండి **350**మిసిలిములు కాలినడకన బాబ్రీవుండినచోటికివచ్చి యేదోతంతునామే **.........**చేసిజన్మధన్యసార్థకులాయేరట-**(**పాపీరస్ న్యూసు**)**

****

కలికాలపోగాలందాపురించిననేను కనను,విననూ,మార్కొననూ అని సిన్నప్పుడు **"**మిత్రలాబం-మిత్రబేధం**"**లో సదివి **SSLC1962** తెలుగు ఫస్టుపేపరులో లో **73%** మార్కులుతెచ్చుకోని **ZPHS,Mpl,**లో **2**ప్రైజు కొట్టేసాన్-నాకంటే ఫస్టు,నాముందునిలిచినవాడు-నిమ్మనపల్లినారాయణరేడు-వాడు **SSLC** తో పైసదువులకు ఫుల్స్టాపు పెట్టి,రైతుబిడ్డగ పొలందున్నే-లగ్గంజేస్కోని సంసారంసాగదీసె-

మరైతే నాను,డాక్టరు కావాలనీ తిరపతి డబ్బారేకులకాలేజీలో **PUC(BiPC1963)**లోజేరి,కాలేక-రబీంద్రనాథ్ఠాగోర్-గారి-**"**శాంతినికేత**"**న్లో బెజవాడగోపాల్రెడ్డిలా నేనూ కొంతసదివి-డిస్కంటిన్యూజేసేసా**1963-64-**అప్పరం-అంటే తమిళ-చిత్తూరు తాటాకుల **GAS college**లో **BSc-BZC(-1968)**అయిందనిపించా-ఇగఉద్యోగపర్వం-**SVU.Tpt,**లో**-MA**డిగ్రీ ప్రైవేటుగా సంపాదిస్తి-అంతకు ముందే ద**.**భా**,**హి**.**ప్రచారసబద్వారా హిందీవిశారద-అయ్యిందనిపించా-మా **Mpl-Zphs-**హిందీపండితుడు-చీరాలసుబ్బారావును మరువలేను-

****

انا ھے تو 1 راہ مین کچھ پھیر نہی ھے

Aanaa hai to aa raahame kuch pher nahee Hai

Allaha ke ghar derho magar andher nahee hai!

ألله کا گھر دیر ھے اندھیرنہی ھے

ముహమ్మద్ రఫీగారి పుణ్యమా ఈపాట నాహృదయాన్ని హత్తుకొని కలతపేడుతూనే వుంది-ఓదశకం-నల్లచరితం తర్వాత

1978లో కంబం**(Cumbum)**లో **"**లబ్బైక్**"** చెప్పేసా**!**మధ్యలో జామఆతుల సంపర్కాలలో **30** యేండ్లు వేస్టు-వృధా ఆయే-గొడ్డుదాల్చా-బగారఖాన**(1979**షురూలో రూకలు**1/-**కే ఓప్లేట్**)**తిని బ్రేమ్మని తేపులుతేన్చినా-గలీగలీమే గసాబుసాగస్తీలూ,పిల్లిమొగ్గలూ-మర్కటగంతులూ-మసీదులలో లుంగీలటక్,జంగీర్ఘుటక్-లూచేసినా-యెవడూనాకు అరబీగ్రామరునేర్పలే-పైగాకుర్ఆను సదివితే

ఆగమాగంఐపోతవ్-అమీరుసెప్పిందేవేదం-అనిరి-ఒకేదైవం-ఒకేగ్రంధం,మరి**72 !**యెందుకోఅని అడిగితే -మాబూజురోగులువేరే-వాల్లBuzRougues వేరే-అని నీతులుసెప్పిరి-యేదోవెలితి-గా ఫీల్ఔతుంటి--:-అదే తౌహీదు అని పకోడీదాసులుచెప్పిరి-వాల్లపుస్తకాలలో సిర్ఫు ఔరు సిర్ఫు "కితాబు" వ "సున్నః" ప్రకారం వుంటే -నేనంతవరకు సదివిన (చెత్త) సాహిత్యాలలో బూజురోగలకతలే మేండకులంతమెండు-ఇగ జామఆకులకు విడాకులూ-తిలోదకాలూఇచ్చేసి--అరబీరంగంలోకి దూకితి-ఆలిమాన పహల్వానీ చవిజూస్తి-ఇంతవరకూ **5** 0సార్లు హిజరతులుజేయాల్సివచ్చే-ఆఖిరకు నాసొంతఇల్లే వదలాల్సివచ్చే-అదరాబదరాగొల్లకొండశాలిబండఫిసలబండమేకలబండలపట్నంలో
Urdu-B.A,-2009//చేసి-**MAANU-**ఉర్దూ విశ్వవిద్యాయం,**GachhiBowli,**నుండీ
M,A.URDU-2014--చేసా-**//**
CIEFL-EFLU-నుండీ **Arabic Diplomas (Graduate Level-2000_2004)**పూర్తిగావించి-కుర్ఆను అర్థంచేసుకోనే ప్రయత్నంలో మష్గూల్-బిజీగా వున్నా-అరబీనేర్చుకొని (కుర్ఆను)'పారాయణంచేస్తున్నా-అల్ హమ్దులిల్లాహి-**308**సార్లుపూర్తిచేసా-ఈముర్దాజీవితంలో మొట్టమొదటి సారిగా "ఇత్మినాన్"అనుభూతి అంటేయేమిటో ఈకుర్ఆను చదవటంతోనే కలిగింది-ఇంకేంకావాలినాకు!
****
70యేళ్ళ వడివరకూ **10-**డిగ్రీలు సంపాదించా-చివరిది అరబీ డిగ్రీ-లాస్ట్ బట్ దీ బేస్టు-మరి ఇంకేమీ అవసరంలేదు-
అరబీనేర్చుకోనివాడు ﺍﺴﺎﻮﺭﻴﻴﻨﭙ ﻮﺴﻮﻠﺗﻴﻣﻴﻛﻴﺪﻨﭙ
స్వర్గవాసనకూడపొందడనే నా ఫర్మ్ బిలీఫ్-
మిసిలిమిముసిలిమానులారా-అరబీనహు,సర్ఫు!కవాఇదు-బలాగః,-నేర్చుకొని జన్మలను తరింపజేసుకోవచ్చు-
1445 సంవత్సరాలైనా తెలుగులో ఇలాంటిగ్రామర్ బుక్ రాయాలనే తపన యేఆలిములు, జాలిములూ,గాఫిలకూ కలగలే,
(((ఓకొత్తబిచ్చగాడు- తురకసమాజంకోసం రాసినవి**)))**
మీకోసం తెలుగు-ఆంగ్లభాషలలో అరబీపుస్తకాలు తయారుచేసా-
www.archive.org.telugu books లోకివెల్లి-
అల్లాహు,అరబీ,నహు-సర్ఫు,తజ్వీదు,వ్యాకరణం -**Arabic Grammar,Arabic,Tajeeed,Arabic Syntax,Allaahu,**అనే సర్చ్ టేగ్సు**Search Tags** తో వెదికితే **........**చాలు-
కోత్తగా ఈకల్లోలసమాజంలోకిసాఅడుగు పెట్టే **9**నెంబర్లారా-
ముందు తోహీదు నేర్చుకోవడం ,ఆపై అరబీ జ్ఞానసముపార్జన మనపై నున్నలాజిమ్,ఫర్దులు-కర్తవ్యాలు-తర్వాత మూడోది-మనఅంబియాలలా రెక్కాడించి డొక్కాడించండి-ముఫ్తీఫెండలూ, ఖైరాతు బిచ్చాలూ-జకాతులుగైకొనకండి-సులేమాను,అ,స.గారుతన వట్టిచేతులతో ఇనపకవచాలూ,యుద్ధపరికరాలూ తయారుజేసిరే-మరినేను పిచ్చకుంటలపోషయ్యలా అడుక్కతిని బేగారీ-బెగ్గర్నామ్టాట్టుకావాలా!
ఇక్కడ ఆదరాబాదరాలో యెన్నో **9**నెంబర్లనుకలిసా-యెక్కువమందితాము-**9!**నెంబరు తగిలించుకోవటంతో అల్లాహుతఆలా పై -మెహర్బానీ చేసినట్లు ఫీల్ఐ కోతలుకోస్తున్నారూ-జేబులునింపు కొంటున్నారు-కడుపులను నరకాగ్నితో**!---**మహాచేటు--

He ﷺ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)

তিনি ﷺই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)

वही ﷺ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

-అరబీ భాషనేర్చుకున్న 9'నెంబరు నేనింత వరకూ సూడలే,కనలే,వినలే,---అసలు వాల్ల రాడార్లలో అరబీలేదే-తౌహీదు మృగ్యం-..దర్గాలకూ,ఆమిలలదగ్గరికిపోయే 9శాల్తీలనూ కలిశా-సహీహ్ హదీలనూనిరాకరించే గొప్ప9నెంబర్లూవుండనేవుండే-జమఆతులతో సంసారంగడిపే హాఫ్ బేక్డు కేక్9లనూకలిసా--మొత్తానికి ధనమూలమిదంజగత్తు-**Money makes everything**-న బాప్ బడా ధ మయ్యా సబ్సే బడా రూపయ్యా-అనేసత్యం కరోనాలా,హినీలా కొత్తతీరాలనూ కళుషితంజేస్తోంది:--తెగినగాలిపటంలా,సుక్కానిలేని నావలా కొట్టుకపోతున్నా:--చివరకు తేలేది గుడక గాడే-ఆఅగ్నిగుండంలోనే-దేనినుండి పారిపోయి9లేబల్ తగిలించుకొన్నానో-సగినాలుబలికేబల్లికుడితిలోపడినట్లు-**anthenaaa...**జీవనధ్యేయం మబ్బు-ﻣﻬﻢముబ్హమ్ గానే నిలిచే-

నిజానికి ఇస్లాంనిఅమతును నాకు గిఫ్టుజేసిన రబ్బుల్ఆలమీన-అల్లాహు,తఆలా వారికి నేను సదా లొంగి-బంటునై రుణపడివుండాలే-గాని **......**కోతలు యమ ఖతరనాక్-**koooyaku,** సాపప్తువేరు కుర్ఆనుది ఇన్స్టాల్చేసుకోవాలి-బూజురోగుల,,జామఆకులకు దూరంబాబూ-బహుదూరం-వర్స్ట్,ఫలితాలు-నెగటివ్! బెనిఫిట్సు ఈనేలపేనే-అక్కడ హాహాకారాలూ,హాయ్ హాయ్ లే-

చివరిగా-ఇకనైనా వెంటనే "కుర్ఆను"ను "ఇమామ్" గనిలబెట్టుకొని-సరైన"సిరాతుల్ ముస్తకీం"ను **selecet**చేసి "జన్నతు"వేపు **Navigate** చేస్తే -పాతధందాలను దైవం మాఫ్ చేయగలరే-జన్మలు తరింపగలవే-జామఆకులూ,బూజురోగులూ-భూతప్రేతాలఆమిలులూ-మూరకముర్షదులూ-చింతకాయపుంగనూరులూ,నూకలుచెల్లిపోయిన"కుతుబు-అక్తాబు"లూ, "వలీ-ఔలియాలూ-"లూ-అంతా మొహతాజులే-యేసహాయంచేయలేనినిస్సహాయులే-ఆఒక్క అల్లాహు,సుబహానహూ, తప్ప--

ఈరోగాలకు చికిత్స ముపహ్హిదుల వద్దమాత్రమే వుంది:-

Al-Hujuraat (49:17)

يَمُنُّونَ عَلَيْكَ أَنْ أَسْلَمُوا۟ قُل لَّا تَمُنُّوا۟ عَلَىَّ إِسْلَٰمَكُم بَلِ ٱللَّهُ
يَمُنُّ عَلَيْكُمْ أَنْ هَدَىٰكُمْ لِلْإِيمَٰنِ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

આ લોકો તારા ઉપર એહસાન જતાવે છે કે તેઓએ ઇસ્લામને કબૂલ કર્યો કહે કે અમારા ઉપર તમારા ઇસ્લામનો એહસાન ન જતાવો, આ ખુદાનો એહસાન છે કે એણે તમને ઇમાન તરફ હિદાયત કરી અગર તમે (તમારા ઇમાન લાવવાના દાવામાં) સાચા છો.

वे तुमपर एहसान जताते है कि उन्होंने इस्लाम क़बूल कर लिया। कह दो, "मुझ पर अपने इस्लाम का एहसान न रखो, बल्कि यदि तुम सच्चे हो तो अल्लाह ही तुमपर एहसान रखता है कि उसने तुम्हें ईमान की राह दिखाई।-

তারা মুসলমান হয়ে আপনাকে ধন্য করেছে মনে করে। বলুন, তোমরা মুসলমান হয়ে

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনিﷲ ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वहीﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है
আমাকে ধন্য করেছ মনে করো না। বরং আল্লাহ ঈমানের পথে পরিচালিত করে তোমাদেরকে ধন্য করেছেন, যদি তোমরা সত্যনিষ্ঠ হয়ে থাক।

They regard as favour upon you (O Muhammad SAW) that they have embraced Islam. Say: "Count not your Islam as a favour upon me. Nay, but Allah ﷻ has conferred a favour upon you, that He has guided you to the Faith, if you indeed are true.
49/17
ఈనాడే అరబీనేర్చుకోవాలా!వద్దా-?
****
Heretical BoozuRogula koo,MurashaduAamilalakoo,Turaga-Daragah lakoo bahudooramlo undawalen-
dabbuto Ayaatulanu amme,mee zakaatulanu lutaainche Raabandulakooo kuchamaa kaasimeelakooo bahu bahu bahu doooooraammmmmmmm.
⟍■⟋✽⟍■⟋✽⟍■⟋
జామఆకుల పెహల్వానీదౌర్బన్యాలను రుచిచూసా,50సార్లు హిజరతుజేసా,
రాయల్ సీ హోటల్ వర్కరు జూపాల్ కు డబ్బులిచ్చి నాపై విషప్రయోగంగావించిరీ-తపేలీతోపీ-పుంగనూరుగాళ్ళు ,ఫలితం గా నాకిడ్నీసు పాడైపోయే-6సంవత్సరాలుగా CKD,గూదరోగంతో బాధపడుతున్నా-ఐనా ఈమంత్రాలచింతకాయగాళ్ళకు తలవంచేదిలేదే,
రోమన్ హోటల్లోగూడా ఇలాంటి విషప్రయత్నమే జేసిరి-అల్లాహు,తఆలా రక్షించారు,..ఇప్పుడు హోటల్లకు నాముగం సూపించటంలేదు,...అన్నిచోట్లా జామఆకులే,

⟍■⟋✽⟍■⟋✽⟍■⟋

⟍■⟋✽⟍■⟋✽⟍■⟋

800 SALON KA TAWEEL ARSE ME ,TABLEEGH KA ICON ISTEAMAAL HOTAA RAHAA, زر ،زمین،زن ،MAGAR AFSAUOS! +OFF COURSE/TABLEEGH NAAM KI CHEEZ NAHI, SIRF میراSARPE TOPI BACHA...dalchaa ka handi ke sangaath-woh bhi marakazon me.... Vested interests Zindabeda...
...jiye..bagarakhanaa,marqadi sleep.,markozi doze off, amberpet ka 6number,free boarding and lodging +ecomomical loWcost TOURISM.....groping,poaching,qaumLooting, PMLA CrowdFund croony muttifunda,Crony Sadaqaaaaat,oooooperseeeee zzzzZAKAT...not to be forgotten is the Snake Chillis BYTULGOLMAAL.followed by convertion of Loot /Golmaal .....into REAL personal estates....@ at least two places ...one here in the Eretz of the ignorant

He‎ﷲ‎ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)

তিনিﷲﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)

वहीﷲﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

muscular followers where i am pampered,reverred and showered,and i have a small local house for my immediate PatelyPotla affairs, ,and (2) the Pyaraa Watan where my original lion share big house is..

to which i am connected to umbilically/ Supra(renally) VenaCava with my nostalgics ever pervadingly lingering in my scheming astigmatic keratitik_demonic CPU

Long live BytulGolMaal

****

Muttifund morsel has enticed me like the Shytan and i forgot many things _fundamental

****

jaatasya maranam dhruvam

Kullu nafsin ZaaaeqtulMout..

But alas my lousy mouth is craving depravedly for other Things.......forgetting the imminent Death

****

....Sarwejanaa Sukhinobhawantu....

Allaah tero naam........

Sabko sanmati de Yaa muqallibu,

Wa musarriful quloobi wal Absaar.

Monasticism:Sanyaasy:सन्यास;సన్యాసత్వం:सन्नास,సన్యాసీ**,Monks,Fekirs,Babaas,Papas,Pedroes,Paadries,Fittus,filthies,**فقیر،رحبان.احبار**Sofis,.sufis,darweshes,durvases,etc....**

Al-Hadid (57:27)

ٱتَّبَعُوهُ ٱلَّذِينَ قُلُوبِ فِى وَجَعَلْنَا ٱلْإِنجِيلَ وَءَاتَيْنَٰهُ مَرْيَمَ ٱبْنِ بِعِيسَى وَقَفَّيْنَا بِرُسُلِنَا ءَاثَٰرِهِم عَلَىٰٓ قَفَّيْنَا ثُمَّ فَـَٔاتَيْنَا رِعَايَتِهَا حَقَّ رَعَوْهَا فَمَا ٱللَّهِ رِضْوَٰنِ ٱبْتِغَآءَ إِلَّا عَلَيْهِمْ كَتَبْنَٰهَا مَا ٱبْتَدَعُوهَا وَرَهْبَانِيَّةً وَرَحْمَةً رَأْفَةً فَٰسِقُونَ مِّنْهُمْ وَكَثِيرٌ أَجْرَهُمْ مِنْهُمْ ءَامَنُوا۟ ٱلَّذِينَ

પછી અમોએ તેમના જ નકશે કદમ પર બીજા રસૂલ મોકલ્યા, અને તેમના બાદ ઇસા ઇબ્ને મરિયમને મોકલ્યા, અને તેને ઇન્જીલ અતા કરી, અને તેમની પૈરવી કરવાવાળાઓના દિલોમાં મહેરબાની અને મોહબ્બત મૂકી. જેમને રૂહબાનીયત (સંસાર ત્યાગ)ને પોતાના તરફથી શરૂ કર્યો હતો તથા તેના વડે અલ્લાહની ખુશીના તલબગાર હતા, જો કે અમે હુકમ આપ્યો ન હતો અને તેઓએ તેની પૂરતી કાળજી ન રાખી, પછી અમોએ તેઓમાંથી જેઓ હકીકતમાં ઇમાન લાવ્યા હતા, તેમને અજ્ર અતા કર્યો, અને તેઓમાંથી મોટાભાગના ફાસિકો છે.

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)

তিনি ﷲ ﷻ ই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)

वही ﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

অতঃপর আমি তাদের পশ্চাতে প্রেরণ করেছি আমার রসূলগণকে এবং তাদের অনুগামী করেছি মরিয়ম তনয় ঈসাকে ও তাকে দিয়েছি ইঞ্জিল। আমি তার অনুসারীদের অন্তরে স্থাপন করেছি নম্রতা ও দয়া। আর বৈরাগ্য, সে তো তারা নিজেরাই উদ্ভাবন করেছে; আমি এটা তাদের উপর ফরজ করিনি; কিন্তু তারা আল্লাহর সন্তুষ্টি লাভের জন্যে এটা অবলম্বন করেছে। অতঃপর তারা যথাযথভাবে তা পালন করেনি। তাদের মধ্যে যারা বিশ্বাসী ছিল, আমি তাদেরকে তাদের প্রাপ্য পুরস্কার দিয়েছি। আর তাদের অধিকাংশই পাপাচারী।

Then, We sent after them, Our Messengers, and We sent 'Iesa (Jesus) - son of Maryam (Mary), and gave him the Injeel (Gospel). And We ordained in the hearts of those who followed him, compassion and mercy. But the Monasticism which they invented for themselves, We did not prescribe for them, but (they sought it) only to please Allah therewith, but that they did not observe it with the right observance. So We gave those among them who believed, their (due) reward, but many of them are Fasiqun (rebellious, disobedient to Allah).

फिर उनके पीछ उन्हीं के पद-चिन्हों पर हमने अपने दूसरे रसूलों को भेजा और हमने उनके पीछे मरयम के बेटे ईसा को भेजा और उसे इंजील प्रदान की। और जिन लोगों ने उसका अनुसरण किया, उनके दिलों में हमने करुणा और दया रख दी। रहा संन्यास, तो उसे उन्होंने स्वयं घड़ा था। हमने उसे उनके लिए अनिवार्य नहीं किया था, यदि अनिवार्य किया था तो केवल अल्लाह की प्रसन्नता की चाहत। फिर वे उसका निर्वाह न कर सकें, जैसा कि उनका निर्वाह करना चाहिए था। अतः उन लोगों को, जो उनमें से वास्तव में ईमान लाए थे, उनका बदला हमने (उन्हें) प्रदान किया। किन्तु उनमें से अधिकतर अवज्ञाकारी ही है

the-quran./57/27

islam has nothing to do with Sufism..... a mere Wollen Coatism....

...ھے تومونت ھے علاّج کو مرادجنون نا اسఇస్ నా మురాదు జునూను కో ఇలాజు హైతో మౌతుహై**-**
ఎ ఇష్కు షైతానీ హై**.---**

Soofis are Pure Parasitic,Tufeliy Fissiparous,Heretics -Lazy-AntiWorkholics Leechy suckers. Rather psychologically deluded,,Wierd, abnormal..Easy LifeMongers.....Pesty Vermin,. Viruses Hini,Carona,etc are less Toxic, mildly Virulant than GoongaaJhoomnaa Syndrome......

They are the Root Cause of Corruption In ideology...They have borrowed Mythologically Pathological, illconcepts ,misconceptions from the Mageans,ZwendAvestans,Greeks,Romans,Turks,,Subcontinentals,and the Sundry and Sacrileged the 100%Pure Tauheed with Abominations,Concoctions,Fabrications,and mixed Gubaary Menginy with Pure Milky Kalakhan....,

Caution:_

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)

তিনিﷲ ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)

वहीﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

SACRILEGE, BLASHPHEMY leads to HELL.

Allaahu .s.w.t. Is neither Parwardegar Nor Khuda, nor ...Miyyah

There are the most beautiful Asmaaul_ Husnaa_ for invocation,Those who use Majoisy Raafedy Jeheemy terminology to describe islaam will get a befitting Punishment Later on ..SAUFA تعلمون TALAMOON(know) wa SAUFA تألمون talamoon(Feel the pain of Torment)

Read Allah as Allaahu .s.w.t.

Read Namaz as AsSalah, Roza As AsSaum,

Darood as AsSalaatu wAsSalaam, etc

None has the right to Change The Divine Quraanic Istelahaat.i.e,Technical Terms Prescribed by AlMighty ..

********◆■◆■◆■◆◆■◆■◆■◆◆■◆■◆■◆

islam has nothing to do with Sufism..... a mere Wollen Coatism....

اس نا مرادجنون کو علاج ھے توموت ھے... ఇస్ నా మురాదు జునూను కో ఇలాజు హైతో మౌతుహై-ఎ ఇష్క్ షైతానీ హై.---

Soofis are Pure Parasitic,Tufeliy Fissiparous,Heretics -Lazy-AntiWorkholics Leechy suckers. Rather psychologically deluded,,Wierd, abnormal..Easy LifeMongers.....Pesty Vermin,. Viruses Hini,Carona,etc are less Toxic, mildly Virulant than GoongaaJhoomnaa Syndrome......

They are the Root Cause of Corruption In ideology...They have borrowed Mythologically Pathological, illconcepts ,misconceptions from the Mageans,ZwendAvestans,Greeks,Romans,Turks,,Subcontinentals,and the Sundry and Sacrileged the 100%Pure Tauheed with Abominations,Concoctions,Fabrications,and mixed Gubaary Menginy with Pure Milky Kalakhan....,

◆■◆■◆■◆◆■◆■◆■◆◆■◆■◆■◆

Sufism

Main article: Sufism

Further information: List of Sufi orders and List of Sufi saints

Sufism is Islam's mystical-ascetic dimension and is represented by schools or orders known as Tasawwufī-Ṭarīqah. It is seen as that aspect of Islamic teaching that deals with the purification of inner self. By focusing on the more spiritual aspects of religion, Sufis strive to obtain direct experience of God by making use of "intuitive and emotional faculties" that one must be trained to use.[

✲○ ✲○At least three western experts on Islam

have testified to its apolitical, quietist and/or peaceful character:

"peaceful and apolitical preaching-to-the-people movement" (Graham E. Fuller).[67][68][69]

"completely apolitical and law abiding" (Olivier Roy).[67][70][71]

"an apolitical, quietist movement of internal grassroots missionary renewal" (Barbara D. Metcalf).[41][72]

According to the American Foreign Policy Council (AFPC), the Tablighi Jamaat teaches that jihad is "primarily as personal purification rather than as holy warfare".[73]

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)
তিনি ﷲ ﷻ ই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)
वही ﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है

DEKH TERE INSAAN KI HAALATH KYAA HOGAYI ALLAAH/KITANAA BADAL GAYAA HAI_HAI_HAI_WAAN
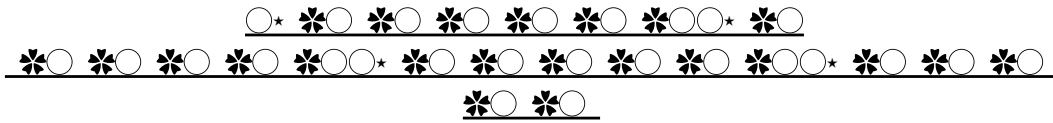
Document verified by Bowlanna MuttiFundewy,@Bidar-Zaheerabad,+ HadapZakaty@,Bijapur + Shah bodde bokodu @gulberga-kalabugri

Dtp by JidduZaloomanJogulan,
with Tech Support from EScìondiaOeiappelRaz.CCIE.

He ﷲ ﷻ it is Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), that He may make it (Islam) superior over all religions. And All-Sufficient is Allah as a Witness.Al-Fath (48:28)

তিনিﷲ ﷻই তাঁর রসূলকে হেদায়েত ও সত্য ধর্মসহ প্রেরণ করেছেন, যাতে একে অন্য সমস্ত ধর্মের উপর জয়যুক্ত করেন। সত্য প্রতিষ্ঠাতারূপে আল্লাহ যথেষ্ট।Al-Fath (48:28)

वहीﷲ ﷻ है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है